Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi
Ranchi ● Sunday, 23 June 2024 ● Year : 02 ● Issue : 155 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

किसी भी व्यक्ति की योग्यता का आकलन इस बात से होता है कि आप जीवन की परिस्थितियों का सामना कैसे करते हैं।

Kriti Sanon Is A Bundle Of...

SHARE

सेंसेक्स	:	77,209.90
निफ्टी	:	23,501.10

SARAFA

सोना	:	6,770
चांदी	:	96.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

महिला की निर्मम हत्या नग्न अवस्था में मिली लाश

SAHIBGANJ : साहिबगंज में शनिवार सुबह लगभग 8 बजे मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महादेवगंज मुस्लिम टोला के निकट गंगा घाट जाने वाले रास्ता से कुछ दूरी पर बीच खेत में एक महिला का नग्न अवस्था में शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई, देखने से पता चलता है कि महिला की हत्या पत्थर से कुच कर किया गया है। ग्रामीण बताते हैं कि सुबह महिला लोग घास फूस लाने के लिए निकली थी तो बीच खेत में एक महिला का शव देखा ,इसके बाद ग्रामीणों के द्वारा मुफस्सिल थाना प्रभारी शशि सिंह को सूचना दिया गया । थाना प्रभारी शशि सिंह दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर सदर अस्पताल पोस्टमॉर्टम के लिए भेजवाया । महिला की पहचान रुकैया खातून के रूप में की गई है, जो नगर थाना क्षेत्र के हबीबपुर के मदरसा गली की रहने वाली बताई जा रही है। महिला साहिबगंज की रहने वाली है सवाल है कि नगर थाना क्षेत्र से लगभग 8 किलो मी दूर महादेवगंज दियारा इलाके में उनकी शव मिलने की वजह क्या है ।

अवैध रेत खनन मामले में सीबीआई का छापा

NEW DELHI : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अवैध रेत खनन के सिलसिले में शनिवार को राजस्थान में 10 स्थानों पर तलाशी ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार समझा जाता है कि एजेंसी ने जयपुर, टोंक, जोधपुर, नागौर, भीलवाड़ा, करोली और सीकर में विभिन्न स्थानों पर तलाशी के दौरान 20 लाख रुपये से अधिक नकदी और एक देसी पिस्तौल जब्त की। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने राजस्थान उच्च न्यायालय की जयपुर पीठ के आदेश पर अवैध रेत खनन मामले की जांच अपने हाथ में ली है। पहले बूंदी पुलिस ने इस सिलसिले में मामला दर्ज किया था। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि पिछले साल 24 अक्टूबर को बिना वैध परमिट के पंजीकरण वाले एक डंपर से 40 मीट्रिक टन रेत की ढुलाई के दौरान शाहरुख को गिरफ्तार किया गया था।

ताइवान की आजादी मांगी तो मौत की सजा देगा चीन

NEW DELHI : चीन ने ाइवान की आजादी की मांग करने वाले लोगों को मौत की सजा की धमकी दी है। हालांकि चीन की इस धमकी को बेअसर माना जा रहा है क्योंकि ताइवान की आजादी की मांग चीन में नहीं होती है। ये मांगे ताइवान में होती हैं जहां चीनी अदालत के नियम नहीं चलते। रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने शुक्रवार को ये नई गाइडलाइन जारी की। इसमें कहा गया है कि ताइवान की आजादी की मांग करने वाले नेताओं के कदम से यदि देश या जनता को किसी भी प्रकार का नुकसान होता है तो मौत की सजा दी जा सकती है।

बांग्लादेशी नागरिकों को भारत देगा ई-मेडिकल वीजा

AGENCY NEW DELHI : शनिवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के बीच हैदराबाद हाउस में मुलाकात हुई। मुलाकात के बाद दोनों ने मीडिया को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की कि इलाज के लिए भारत आने वाले बांग्लादेशी नागरिकों के लिए भारत ई-मेडिकल वीजा सुविधा शुरू करेगा। भारत देश के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के लोगों के लिए बांग्लादेश के रंगपुर में एक नया वाणिज्य दूतावास भी खोलेगा। पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि दोनों नेताओं की पिछले एक साल में कई बार मुलाकात हुई है, उन्होंने कहा कि यह यात्रा इसलिए खास है क्योंकि पीएम शेख हसीना एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल में भारत की पहली राजकीय अतिथि हैं। भारत और बांग्लादेश ने रेलवे कनेक्टिविटी पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

पीएम व बांग्लादेश के प्रधानमंत्री हसीना के बीच हुए कई समझौते

- रंगपुर में एक नया वाणिज्य दूतावास भी खोलेगा भारत
- रेलवे कंडक्टिविटी पर हस्ताक्षर
- हसीना ने वीरों को अर्पित की श्रद्धांजलि

मुलाकात को बताया खास, तीसरे कार्यकाल की पहली अतिथि

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त प्रेस बयान जारी करते हुए कहा, हालांकि पिछले एक साल में हम 10 बार मिल चुके हैं, लेकिन आज की मुलाकात खास है क्योंकि शेख हसीना हमारे तीसरे कार्यकाल में हमारी पहली राजकीय अतिथि हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, पिछले एक साल में हम करीब 10 बार मिले हैं। लेकिन आज की मुलाकात इसलिए खास है क्योंकि प्रधानमंत्री शेख हसीना हमारी सरकार के तीसरे कार्यकाल में हमारी पहली राजकीय अतिथि हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, बांग्लादेश हमारी नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी, एक्ट ईस्ट पॉलिसी, विजन सागर और इंडो-पैसिफिक विजन में हमारे साथ संगम रखता है। पिछले एक साल में हमने मिलकर लोक कल्याण की कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं पूरी की हैं। दोनों देशों के बीच भारतीय रुपये में व्यापार शुरू हो गया है। भारत और बांग्लादेश के बीच गंगा नदी पर दुनिया की सबसे लंबी रिवर क्रूज सफलतापूर्वक पूरी हो गई है।

राफा में इजरायल ने की बमबारी, 42 की चली गई जान, 50 जख्मी

NEW DELHI : इजरायल के सुरक्षाबलों ने गाजा के दक्षिणी शहर राफा के पास अल-मवासी में फिलिस्तीनियों के टेंट कैंप पर बमबारी की। इसमें कम से कम 42 लोग मारे गए हैं। गाजा गवर्नमेंट मीडिया ऑफिस ने अलजजीरा को ये जानकारी दी। इससे पहले फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया था कि इजराइली हमले में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई है और 50 लोग घायल हैं। यह छोटे फिलिस्तीनी क्षेत्र में नया घातक हमला था, जहां इजराइल और हमास के बीच लड़ाई में सैकड़ों हजार लोग भाग गए हैं। राफा में सिविल डिफेंस फर्स्ट रिस्पॉन्डर्स के प्रवक्ता अहमद रादवान के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने दो जगहों पर बमबारी की जानकारी दी। वहीं, इजरायली सेना ने कहा कि मामले की समीक्षा की जा रही है।

झारखंड की 5 सहित 157 यूनिवर्सिटी को यूजीसी ने घोषित किया डिफॉल्टर

PHOTON NEWS TEAM : यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन यानी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने देश के दर्जनों सरकारी और प्राइवेट विश्वविद्यालयों पर कड़ी कार्रवाई की है। झारखंड की 4 सरकारी व एक प्राइवेट सहित देश की 157 यूनिवर्सिटी को डिफॉल्टर घोषित कर दिया है। इनमें रांची यूनिवर्सिटी भी शामिल है?। यूजीसी ने इसकी लिस्ट भी जारी की है। इनमें 108 सरकारी यूनिवर्सिटी, 47 प्राइवेट यूनिवर्सिटी और दो डीम्ड यूनिवर्सिटी भी शामिल हैं। यूजीसी के मुताबिक, इन सभी यूनिवर्सिटीज ने लोकपाल नियुक्त नहीं किया, इसके चलते इन्हें डिफाल्टर यूनिवर्सिटी के कैटेगरी में शामिल किया गया है।

माखनलाल चतुर्वेदी यूनिवर्सिटी का भी नाम

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी इस सूची में मध्य प्रदेश के सात विश्वविद्यालयों को डिफाल्टर घोषित किया गया है। इनमें माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (भोपाल), राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (भोपाल), जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय (जबलपुर), मध्य प्रदेश मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय (जबलपुर), नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विवि (जबलपुर), राजा मानसिंह तोमर म्यूजिक एंड आर्ट्स विवि (ग्वालियर) और राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय (ग्वालियर) शामिल है। इसके अलावा यूपी के किंग जार्ज यूनिवर्सटी ऑफ डेंटल साइंस (केजीएमयू) का भी नाम है।

किस राज्य में कितनी सरकारी यूनिवर्सिटी डिफॉल्टर

आंध्र प्रदेश की 4, बिहार की 3, छत्तीसगढ़ की 5, दिल्ली की 1, गुजरात की 4, हरियाणा की 2, जम्मू कश्मीर की 1 झारखंड की 4, कर्नाटक की 13, केरल की 1, महाराष्ट्र की 7 मणिपुर की 2, मेघालय की 1, ओडिशा की 11, पंजाब की 2, राजस्थान की 7, सिक्किम की 1, तेलंगाना की 1, तमिलनाडु की 3, उत्तर प्रदेश की 10, उत्तराखंड की 4, पश्चिम बंगाल की 14 सरकारी यूनिवर्सिटी डिफाल्टर घोषित की गई है।

बड़ा एक्शन

- लोकपाल नियुक्त करने के आदेश का पालन नहीं करने के कारण की गई कार्रवाई
- लिस्ट में 108 सरकारी, 47 प्राइवेट और दो डीम्ड यूनिवर्सिटी शामिल
- सूची में झारखंड के 4 सरकारी और 1 प्राइवेट विश्वविद्यालय हैं शामिल

झारखंड के इन विवि पर की गई कार्रवाई

- रांची विवि
- जमशेदपुर महिला विवि
- कोल्हान विवि
- रक्षा शक्ति विवि
- दुर्गा सोरेन विवि

नोट : सिर्फ दुर्गा सोरेन विवि प्राइवेट है।

जांच में खुलासा : जली बुकलेट का नंबर हजारीबाग सेंटर का

झारखंड से ही लीक हुआ नीट का पेपर, 6 संदिग्ध कस्टडी में

PHOTON NEWS TEAM : शनिवार को नीट एग्जाम विवाद में झारखंड कनेक्शन भी सामने आया। झारखंड पुलिस ने देवघर से शनिवार को 6 लोगों को हिरासत में लिया है। इन्हें बिहार के पटना ले जाया जाएगा। इस मामले में अब तक 19 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। उधर, दोनों राज्यों की पुलिस ने बताया कि नीट का पेपर झारखंड से ही लीक होने के सबूत मिले हैं। बिहार पुलिस का कहना है कि 5 मई को नीट की परीक्षा हुई थी। इस दौरान सूचना मिली थी कि कुछ स्टूडेंट्स और सेंटर के पास पेपर पहले से पहुंच गया है और उसे रटवाया जा रहा है। पुलिस जब वहां पहुंची तो जला पेपर मिला और बुकलेट नंबर 6136488 बरामद की गई थी। सूत्रों की मानें तो यह बुकलेट हजारीबाग के एक सेंटर की है। इससे यह माना जा रहा है कि पेपर झारखंड से ही लीक हुआ था। इधर जांच एजेंसी के हेड फिलहाल दिल्ली में हैं। सूत्रों की मानें तो उन्होंने अपनी जांच रिपोर्ट और अब तक की कार्रवाई से एनटीए और शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों को अवगत कराया है। हालांकि जांच एजेंसी की तरफ से अब तक इसे लेकर आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है।

पुलिस ने बताया- इनपुट के बाद एक्शन

देवघर पुलिस ने बताया, जिन 6 लोगों को हिरासत में लिया गया है, उनमें बिहार के नालंदा जिले के रहने वाले परमजीत सिंह उर्फ बिट्टू, चिंटू उर्फ बलदेव कुमार, काजू उर्फ प्रशांत कुमार, अजीत कुमार, राजीव कुमार उर्फ कारू और पिंकू कुमार शामिल हैं। देवघर सदर के एसडीपीओ रित्विक श्रीवास्तव ने बताया कि एक इनपुट के बाद यह कार्रवाई की गई है। ये आरोपी जुहू सिंह के घर में ठहरे थे। अब तक की जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि नूरसराय उद्यान कॉलेज का कर्मी संजीव मुखिया ही पेपर लीक करने वाले गिरोह का सरगना है। यह गिरोह कई माह से इसकी साजिश रच रहा था। संजीव को एक प्रोफेसर ने वॉट्सऐप पर पेपर भेजा था। इसके बाद पटना और रांची के मेडिकल स्टूडेंट्स की मदद से पेपर हल कराया गया। हल होने के बाद 5 मई की सुबह उत्तर के साथ इसे करायापरसुराय के चिंटू उर्फ बलदेव के मोबाइल पर भेजा गया।

परीक्षाओं में पारदर्शिता के लिए बनाई गई विशेषज्ञों की समिति, 2 महीने में देगी रिपोर्ट

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने परीक्षाओं को पारदर्शी बनाने, सुचारू और निष्पक्ष संचालन के लिए विशेषज्ञों की एक उच्च स्तरीय समिति बनाई है। समिति 2 महीने के भीतर मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपेगी। समिति में 7 सदस्य शामिल हैं। हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीजे राव और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली के पूर्व निदेशक रणदीप गुलेरिया इस समिति में शामिल हैं। पूर्व इसरो अध्यक्ष और आईआईटी कानपुर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष डॉ के राधाकृष्णन परीक्षाओं का पारदर्शी, सुचारू और निष्पक्ष संचालन सुनिश्चित करने के लिए विशेषज्ञों की उच्च स्तरीय समिति का नेतृत्व करेंगे। शिक्षा मंत्रालय द्वारा बनाई गई समिति परीक्षा प्रक्रिया के तंत्र में सुधार, डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल में सुधार और एनटीए की संरचना और कार्यप्रणाली पर सिफारिशें करेगी।

गड़बड़ियां रोकने के लिए लोक परीक्षा कानून लागू

21 जून की देर रात को केंद्र सरकार ने पेपर लीक और परीक्षा में गड़बड़ियों की रोकथाम के लिए लोक परीक्षा कानून 2024 लागू कर दिया है। प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स (पब्लिक एग्जामिनेशन एक्ट 2024) के प्रावधान को देशभर में लागू किया गया। इसी साल फरवरी में यह कानून पारित किया गया था। संसद में फरवरी 2024 को पारित हुआ यह कानून 21 जून 2024 से लागू कर दिया गया है. इसके तहत पब्लिक एग्जाम में होने वाली धांधली, फर्जीवाड़ा पर रोकथाम के लिए न्यूनतम 3 से 5 वर्ष के कैद की सजा का प्रस्ताव है। इसके साथ ही पेपर लीक गिरोह में संलिप्त लोगों को 5 से 10 वर्ष की सजा साथ ही न्यूनतम 1 करोड़ रुपए के जुर्माने का प्रावधान है।

6 झुलसे, आसपास की इमारतों पर गिरा मलबा

हरियाणा की फायरबॉल फैक्ट्री बलास्ट में 4 की मौत

AGENCY GURUGRAM : हरियाणा में गुरुग्राम के दौलताबाद इंडस्ट्रियल एरिया में फायरबॉल बनाने वाली फैक्ट्री में कल देर रात आग लग गई। इसके बाद फैक्ट्री में जबरदस्त धमाके हुए, जिससे पूरा इलाका दहल गया। भीषण आग लगने से 6 लोग झुलस गए। वहीं, कंपनी में तैनात एक सिक्योरिटी गार्ड समेत 4 लोगों की मौत हो गई। घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है।

धमाकों के बाद आग लगने की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। कंपनी में धमाका इतना जोरदार था कि आसपास के मकान तक हिल गए। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

एयर अरेबिया की फ्लाइट में बम की सूचना, साढ़े 8 घंटे लेट हुआ विमान

NEW DELHI : केरल के कोझीकोड में कालीकट इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक एयर अरेबिया की फ्लाइट में शनिवार सुबह बम की सूचना मिली। बम डिटेक्शन स्क्वाड और पुलिस जांच के बाद सूचना फर्जी पाई गई। यह फ्लाइट कालीकट से शारजाह के लिए सुबह साढ़े 8 बजे टेक ऑफ करने वाली थी। एयरपोर्ट के अधिकारी ने बताया कि सुबह बोर्डिंग से पहले ग्राउंड स्टाफ को एक नोट मिला था। इस नोट में बम लिखा हुआ था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। बम डिटेक्शन स्क्वाड की टीम ने मौके पर पहुंचकर पूरे एयरक्राफ्ट की जांच की, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। फ्लाइट की पिछली ट्रिप के किसी पैसेंजर ने यह नोट छोड़ा था।

44 विस क्षेत्र के एमएलए के लिए 220 व 38 को दिए गए 190 करोड़ रुपये

विकास के लिए 82 विधायकों को मिले 5-5 करोड़

PHOTON NEWS RANCHI : गांडेय विधानसभा उप चुनाव जीत कर आई नवनिर्वाचित विधायक कल्पना सोरेन सहित सभी 82 विधायकों को विधायक फंड मिल गया है। सरकार ने पांच-पांच करोड़ रुपये प्रत्येक विधायक के लिए जारी किया है। ग्रामीण विकास विभाग ने इसका आवंटन आदेश जारी किया है। इस वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 410 करोड़ रुपये की निधि जारी की गयी है। इसमें जनजातीय क्षेत्र उपयोजना के तहत 44 विधानसभा क्षेत्र के विधायकों के लिए 220 करोड़ व अन्य क्षेत्र उपयोजना अंतर्गत 38 विधानसभा क्षेत्र के लिए 190 करोड़ रुपये दिए गये है। ग्रामीण विकास सचिव के। श्रीनिवासन ने विधानसभा सदस्यों की अनुशंसा से ली जाने वाली विधायक योजना के कार्यान्वयन के लिए आवंटित राशि की जानकारी सभी उपविकास आयुक्त, निदेशक, डीआरडीए, निदेशक, राष्ट्रीय नियोजन कार्यक्रम, अपर समाहर्तों, जिला पंचायत पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता रांची, नजारत उप समाहर्ता रांची, गिरिडीह, सरायकेला, जिला योजना पदाधिकारी बोकारो एवं दुमका,

टिकाऊ परिसंपत्तियों के सृजन पर जोर

ग्रामीण विकास सचिव ने स्पष्ट किया है कि आवंटित राशि का व्यय विधायकों द्वारा अनुशंसित योजनाओं पर विधायक योजना के गाइडलाइन के तहत किया जाये। इसके साथ ही निकासी की गयी राशि का खर्च स्थानीय आवश्यकताओं पर आधारित विकासात्मक प्रवृति की टिकाऊ परिसंपत्तियों के सृजन पर ही किया जाये। निकासी की गयी राशि के बाद समेकित उपयोगिता प्रमाण पत्र भी हर हाल में जमा करने को कहा गया है। वहीं, यदि किसी विधानसभा सदस्य का निर्वाचन क्षेत्र एक से अधिक जिलों में पड़ता है तो उनके द्वारा अनुशंसित योजना की राशि निकासी कर दूसरे जिलों को हस्तांतरित कर दी जायेगी।

सख्त हिदायत कार्यालय पहुंचने में 15 मिनट से अधिक विलंब हुआ तो हो जाएगी कार्रवाई

केंद्रीय कर्मी रहे सावधान! देर से ऑफिस आना मना

AGENCY NEW DELHI : मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में अलग एंगल से कम करना चाह रही है। इसका पहला उदाहरण इस रूप में सामने आया है कि केंद्रीय कर्मचारियों के ऑफिस आने-जाने की अवधि पर लगाम कस दी गई है। सावधान हो जाएं केंद्र सरकार के कर्मचारी-अधिकारी। मोदी सरकार बिलकुल सख्त हो गई है। देर से दफ्तर आने पर बड़ी कार्रवाई हो सकती है। केंद्र सरकार ने साफ-साफ कहा है कि 15 मिनट से अधिक की देरी से दफ्तर आने वालों को माफ नहीं किया जाएगा। उन्हें कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। देश भर के कर्मचारियों को सुबह 9.15 बजे तक कार्यालय में उपस्थित होने और अपनी हाजिरी दर्ज कराने का निर्देश दिया गया है। केंद्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने अधिकतम 15 मिनट की देरी को माफ करने का फैसला किया है। आगाह किया गया है कि अगर वे सुबह 9.15 बजे तक ऑफिस नहीं आते हैं तो उनका आधा दिन का आकस्मिक अवकाश काट लिया जाएगा।

बायोमेट्रिक सिस्टम से ही अटेंडेंस

वरिष्ठ अधिकारियों सहित सभी कर्मचारियों को बायोमेट्रिक सिस्टम का उपयोग करने के लिए भी कहा गया है। आपको बता दें कि कोरोना संक्रमण के बाद इसका इस्तेमाल बंद कर दिया गया था। सरकारी कर्मचारियों के लिए जारी आदेश में कहा गया है, किसी भी कारण से यदि कर्मचारी किसी विशेष दिन कार्यालय में उपस्थित नहीं हो पाते हैं तो उन्हें इसकी सूचना देनी होगी। आकस्मिक अवकाश के लिए आवेदन करना होगा। केंद्र सरकार के कार्यालय सुबह 9 बजे से शाम 5.30 बजे तक खुले रहते हैं, लेकिन जूनियर स्तर के कर्मचारियों का देर से आना और जल्दी चले जाना सामान्य बात है।

मोदी सरकार ने बनाई थी कार्यालय में समय लागू करने की योजना

वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि ऑफिस कोई निश्चित समय नहीं है। हम काम घर भी ले जाते हैं। वे आमतौर पर शाम 7 बजे के बाद निकलते हैं। इसके अलावा उनका तर्क है कि कोविड के बाद इलेक्ट्रॉनिक फाइलों पर अक्सर छुट्टियों या वीकेंड में घर से काम करते हैं। 2014 में सत्ता संभालने के बाद मोदी सरकार ने कार्यालय के समय को लागू करने की योजना बनाई थी। कर्मचारियों ने इसका विरोध किया था। कुछ ने तर्क दिया था कि वे लंबी दूरी की यात्रा करते हैं। अधिकारी और कर्मचारी समय पर ऑफिस आएं इसके लिए आधार वाली बायोमेट्रिक सिस्टम लगाई गई थी। कई वरिष्ठ अधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करने के लिए कतारों में खड़े होने से बचने के लिए अपनी मेज पर बायोमेट्रिक डिवाइस लगाई थी। अब सरकार फिर से ऐक्शन में दिख रही है। बॉयोमेट्रिक सिस्टम को फिर से बहाल करने के लिए आदेश जारी किए गए हैं।

बरेली में सड़क पर अंधाधुंध फायरिंग 6 पुलिसवाले सस्पेंड

BAREILLY : बरेली में बिल्डर के गुर्गों और मार्बल कारोबारी के बीच सड़क पर अंधाधुंध फायरिंग हुई। किसी थ्रिलर मूवी की तरह दोनों पक्ष कभी कार तो कभी डिवाइडर की आड़ लेकर फायरिंग करते रहे। फायरिंग से सड़क पर दहशत फैल गई। 30 मिनट तक बवाल चला। मामला शनिवार सुबह इज्जतनगर पीलीभीत बाईपास रोड का है। घटना के बाद एसएसपी ने इंस्पेक्टर समेत 6 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान ने बताया- इज्जतनगर थाना के गांव लालपुर निवासी आदित्य उपाध्याय की पीलीभीत बाईपास रोड पर शंकरा महादेवा मार्बल्स के नाम से शॉप है। शनिवार सुबह बिल्डर राजीव राणा 30-40 अज्ञात लोगों के साथ 2 बुलडोजर लेकर आदित्य की दुकान पर पहुंचे। दुकान और प्लाट पर कब्जा करने की कोशिश की।

एलओसी पार कर घुसपैठ की कर रहे थे कोशिश

उरी में सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को किया ढेर

AGENCY SRINAGAR : जम्मू-कश्मीर में हाल के दिनों में आतंकी हमले में इजाफा हुआ है। आतंकी सीमा पार से घुसपैठ कर यहां दहशत का माहौल बनाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, सेना के चौकस जवान और सुरक्षा बल आतंकियों के मंसूबों पर पानी फेर दे रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को एक बार फिर आतंकियों ने एलओसी पार करने की कोशिश में थे। हालांकि उनकी कोशिश को सुरक्षा बलों ने नाकाम कर दिया और दो आतंकियों को मार गिराया। आतंकी शनिवार को जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर में एलओसी के पास घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। लेकिन जवानों ने इसे नाकाम कर दिया। इसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हुई जो अभी भी जारी है। घटना को लेकर अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने उरी सेक्टर के गोहल्लां इलाके में नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया है।

माधवी उपाध्याय
जमशेदपुर

धुआँ-धुआँ शहर

धुआँ-धुआँ शहर...!
धुआँ-धुआँ शहर हुआ
यूँ बारूदों का घर हुआ।

उन झूठे आधिपत्य में,
है जिंदगी नेपथ्य में।
यूँ खूँनी जंग, रंग से,
यूँ दुश्मनी कहर हुआ।

शहर -शहर उजड़ गए,
डगर -डगर निगल गए।
ये युद्ध की विभीषिका,
तहस-नहस शहर हुआ।

उजड़ रहे हैं पौध सब,
मनुष्यता को रौंद अब।
बची न आँखों में नमी,
जहर का यूँ असर हुआ।

भुगत रहा सकल जगत
विनाश की प्रबल जुगत।
विकल हुए यूँ बीज नव,
गली-गली समर हुआ।।

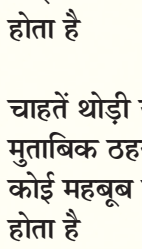

संतोष चौबे
जमशेदपुर

पल भर को यूँ आना भी...

आना पल भर को यूँ आना भी कभी होता है
इश्क में ऐसा दिखावा भी कभी होता है

यूँ तो दुनिया में कई रंग हैं जीने के लिए
देखे बिन तुझको गुजारा भी कभी होता है

धड़कने मेरी यूँ सांसों से मुतल्लिक तेरे
आदमी इतना गवारा भी कभी होता है

ये जरूरत ही पूरी होती नहीं दुनिया में
कोई अपना या पराया भी कभी होता है

चाहतें थोड़ी जरूरत के मुताबिक ठहरीं
कोई महबूब से प्यारा भी कभी होता है

लोभ से मुक्त हुए लोगों से छूटा नाता?
ज़िंदगी तुझसे किनारा भी कभी होता है

बाद शादी के वो कहते हैं तेरे हैं संतोष
इस तरह कोई दिलासा भी कभी होता है।।

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

हिमालय की गोद में बसा चिलमिरी नेक

घुमक्कड़ की पाती घूमने वाली जगहों को लेकर आकृति के मन में एक गहरी उत्सुकता थी। वह इस घाटी में स्थित अन्य जगहों के बारे में भी जानना और समझना चाहती थी। साथ ही साथ संभव हुआ तो देखना भी। मैंने उसे रामताल और देववन के बारे में बताया।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

सुबह सोकर उठे तो पूरा का पूरा पहाड़ ओस से ढंका हुआ था। हमारे आसपास कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। बावजूद इसके हमने मोइला टॉप से अपना टेंट और स्लीपिंग बैग समेट अपना बैकपैक किया और वापस चकराता लौट आए। आसपास की तमाम जगहों को एक्सप्लोर किया। कुछ ऊलेन के कपड़ों की खरीददारी की और अपनी पूर्व की यात्राओं के बारे में देर तक बात करते रहे। घूमने वाली जगहों को लेकर आकृति के मन में एक गहरी उत्सुकता थी। वह इस घाटी में स्थित अन्य जगहों के बारे में भी जानना और समझना चाहती थी। साथ ही साथ सम्भव हुआ तो देखना भी। मैंने उसे रामताल और देववन के बारे में बताया। थोड़ा बहुत हनोल देवता के बारे में भी, जो उसे काफी अच्छा लगा। वह मुझसे चकराता के बारे में थोड़ा और जानना और समझना चाहती थी। मैंने उसे इस जगह के बारे में आधारभूत जानकारी दी, जिसकी वजह से इस जगह को लेकर उसकी दिलचस्पी और भी ज्यादा बढ़ गई। वह चकराता की तीनों जगहों पर जाना चाहती थी। लेकिन समय सिर्फ. इतना था कि दो जगह पर ही जाया जा सकता था। वह देर तक इस कलकुलेशन में लगी रही कि हम तीनों ही जगहों को एक साथ कैसे घूम सकते हैं? मैंने कहा पहले शुरू करते हैं। जितना हो पाएगा उतना घूमेंगे और बाकी को, अगली यात्रा के लिए छोड़ देंगे। वह इस बात के लिए तैयार नहीं थी। लेकिन किया भी क्या जा सकता था। हम दोनों ने रात को सोते वक़्त ही तय कर लिया था कि सुबह होते ही हम चिलमिरी नेक जायेंगे और सूर्योदय देखने के बाद रामताल। अगर इसके बाद थोड़ी बहुत सम्भावना बनती है तो देववन के बारे में सोचेंगे।

चकराता की ठंड

सुबह उठना है, यह सोचकर रात को अच्छे से नींद तक नहीं आयी और सुबह के चार बजते ही आँख खुल गई। चकराता की रातें इतनी ठंडी होती हैं कि कोई रजाई और कम्बल काम नहीं करता। हीटर तो चाहिए ही चाहिए होता है। लेकिन हमारे कमरे में वह भी नहीं था। हम जैसे-तैसे तैयार हुए और चिलमिरी नेक के लिए निकल पड़े। यह मुख्य बाजार से तकरीबन तीन किमी की दूरी पर है, जहां पैदल अथवा गाड़ी से जाया जा सकता है। सर्द काफी ज्यादा था, बावजूद इसके हमने पैदल जाना चुना, ताकि सुबह के मनमोहक वातावरण और आसपास के दृश्यों को देखने का आनंद लिया जा सके। चकराता बाजार से चिलमिरी नेक तक का रास्ता खूबसूरत और हरे-भरे पेड़ों से घिरा हुआ है। यह हमें तरह-तरह के बदलते दृश्यों और खूबसूरत नजारों से होकर एक ऊंची चोटी पर लेकर जाता है, जहां से हरा-भरा एक बहुत बड़ा मैदान दिखाई देता है, जिसे देखकर मन खुशी और आश्चर्य से भर जाता है। यह जगह हम दोनों को किसी विंटर वंडरलैंड की तरह लगी और नजर दूर पहाड़ पर फैली बर्फ. की चादर के मध्य कहीं खो गई। चिलमिरी नेक चकराता की सबसे ऊंची चोटी के तौर पर जानी जाती है। यह हरे-भरे देवदार के जंगलों से घिरी हुई है। इस जगह से हिमालय पर्वतमाला और दूर की पहाड़ियों के बहुत ही शानदार नजारे दिखाई देते हैं। इस जगह से बंदरपूंछ और रोहिणी जैसी पर्वत चोटियों के सौंदर्य को बहुत ही आसानी से देखा जा सकता है। इस जगह पर सैलानी लुभावने नजारे, शांत वातावरण और समृद्ध जैव विविधता को देखने के लिए आते हैं। इस जगह से हिमालय का नजारा बहुत ही अद्भुत दिखाई देता है। सुबह के पांच बज रहे थे और पूरा पहाड़ अभी सो रहा था। मैं रास्ते में आगे की तरफ बार-बार यही सोच रहा था कि आखिर चिलमिरी नेक का नाम चिलमिरी नेक क्यों है? पर कुछ भी समझ में नहीं आया। तकरीबन 10-15 मिनट की राइडिंग के बाद हम दोनों एक बहुत बड़े मैदान में पहुंचे। इस पहाड़ पर इतना बड़ा मैदान देखकर हम आश्चर्य में पड़ गए। लेकिन दूसरी तरफ बढ़े तो कुछ सैलानी इस जगह पर पहले से मौजूद थे। वह सभी उगते हुए सूरज को देखने के लिए उत्सुक दिखाई दे रहे थे और फोटोग्राफी कर रहे थे। हमने भी जमकर फोटोग्राफी की और फिर हम भी उगते हुए सूर्य के सौंदर्य में खो गए। इस जगह पर एक अलग तरह की शांति और सुकून है, जिसमें बस पक्षियों की चहचहाहट शामिल है। इस जगह पर हमें कई तरह के पक्षी और तितलियाँ भी दिखाई दीं। इस तरह से दो घंटे का समय कब बीत गया, कुछ पता ही नहीं चला।

रामताल उद्यान की खूबसूरती

हम लौटकर दोबारा चकराता बाजार आए। चाय पीने के बाद एक और अनजान रास्ते पर निकल पड़े, जिसे रामताल उद्यान के नाम से जाना जाता है। रामताल उद्यान मसूरी रोड पर चकराता से लगभग 12 किलोमीटर की दूरी पर नागौ गांव के पास स्थित है। यह रास्ता काफी अच्छा और खूबसूरत है जिसे अपनी यात्रा के दौरान एंज्वॉय किया जा सकता है। रामताल उद्यान में बिलकुल भी भीड़भाड़ नहीं रहती है। यह जगह भी काफी शांत और सुकून देने वाली है और काफी हद तक चिलमिरी नेक से मिलती-जुलती है। इस जगह पर एक ताल भी है जिसकी वजह से इस जगह का नाम रामताल है। इस जगह पर भी आपको एक खूबसूरत मौसम और जैवविविधता देखने को मिलती है। हम इस जगह पर ही ठहरे और इस जगह पर पायी जाने वाली विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों और जीव-जंतुओं से परिचित हो सके। रामताल उद्यान में हमने ग्रे ट्रीपाई, ओरिएंटल टर्टल डव और ब्लैक हेडेड जे जैसे कुछ पक्षी भी देखे और सुबह के दस बजे तक वापस चकराता लौट आए।

देववन का अद्भुत सौंदर्य

रिजॉर्ट में पहुंचने के बाद थोड़ी देर तक विश्राम किया और देववन जाने की तैयारी में लग गए। देवबन का शाब्दिक अर्थ होता है भगवान का जंगल। स्पष्ट शब्दों में कहें तो वह जगह जहां पर भगवान निवास करते हैं। इस जगह के नाम में ही एक आकर्षण था, जिसने हम दोनों को ही अपनी तरफ आकर्षित किया और देर तक हम दोनों इस संदर्भ में बातें करते रहे। यह जगह समुद्र तल से लगभग 2900 मीटर की ऊंचाई पर स्थित होने के बावजूद ट्रेकिंग के लिहाज से बहुत ही उपयुक्त मानी जाती है। यह ट्रेकर्स को बिल्कुल भी परेशान नहीं करती है। बावजूद इसके अभी तक बहुत से लोगों ने इसे एक्सप्लोर नहीं किया है। ट्रेक के दौरान आप कई सुंदर और मनोरम रास्तों से होकर गुजरते हैं। इस दौरान आपका सामना ओक, पाइंस, देवदार, फर और झाड़ियों के घने जंगलों से होता है। देववन में एक बहुत ही सुन्दर विश्राम गृह भी है जो कि उस क्षेत्र में मौजूद एकमात्र इमारत है। इस जगह से घास के मैदान का सुंदर दृश्य दिखाई देता है। देववन का सबसे ऊँचा स्थान व्यास शिखर है। यह जगह बहुत ही शांत और सुन्दर है। इस जगह से हिमालय पर्वत श्रृंखलाओं का मनोरम दृश्य दिखाई देता है। व्यास शिखर के बारे में एक मिथक है कि वासुदेव ने महाभारत यहीं लिखी थी। सर्दियों में यह रास्ता बर्फ से ढक जाता है, जिससे यह अत्यंत रोमांचकारी हो जाता है। लेकिन सामान्य यात्रियों की मुश्किल बढ़ा देता है। हम इस जगह पर जाना तो चाहते थे, परन्तु रास्तों की कठिनाइयों से पूरी तरह परिचित नहीं थे। हमने सोचा कि स्कूटी रेंट करेंगे और महज कुछ ही देर में देववन पहुंच जायेंगे। बारह किमी का सफर ही कितना होता है? लेकिन यह बारह किमी बारह सौ किमी के बराबर थे। ट्रेकिंग के लिए भले ही यह रास्ता उपयुक्त और रोमांच भरा हो। मोटर गाड़ियों से जाने वालों के लिए बहुत ही खतरनाक है। स्कूटी से तो दो किमी भी उस रोड पर जाना मुश्किल था। हम वहाँ किसी तरह से पहुंच भी जाते तो भी उसी दिन वापस आना सम्भव नहीं था। इसलिए, वापस लौट आए।

कैसे पहुंचे चिलमिरी नेक

यह स्थान उत्तराखंड में है। यह देहरादून रेलवे स्टेशन से करीब 90 किलोमीटर और जॉली ग्रांट हवाई अड्डा से लगभग 115 दूरी पर स्थित है। यहां मार्च से नवंबर तक घूमने का सबसे अच्छा समय है।

पक्षी ■ पुराण

हैबिटेट और पक्षी

राहुल सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर, विश्व-भारती, शांति निकेतन

पक्षियों की दुनिया में हैबिटेट का मतलब उस अनुकूल परिवेश से होता है, जहाँ वे होना और रहना पसंद करते हैं। कुछ पक्षी जो हमारे आस-पास के परिवेश के प्रति अनुकूलित हो गये हैं, उनका और हमारा हैबिटेट अब एक हो गया है। जैसे-कबूतर, कौआ, मैना, बगुला, बुलबुल आदि। उदाहरण और भी हो सकते हैं। कुछ हैं जो साथ रहते हुए भी किसी-किसी ऋतु में दिखना कम कर देते हैं। पर ऋतु की उस प्रतिकूलता के खत्म होते ही पुनः दिखने लगते हैं। हर ऋतु में अच्छी संख्या में पक्षियों का एक संसार किसी शहर के अलग-अलग भूभाग और हिस्सों में उभर आता है। इसके बारे में शहर में चंद लोगों को ही जानकारी होती है। शेष को इसके बारे में रत्ती भर भी जानकारी नहीं होती है। यह पक्षी और प्रकृति की संवेदनशीलता से जुड़ा मामला है।

हैबिटेट के मामले में जो सबसे शानदार बात है वह यह कि वैसे पक्षी जो हमारे आस-पास के हैं उनके हैबिटेट का बोध तो समझ में आता है। लेकिन जो माइग्रेट करते हैं, उनके हैबिटेट का बोध कितना शानदार होता होगा। माइग्रेशन पक्षियों की दुनिया की एक ऐसी परिघटना है, जिस पर आप केवल अचंभित हो सकते हैं। अचंभित इस बात पर कि माइग्रेशन उनके जीवन को बचाये रखने का एक अभिन्न अंग है। सर्दियों से प्रवासी पक्षी यहाँ आकर प्रजनन तो कम ही करते हैं। बस वे अपने देश की असहनीय सर्दी के खत्म होने की प्रतीक्षा कर रहे होते हैं। और इसकी आहट सुनते ही उनका रिवर्स माइग्रेशन आरंभ हो जाता है। लेकिन इस किस्म के माइग्रेशन से अलग किस्म का एक और माइग्रेशन होता है, जो भारत के भीतर हिमालय, उत्तराखंड, केरल, पश्चिमी घाट आदि से मध्य प्रदेश, ओड़िशा, बंगाल, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड के हिस्से में होनेवाला माइग्रेशन है।

विंटर माइग्रेटरी बर्डस की पर्याप्त चर्चा होती है। पर भारत के भीतर भी पक्षियों की अच्छी आवाजाही होती है। इनमें से कई हैं जो बाकायदा प्रवास के दौरान ही प्रजनन करते हैं। इंडियन पिट्टा, इंडियन पैराडाईज फ्लाईकैचर आदि इनमें प्रमुख हैं। इनके साथ-साथ ही पक्षियों का एक पूरा संसार सखुआ के जंगल में गुंजायमान हो उठता है। मार्च से जुलाई तक सखुआ के जंगलों को देखना एक अलग किस्म का अनुभव है। रंग जिस कदर बदलते हैं, गहरे होते हैं। उसे जंगल की आवाजाही के बगैर नहीं समझा जा सकता है। इस आवाजाही के क्रम में दरअसल हैबिटेट का असली मतलब समझ में आता है। पक्षी विशेषज्ञों की हैबिटेट की जानकारी का एक उदाहरण आपसे साझा करना चाहता हूँ, जिससे आप इस परिघटना को समझ सकें। देवघर (झारखंड) में पक्षियों के डाक्यूमेंटेशन का दूसरा साल था। जलाशयों के पास पाये जाने वाले पक्षियों की सूची तैयार थी। राँची (झारखंड) के साथी मार्च के बाद भांति-भांति के पक्षियों की तस्वीरें अपलोड कर रहे थे। उनमें से एक साथी विशेषज्ञ की मदद मैंने देवघर के सिलसिले में चाही। उन्होंने सखुआ और बाँस के जंगल के बारे में बताया। तब जंगल में फोटोग्राफी का अनुभव नहीं था। लेकिन पहली बार ही जंगल जाने पर बायो-डायवर्सिटी का मतलब ठीक-ठीक समझ में आ गया। उस दिन कुल 17 मार्च-अप्रैल से जंगल जाना शुरू किया था और मई आ चुका था। इंडियन पिट्टा की तलाश जारी थी। तब साथी विशेषज्ञ ने हैबिटेट और पक्षियों की आवाज (कॉल) के बारे में बताया कि यह कोई जरुरी नहीं कि वह दिखे ही उसके होने की पुष्टि पहले जरुरी है। और वह उनकी आवाज से की जा सकती है। मर्लिन नामक एप ने इसमें बहुत मदद की। और फिर वह हुआ जिसका अंदाजा किसी को नहीं था। केवल हैबिटेट के बदलने से उस साल (2022) में कोई 57 नए पक्षी देवघर की सूची में जुड़ गये। फिर अलग-अलग हैबिटेट की तलाश शुरू हुई। और 2024 तक आते-आते देवघर में पाये जाने वाले पक्षियों की प्रजाति की संख्या 240 के पार पहुँच गयी। देवघर जैसी जगह जहाँ राँची की तरह हरियाली, पहाड़, घने जंगल और सालभर बहने वाली नदियाँ मौजूद नहीं थी, यह सब एक बड़ी उपलब्धि की तरह था। 2024 तक आते-आते उसी सखुआ के जंगल में कोई 90 प्रजातियों के पक्षी सूचीबद्ध हो चुके थे। यह तब था, जब यह काम बर्ड फोटोग्राफी के शौक को पूरा करने के लिए किया जा रहा था। मतलब अगर कोई प्रशिक्षित ऑरनिथोलॉजिस्ट यहाँ होता तो यकीनन पक्षियों की प्रजाति की यह संख्या 300 के आस-पास होती।

पक्षियों के मामले में एक विचारणीय प्रश्न यह है कि पक्षी आते हैं वन विभाग के न्यायाधिकरण में। लेकिन अपवाद के अधिकारियों को छोड़ दें तो पक्षियों के मामले में वन विभाग की जानकारी भी एक आम आदमी की तरह ही है। वन विभाग में नियुक्तियों के लिए पक्षियों की जानकारी की कोई परीक्षा नहीं होती है। उनकी प्राथमिकता में जंगल से लकड़ी की कटाई को रोकना होता है। हैबिटेट की दृष्टि से बहुत कम वनरक्षी जंगल को देख पाते हैं। उस पर आलम यह है कि इन जंगलों में गुलेल के साथ ग्रामीण और बच्चे आपको आसानी से दिख जायेंगे। इसे लेकर किसी किस्म की जागरुकता वाली पहल वन विभाग की ओर से देखने में कम ही मिलती है। पक्षियों की दुनिया से विद्यालय और शिक्षा को जोड़े बिना इस दिशा में बदलाव की गुंजाइश नहीं दिखती है।

BRIEF NEWS

आरोपी को गिरफ्तार नहीं करने पर एएसआई सस्पेंड

RANCHI : वरीय पुलिस अधीक्षक ने आरोपी को गिरफ्तार नहीं के मामले में एएसआई को सस्पेंड कर दिया है। दरअसल जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र निवासी रिटायर्ड प्रोफेसर डॉक्टर भारती सिन्हा के बैंक खाते से 27 लाख की अवैध निकासी हुई थी। पुलिस ने इस घटना के मुख्य आरोपी सुनील साहू को गिरफ्तार किया था, लेकिन वो थाना से भाग गया था। सुनील साहू की गिरफ्तारी के लिए प्रयास नहीं करने को लेकर वरीय पुलिस अधीक्षक ने केस के आइओ धीरज कुमार विश्वकर्मा को पहले शोकोज किया। इसके बाद उसे सस्पेंड कर दिया गया।

आरपीएफ ने एक महिला यात्री की बचाई जान

RANCHI : शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार ट्रेन संख्या 18623 रेलवे स्टेशन रांची से प्लेटफॉर्म संख्या 02 से रवाना हो रही थी। इसी दौरान एक महिला यात्री चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश कर रही थी और असंतुलित हो गई। उसी वक्त ड्यूटी पर मौजूद तैनात जवान राजेन्द्र कुमार कुजुर ने उसे देखा और जल्दी से उसे अंदर धकेल लिया, जिससे उक्त महिला यात्री की जान बच गयी।

जमीन खोदाई के दौरान पैरा बम बरामद

RANCHI : नामकुम थाना क्षेत्र स्थित हाहाप जंगल स्थित एक घर के लिए जमीन खुदाई के दौरान पैरा बम शनिवार को बरामद हुआ है। बताया जाता है कि पूर्व में इस इलाका में नक्सलियों का ठिकाना हुआ करता था। नामकुम थाना प्रभारी ब्रह्मदेव प्रसाद ने बताया कि हाहाप जंगल मे एक घर निर्माण के दौरान मिट्टी खुदाई का काम चल रहा था। इसी दौरान जमीन के अंदर से एक पैरा बम बरामद किया गया। घर मालिक ने मामले की जानकारी नामकुम पुलिस को दी। पुलिस टीम तुरंत वहां पहुंची। इसके बाद झारखंड जगुआर के बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाकर बम को डिफ्यूज कर दिया गया।

बैठक में झारखंड विधानसभा चुनाव पर हुई विस्तृत चर्चा

RANCHI : कांग्रेस के सोशल मीडिया विभाग की चेयरपर्सन सुप्रिया श्रीनेत ने शनिवार को चार राज्यों झारखंड, महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली के सोशल मीडिया विभाग के प्रभारी, चेयरमैन तथा स्टेट कोऑर्डिनेटरस के साथ बैठक की। जूम एप्लीकेशन के माध्यम से हुई बैठक में आगामी होने वाले विधानसभा चुनाव पर विस्तृत रूप चर्चा हुई। बैठक में झारखंड से सोशल मीडिया विभाग के चेयरमैन गजेंद्र सिंह ने लोकसभा चुनाव के दौरान किए गए कार्यों का विस्तृत ब्यौरा दिया। सिंह ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर के दिशा-निर्देश पर सभी सीटों पर कार्यकताओं ने सोशल मीडिया के माध्यम से हम अपनी बातों और मेनिफेस्टो को तेजी से जनता के बीच ले गये। बैठक में सोशल मीडिया के राष्ट्रीय समन्वयक सह झारखंड प्रभारी अभय तिवारी, स्टेट कोऑर्डिनेटरस नलिन मिश्रा, प्रशांत पांडेय तथा संजय कुमार भी मौजूद थे।

डिस्ट्रिक्ट लेवल सर्विस अथॉरिटी में वीडियो कांफ्रेंसिंग से हुई सुनवाई

धोखाधड़ी मामले में अमीषा पटेल और शिकायतकर्ता के बीच हुआ समझौता

PHOTON NEWS RANCHI : बॉलीवुड फिल्म अभिनेत्री अमीषा पटेल से जुड़े धोखाधड़ी मामले में दोनों पक्षों के बीच शनिवार को समझौता हुआ। डिस्ट्रिक्ट लेवल सर्विस अथॉरिटी (डालसा) रांची में हुई सुनवाई के दौरान दोनों पक्ष अमीषा पटेल और अजय कुमार सिंह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) से उपस्थित हुए। झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस सह झालसा के कार्यपालक अध्यक्ष सुजित नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश और रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडे के मार्गदर्शन में समझौता हुआ। मामले में आईपीसी की धारा 420, 406, 384, 385, 506,504, 34 और चेक बाउंस के तहत मामला दर्ज किया गया था। यह जानकारी अजय कुमार सिंह के अधिवक्ता विजयालक्ष्मी ने दी। इससे पूर्व चेक बाउंस मामले में दोनो पक्षों के बीच सुलह हो चुका है। नौ मार्च को रांची सिविल कोर्ट में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अमीषा पटेल और शिकायतकर्ता अजय कुमार सिंह के बीच पांच किस्तों में पूरा पैसा 2 175 करोड़ रुपये लौटाने के शर्त पर समझौता हुआ था। अमीषा पटेल ने अब तक शिकायतकर्ता को 1 151 करोड़ रुपये दे चुकी है। 1 124 करोड़ रुपये देना अभी बाकी है। समझौते के तहत समय पर पैसा दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि देशी मैजिक फिल्म बनाने के नाम पर अभिनेत्री अमीषा पटेल ने शिकायतकर्ता अजय कुमार सिंह से ढाई करोड रुपये लिए और इसे वापस नहीं किया। पैसा मांगने पर अमीषा ने दो चेक दिए थे, जो बाउंस हो गया था। इसको लेकर अजय कुमार सिंह ने अमीषा पटेल के खिलाफ साल 2018 में धोखाधड़ी और चेक बाउंस का केस दर्ज कराया था।

पूर्व मंत्री के ओएसडी संजीव की बेल पर 29 को सुनवाई

टेंडर घोटाला के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोपी व पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के ओएसडी संजीव लाल की जमानत याचिका पर 29 जून को सुनवाई होगी। संजीव लाल ने रांची ढटछअ (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में अपने अधिवक्ता के माध्यम से जमानत याचिका दाखिल की है। बता दें कि ईडी ने संजीव लाल के सहायक जहांगीर के घर पर छापेमारी की थी। इस दौरान वहां से 35 123 करोड़ नगद बरामद किये गये थे। वहीं संजीव लाल के करीबी बिल्डर मुन्ना सिंह के यहां से तीन करोड़ कैश मिला था। इसी केस में एजेंसी पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को भी गिरफ्तार कर चुकी है।

संजीव लाल की जमानत पर सुनवाई 29 जून को

टेंडर घोटाला मामले में आरोपित पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल की जमानत याचिका पर शनिवार को पीएमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में ईडी की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए कोर्ट से समय की मांग की गई। पीएमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने ईडी को जवाब दाखिल करने के लिए समय देते हुए मामले में सुनवाई की अगली तिथि 29 जून निर्धारित की है। टेंडर घोटाला मामले में ईडी ने कार्रवाई करते हुए छह मई को कई इंजीनियर ठेकदार, कॉन्ट्रेक्टर और आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल और उनके नौकर जहांगीर आलम के ठिकाने पर छापेमारी की थी। संजीव लाल के नौकर जहांगीर के घर से ईडी ने 35 123 करोड़ रुपये नगद बरामद किए थे। जबकि संजीव लाल के करीबी बिल्डर मुन्ना सिंह के यहां से तीन करोड़ रुपये बरामद हुए थे।

मंजूनाथ के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक बरकरार

झारखंड हाई कोर्ट में अगस्त 2022 में सांसद निशिकांत दुबे को प्लेन से दिल्ली जाने के क्रम में देवघर एयरपोर्ट पर रोकने के खिलाफ दिल्ली में जीरो एफआईआर दर्ज को निरस्त करने को लेकर देवघर के तत्कालीन उपायुक्त मंजूनाथ की याचिका की सुनवाई शनिवार को हुई। हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता मंजूनाथ के खिलाफ अगले आदेश तक पीड़क कार्रवाई पर रोक जारी रखी है। मामले में कोर्ट ने कुछ बिंदुओं पर याचिकाकर्ता से जवाब मांगा है। दरअसल, पूर्व की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि दिल्ली में दर्ज कराया गया जीरो एफआईआर झारखंड पुलिस को सौंप दिया गया है।

समन की अवहेलना का मामला

हेमंत सोरेन का आग्रह मंजूर 12 जुलाई को होगी सुनवाई

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा समन की अवहेलना मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रहे मामले को निरस्त करने का आग्रह करने वाली याचिका की सुनवाई शनिवार को हुई। मामले में कोर्ट के संज्ञान आदेश को चुनौती दी गई है। हेमंत सोरेन की ओर से कोर्ट से समय की मांग की गई। कोर्ट ने उनके आग्रह को मंजूर करते हुए मामले की अगली सुनवाई 12 जुलाई को निर्धारित की। कोर्ट ने मामले में ईडी को भी जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। हेमंत सोरेन की ओर से ईडी द्वारा दर्ज शिकायतवाद को निरस्त करने का आग्रह किया गया। हेमंत सोरेन की ओर से कहा गया है कि ईडी के जिस समन पर नहीं गए थे उसका उन्होंने जवाब दे दिया था। इसके बाद वह समन लैप्स कर गया था। नए समन पर हेमंत सोरेन के ईडी के समक्ष उपस्थित हुए थे और समन का अनुपालन किया था। ईडी ने दुर्भावना से प्रेरित होकर उन्हें बार-बार समन जारी किया था।

मैनहर्ट घोटाला मामले में फैसला सुरक्षित

झारखंड हाई कोर्ट में मैनहर्ट घोटाला मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) में दर्ज पीई (प्रारंभिक जांच) की रिपोर्ट अब तक नहीं आने एवं मामले में एफआईआर दर्ज नहीं होने को लेकर दायर विधायक सरयू राय की याचिका की सुनवाई शनिवार को हुई। मामले में कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता की अधिवक्ता से पूछा कि जब आपको यह पता था कि मैनहर्ट को रांची में सीवरेज ड्रेनेज के डीपीआर काम दिए जाने में वित्तीय गड़बड़ी हुई है, तो फिर आपने थाने में प्राथमिकी क्यों नहीं दर्ज कराया? आप सिविल कोर्ट में शिकायतवाद भी दर्ज करा सकते थे लेकिन आपने विजिलेंस ब्यूरो में शिकायत कर मामले को छोड़ दिया।

पिठोरिया-कांके इलाके का कुख्यात सजाउद्दीन को किया गया जिला बदर

PHOTON NEWS RACHI : शनिवार को रांची जिले के पिठोरिया और कांके इलाके में सक्रिय कुख्यात भू-माफिया सजाउद्दीन अंसारी को डीसी कोर्ट ने 3 महीने के लिए जिला बदर का आदेश दिया है। आदेश में कहा गया है इस भू-माफिया की आपराधिक गतिविधियों से आम जनता में आतंक एवं दहशत का माहौल है। एसएसपी रांची की अनुशंसा का हवाला देकर कहा गया है कि सजाउद्दीन अंसारी एक आपराधिक तत्व है, जिसने अपने आपराधिक कृत्यों से रांची जिले के पिठोरिया, कांके व आसपास के थाना क्षेत्र में अशांति फैला रखा है। यह पूर्व में भी मारपीट, रंगदारी सहित अन्य कांड में आरोपी रह चुका है। फिर इसी प्रकार के आपराधिक कृत्यों में शामिल एवं सक्रिय है। इस वजह से इसके खिलाफ गवाही देने या उसका नाम पुलिस को बताने के लिए आम लोग तैयार नहीं होते हैं। कई आपराधिक घटनाओं में इसके शामिल रहने के बावजूद केस दर्ज नहीं हो पाया है। इस मामले में सजाउद्दीन की ओर से भी अपना पक्ष दाखिल किया गया, जिसे दरकिनार करते हुए टिप्पणी की गई है कि सजाउद्दीन द्वारा दिया गया जवाब महज उसके बचने का प्रयास है।

- एसएसपी की अनुशंसा पर डीसी कोर्ट ने 3 माह बाहर रहने का दिया आदेश
- आम जनता में अशांति व दहशत का माहौल पैदा करने का दिया गया हवाला
- पूर्व में भी मारपीट, रंगदारी सहित अन्य कांडों में रह चुका है आरोपी

23 सितंबर तक जिले से रहना है बाहर : उपायुक्त के न्यायालय में पारित आदेश के अनुसार, आगामी 23 सितंबर 2024 तक के लिए भूमिया सजाउद्दीन अंसारी को रांची जिले से बाहर रहने का आदेश दिया गया है। आदेश में 23 जून 2024 तक 25 हजार के दो मुचलकों के साथ बंध पत्र भरने का भी आदेश हुआ है। जिले में प्रवेश करने के लिए उपायुक्त के न्यायालय से पूर्वानुमति लेने का भी आदेश मिला है। संबंधित आदेश की प्रति वरीय पुलिस अधीक्षक रांची, रांची जिले के सभी थाना प्रभारियों को भेजा गया है। एक प्रति सजाउद्दीन अंसारी को भी प्रेषित की गई है।

श्री हरगोविंद साहिब जी के प्रकाश पर्व पर सजा विशेष दीवान, संगत को बताया गया मिस्सी रोटी का इतिहास

PHOTON NEWS RACHI : रांची-राजधानी रांची के रातू रोड की कृष्णा नगर कॉलोनी में गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा द्वारा शनिवार को छठे गुरु श्री हरगोविंद साहिब जी का प्रकाश पर्व मनाया गया। इस अवसर पर सजाए गए विशेष दीवान की शुरूआत सुबह 8 बजे हजूरी रागी जत्था भाई महिपाल सिंह जी एवं साथियों द्वारा श्री आसा दी वार के पाठ से हुई। इस दौरान संगत को मिस्सी रोटी का इतिहास बताया गया। रांची के रातू रोड की कृष्णा नगर कॉलोनी के गुरुद्वारा के मुख्य ग्रंथी ज्ञानी जेवेंदर सिंह ने गुरु के जीवन पर प्रकाश डाला। साध संगत को बताया कि छठे गुरु श्री हरगोविंद साहिब जी का जन्म 1595 में हुआ। वे गुरु अर्जुन देव जी की इकलौती संतान थे। सिख समुदाय को एक सेना के रूप में संगठित करने का श्रेय इन्हें ही जाता है। इन्होंने सिख कौम को योद्धा-चरित्र प्रदान किया था। 1606 में 11 साल की उम्र में ही गुरु हरगोविंद साहिब जी ने अपने पिता से गुरु की उपाधि पा ली थी। इन्होंने शाति और ध्यान में लीन रहनेवाले सिख कौम को राजनीतिक और आध्यात्मिक दोनों तरीकों से चलाने का फैसला किया। गुरु हरगोविंद सिंह जी ने दो तलवारें पहननी शुरू की। गुरु हरगोविंद साहिब जी ने ही अकाल तख्त का निर्माण भी कराया। इन्होंने अपने जीवनकाल में बुनियादी मानव अधिकारों के लिए कई लड़ाइयां लड़ीं। गुरुघर के सेवक मनीष मिढ़ा ने संगत को मिस्सी रोटी का इतिहास बताते हुए कहा कि गुरु हरगोबिंद साहिब जी के माता-पिता, गुरु अर्जन देव जी और माता गंगा जी को उनकी शादी के बाद लंबे समय तक कोई संतान नहीं हुई। एक दिन माता गंगा जी ने गुरु अर्जन देव जी से अनुरोध किया कि वे उन्हें एक बच्चे का उपहार दें क्योंकि गुरु जी संगत को उनकी जो भी इच्छा हो, उसे पूरा करते हैं। गुरु अर्जन देव जी ने माता गंगा जी से एक बच्चे का आशीर्वाद पाने के लिए एक गुरसिख की सेवा (निस्वार्थ सेवा) करने के लिए कहा। इसलिए माता गंगा जी बाबा बुड्ढा जी से मिलने के लिए निकल पड़ीं, जो एक भक्त गुरसिख थे। अगले दिन माता गंगा जी ने अपने हाथों से मिस्सी रोटी बनाई, मक्खन मथा और छाछ तैयार की। आज के दीवान में गुरुनानक सत्संग सभा के अध्यक्ष द्वारका दास मुंजाल, अशोक गेरा, हरविंदर सिंह बेदी, हरगोबिंद सिंह, सुरेश मिढ़ा, बिनोद सुखीजा, नरेश पपनेजा, जीवन मिढ़ा, मोहन काठपाल, महेंद्र अरोड़ा, हरीश मिढ़ा, अमरजीत गिरधर, इंदर मिढ़ा, रमेश पपनेजा, आशु मिढ़ा, नवीन मिढ़ा, राजकुमार सुखीजा, अनूप गिरधर, हरविंदर सिंह हन्नी, सागर थरेजा, कमल मुंजाल, रमेश तेहरी, जीतू अरोड़ा, सुरजीत मुंजाल, महेश सुखीजा, रमेश गिरधर, रौनक ग्रोवर, चरणजीत मुंजाल सहित अन्य शामिल थे।

प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा में मौजूद लोग। ● फोटोन न्यूज

हटिया स्टेशन पर शराब के साथ एक युवक धराया

PHOTON NEWS RANCHI : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने हटिया रेलवे स्टेशन से एक व्यक्ति को शराब के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित उज्जवल कुमार बरियातू का रहने वाला है। इसके पास से शराब की ब्लेंडर्स प्राइड की 21 बोतलें बरामद की गयी हैं। रांची मंडल के सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर आरपीएफ पोस्ट हटिया और फ्लाइंग टीम ने हटिया रेलवे स्टेशन पर जांच के दौरान एक संदिग्ध को हटिया रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या तीन पर एक भूरे रंग के ट्रॉली बैग के साथ देखा। संदेह के आधार पर बैग की जांच करने पर शराब बरामद की गई। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि शराब को हटिया से खरीदा था और अधिक कीमत लेकर बेचने के लिए मुजफ्फरपुर (बिहार) जा रहा था। बरामद शराब की कीमत 22 हजार आंकी गयी है। सभी शराब को रांची के सहायक उपनिरीक्षक रवि शेखर ने जब्त कर लिया।

पुलिस गिरफ्त में शराब कारोबारी।

विधानसभा चुनाव मजबूती से लड़ेगी आजाद समाज पार्टी : काशिफ रजा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड विधानसभा चुनाव मजबूती से लड़ेगी आजाद समाज पार्टी। गढ़वा जिला के नवादा मोड़ स्थित उत्सव गार्डन में भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी (का०) का कार्यकर्ता सम्मेलन सम्पन्न हुआ। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में आजाद समाज पार्टी (का०) के प्रदेश अध्यक्ष काशिफ रजा उपस्थित हुए। गढ़वा जिला की जनता आजाद समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष की बातों को सुनने के लिए जुटी। इसके साथ ही प्रदेश अध्यक्ष काशिफ रजा के नेतृत्व में गढवा जिला के प्रसिद्ध समाजसेवी लव कुमार सिंह खरवार और सैकड़ों की संख्या में उनके समर्थकों ने आजाद समाज पार्टी का दामन थामा। कार्यक्रम का संचालन अनिल राम ने किया और धन्यवाद ज्ञापन भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष ललित राम ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि काशिफ रजा जी ने कहा कि झारखंड के सभी 81 सीटो पर चुनाव लडेगी, साथ ही गढ़वा और विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र में हमारी पार्टी मजबूती से चुनाव लडेगी। इसमें साफ सुथरा छवि के प्रत्याशी को टिकट दे कर अपने बहुजन समाज की सेवा करने के लिए विधानसभा भेजेंगे।

कार्यक्रम में शामिल भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी (का०) के कार्यकर्ता।

कमलेश के खिलाफ कांके थाना में आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी

PHOTON NEWS RANCHI : जमीन कारोबारी कमलेश कुमार के खिलाफ कांके थाना में आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। कमलेश के ठिकानों पर शुक्रवार (21 जून) को केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की थी। उसके ठिकानों से एक करोड़ रुपए और 100 कारतूस बरामद हुए थे। रांची में भूमि घोटाला मामले में जमीन कारोबारी कमलेश कुमार के यहां ईडी ने छापेमारी की थी। उस पर आरोप है कि फर्जी दस्तावेज के सहारे उसने जमीन की खरीद-बिक्री की। इस मामले में ईडी की ओर से उसे कई बार समन जारी किए गए, लेकिन वह एक बार भी पूछताछ के लिए हाजिर नहीं हुआ। कमलेश कुमार लगातार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से समय मांगता रहा। बाद में वह फरार हो गया। हालांकि, एक कार्यक्रम के दौरान वह रांची में देखा गया था। इसके बाद शुक्रवार (21 जून) को ईडी ने उसके ठिकानों पर छापेमारी की। छापेमारी में उसके घर से 1 करोड़ रुपए नकद और 100 कारतूस बरामद हुए। इसके बाद शनिवार (22 जून) को राजधानी रांची के कांके थाना में उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया।

अभी तक सामान्य 101.5 मिमी की तुलना में 65 फीसद कम बरसा पानी

दो-तीन दिनों में झारखंड को कवर कर लेगा मानसून

PHOTON NEWS RANCHI : लंबे समय तक भीषण गर्मी झेल रहे झारखंड वासियों को शुक्रवार को बड़ा सुकून मिला, जब यहां दक्षिणी पश्चिमी मानसून की एंट्री हुई। दोपहर के बाद झमाझम बारिश और फिर मौसम सुहाना। अब तीखी गर्मी झुलसाएगी नहीं। संताल परगना के साहिबगंज और पाकुड़ क्षेत्र में मानसून का प्रवेश हुआ। अगले दो से तीन दिनों में पूरे झारखंड को मानसून कवर कर लेगा। शनिवार को भी राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में दोपहर के बाद लगभग 3:45 बजे 15 मिनट के लिए झमाझम बारिश हुई। अन्य जिलों में भी बारिश हुई। राज्य में शनिवार को कई जगहों पर बारिश होने का अनुमान व्यक्त किया गया है, लेकिन रविवार से दो दिन के लिए यह कुछ धीमा होने के बाद फिर जोर पकड़ेगा। रांची के मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार, झारखंड में मानसून का प्रवेश सामान्य अवधि की तुलना में करीब एक हफ्ते देर से हुआ है। यहां इसके प्रवेश की अवधि 10 से 15 जून निर्धारित है। पिछली बार भी यह चार दिन की देरी से 19 जून को झारखंड में प्रवेश किया था। आंकड़ों के मुताबिक जून में राज्य में अबतक मात्र 36 मिमी बारिश हुई है, यह सामान्य 101.5 मिमी की तुलना में 65 फीसद कम है। रांची में इस माह 54.8 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य से करीब 48 फीसदी कम है। इधर, शुक्रवार को वज्रपात से रांची जिले में दो, हजारीबाग में एक और लोहरदगा में एक व्यक्ति की मौत हो गई। अगले 48 घंटों के दौरान भी कई स्थानों पर बारिश होने का अनुमान है। विभाग के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम के जगन्नाथपुर में 74.5 मिमी बारिश हुई, जबकि पूर्वी सिंहभूम में 42.8 मिमी, रांची में 29.4 मिमी बारिश हुई। राज्य के अन्य हिस्सों में हल्के से मध्यम बारिश हुई। जून में दौरान राज्य में अब तक मात्र 36 मिमी बारिश हुई है। यह सामान्य औसत 101.5 मिमी बारिश की तुलना में 65 फीसदी कम है।

तापमान में तीन से सात डिग्री की गिरावट

झारखंड में पिछले दो दिन से बारिश होने से अधिकतम तापमान में तीन से सात डिग्री तक की कमी दर्ज की गई है। बुधवार को रांची का अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री था, जो शुक्रवार को 30.8 डिग्री हो गया। अन्य जिलों के तापमान में भी कमी आयी है। वहीं मेदिनीनगर का अधिकतम पारा सबसे अधिक 39.4 डिग्री रहा। पिछले 48 घंटों के दौरान पारा में तीन डिग्री की कमी आई है।

एक जुलाई से सभी स्कूल हो जाएंगे डे

राज्य के सभी सरकारी, गैर सरकारी सहायता प्राप्त और गैर सहायता प्राप्त स्कूल शनिवार से सुबह सात से दोपहर एक बजे तक चलेंगे। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इसका आदेश जारी कर इसे तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है। भीषण गर्मी के कारण अभी स्कूल सुबह सात से 11.30 बजे तक ही चल रहे थे। एक जुलाई से सभी स्कूल सुबह नौ से अपराह्न तीन बजे तक चलेंगे। आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

अस्पताल में दो हार्निया का एक साथ निःशुल्क ऑपरेशन

RANCHI : सदर अस्पताल के लेप्रोस्कॉपी सर्जरी विभाग ने एक ही मरीज के दो हर्निया का ऑपरेशन एक साथ किया। पूर्व में मरीज को रांची से बाहर रेफर कर दिया गया था, जहां वेल्लोर में उनसे तीन लाख का खर्च बताया गया था लेकिन सदर अस्पताल में मरीज का ऑपरेशन आयुष्मान योजना के अंतर्गत निःशुल्क हुआ। जमशेदपुर की रहने वाली 35 वर्षीय महिला काफी दिनों से पेट दर्द और सूजन को लेकर परेशान थी। जांच करने पर उन्हें पता चला कि उन्हें दो हर्निया है। एक इंसीजनल हर्निया और दूसरा अंबिलिकल हर्निया। इनसीजनल हर्निया सिजेरियन ऑपरेशन के बाद हुआ था। इसमें उनके आंत के कुछ अंश जाकर फंसे हुए थे, जिसके कारण बहुत दर्द होता था।

सीएमपीडीआई की डिस्पेंसरी में चलाया गया स्वच्छता अभियान

स्वच्छता अभियान में शामिल अधिकारी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के तहत सीएमपीडीआई 16 से 30 जून तक स्वच्छता पखवाड़ा माना रही है। इसी कड़ी में सीएमपीडीआई के निदेशक शंकर नागाचारी ने स्वच्छता पखवाड़ा का नेतृत्व कर डिस्पेंसरी की साफ-सफाई की। इस अभियान में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ शिल्पी स्वरूप, डॉ सीमा कुमारी कच्छप, और कर्मचारियों ने भी अपना सहयोग दिया। इसके साथ ही सीएमपीडीआई रांची और इसके क्षेत्रीय संस्थानों द्वारा भी विभिन्न गतिविधियां चलायी गयीं। रांची के लोहरा कोचा गांव, धनबाद और येन्सा में जूट बैग का वितरण किया गया। वहीं क्षेत्रीय संस्थान 1 आसनसोल व क्षेत्रीय संस्थान-2 धनबाद में भी अभियान चलाया गया।

BRIEF NEWS

आज घाटशिला आएंगे सीएम, करेंगे शिलान्यास

JAMSHEDPUR : मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन रविवार को पूर्वी सिंहभूम जिला के घाटशिला आएंगे। यहां वे विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास के साथ परिसंपत्ति का वितरण करेंगे। सुबह 11 बजे से मउभंडार स्थित ताम्र मैदान में मुख्यमंत्री का कार्यक्रम होगा। इसमें स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, सांसद बिद्युत बरण महतो, घाटशिला के विधायक रामदास सोरेन, जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय, जुगसलाई के विधायक मंगल कालिंदी, बहरागोड़ा के विधायक समीर मोहंती व पोटका के विधायक संजीव सरदार बतौर अतिथि आमंत्रित किए गए हैं।

टाटानगर से चलने वाली 4 ट्रेनें रही रद्द, परेशानी

JAMSHEDPUR : चक्रधरपुर रेल डिवीजन में विकासात्मक कार्यों के कारण टाटानगर से चलने वाली 4 ट्रेन शनिवार को रद्द रही। शनिवार को टाटा-हटिया एक्सप्रेस, पुरुलिया-झारग्राम स्पेशल, टाटा-बरकाकाना-टाटा स्पेशल और टाटानगर -गुवा-टाटानगर के रद्द रहने से छोटे और आस-पास जाने वाले यात्रियों को काफी परेशानी हुई। प्रतिदिन कामकाज के लिए आने जाने वाले कर्मचारी खासा परेशान रहे, जो कि ट्रेनों से ही यात्रा करते है।

कन्वाई चालकों की पुरानी सूची में हो रहा फेरबदल

JAMSHEDPUR : टाटा मोटर्स कन्वाई चालकों के एक गुट ने शनिवार को पत्र लिखकर टाटा मोटर्स प्रबंधन को शिकायत की है कि टीटीसीए के कुछ अधिकारी गलत ढंग से कुछ बाहरी चालकों का नाम कन्वाई चालकों की सूची में डाल रहे है। टाटा मोटर्स के द्वारा बनाए जाने वाले वाहनों को पहुंचाने के लिए 1970 में बनी 975 कान्वाई चालकों की सूची में किसी प्रकार का फेरबदल की अनुमति जिला प्रशासन ,श्रम विभाग और टाटा मोटर्स प्रबंधन ने नहीं लिया है। तो फिर सूची में फेरबदल कैसे हो रहा है। कई लोगो के नाम जोड़े गए है। इस मामले में जांच कर कार्रवाई की जाएं।

सिदगोड़ा में बास्केटबॉल कोर्ट का हुआ उद्घाटन

JAMSHEDPUR : सिदगोड़ा के टाउन हॉल परिसर में शनिवार को बास्केटबॉल कोर्ट का उद्घाटन पूर्व ओलिंपियन हरभजन सिंह ने शनिवार को किया। यह बास्केटबॉल कोर्ट जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय की विधायक निधि से तैयार हुआ है। कोर्ट का उद्घाटन करने के बाद पूरे ओलंपियन हरभजन सिंह ने कहा कि पिछले साल विधायक सरयू राय ने कहा था कि वह सालभर में बास्केटबॉल कोर्ट तैयार कर देंगे और उन्होंने ऐसा करके दिखा दिया। इस अवसर सरयू राय ने कहा कि जमशेदपुर में खेलकूद का इंफ्रास्ट्रक्चर बेहतर है। यहां से बड़े खिलाड़ी भी निकले हैं, लेकिन ये सब टाटा स्टील के कंट्रोल में है। वहां हर किसी की पहुंच नहीं है।

रनिया थाना के कोयनारा जराकेल गांव की घटना

नहाने के दौरान नदी में डूबकर दो छात्राओं की चली गई जान

- शादी समारोह में भाग लेने अपने परिवार के साथ रिश्तेदार के घर आई थी जेनल

परिजन को सांत्वना देते लोग।

PHOTON NEWS KHUNTI : रनिया थाना क्षेत्र के कोयनारा जराकेल गांव के पास शनिवार को कोयनारा नदी में डूबने दो छात्राओं की मौत हो गई। मृतकों में मुरहू थाना क्षेत्र के दरला जामटोली निवासी जीवन तिडू की पुत्री असरिता तिडू (15) और रनिया थाना क्षेत्र के कोयनारा जराकेल गांव की जेम्स कोनगाड़ी की बेटी जेनल रानी कोनगाड़ी (25) शामिल हैं। असरिता खूंटी के एसडीए स्कूल में नवीं कक्षा की छात्रा थी, जबकि जेनल रांची से बीएड कर रही थी। जानकारी के अनुसार रनिया थाना के कोयनारा जराकेल निवासी जेम्स जेनेथ कोनगाड़ी के घर में गुरुवार को शादी समारोह था। जेनल अपने परिवार के साथ शादी समारोह में भाग लेने गई थी। शनिवार को असरिता और उसकी मां मरियम तिडू के साथ जेनल भी कोयनारा नदी नहाने गई थी। मरियम नदी किनारे कपड़ा धो रही थी और असरिता और जेनल नदी में नहा रही थी। नहाने के दौरान दोनों गहरे पानी में डूब गई और दोनो की वहीं मौत हो गई। रनिया थाना की पुलिस को घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दोनों शवों को नदी से निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

दोस्तों के साथ तालाब में नहाने गया किशोर डूबा

PALAMU : सदर थाना क्षेत्र के पोखरहा निवासी नरेंद्र कुमार को क्या पता था कि उनका 16 वर्षीय पुत्र अश्विनी कुमार शाम के समय तालाब में नहाने जा रहा है तो यह उसकी आखिरी शाम होगी। वह जीवित लौटकर नहीं आएगा। शुक्रवार की शाम को अश्विनी की तालाब में डूबने से मौत हो गई। घटना शुक्रवार देर शाम की है। 16 वर्षीय अश्विनी अकेले नहीं गया था बल्कि वह अपने दोस्तों के साथ घर के पास के तालाब में नहाने गया था। बताया जाता है कि तालाब में नहाने के दौरान ही अश्विनी तालाब की गहराई में चला गया। एक बार गहराई में चले जाने के बाद वह वापस नहीं निकल सका। गहरे पानी में डूब जाने से उसकी मौत हो गई। तालाब के गहरे पानी में डूब जाने के बाद अश्विनी के दोस्त भी काफी परेशान हुए। जब अश्विनी बाहर नहीं निकला तो उसके दोस्तों ने ही अश्विनी के परिवारवालों को जानकारी दी कि वह पानी में डूब गया है। इसके बाद घटना के बारे में सदर थाने को जानकारी दी गई। सूचना मिलने के बाद सदर थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय दलबल के साथ घटनास्थल पहुंचे। ग्रामीणों के सहयोग से अश्विनी को बाहर तो निकाल लिया गया लेकिन तबतक उसकी मौत हो चुकी थी। उसके बाद रात 9.30 के करीब शव को लेकर मेदिनीराय मेडिकल कालेज एवं अस्पताल लेकर पहुंचे। उपायुक्त के निर्देश के आलोक में रात में ही पोस्टमार्टम कर शव को परिवारवालों के हवाले कर दिया गया।

आजसू ने बलिदान दिवस पर लगाए सैकड़ों पौधे

कार्यक्रम में मौजूद आजसू कार्यकर्ता।

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : आजसू पार्टी, पूर्वी सिंहभूम जिला समिति ने शनिवार को सभी विधानसभा में पार्टी का स्थापना दिवस बलिदान दिवस के रूप में मनाया। इसके साथ ही युवाओं को जोड़ने और सभी जिला में 1000 पौधे लगाए गए। जिला कमेटी का मुख्य कार्यक्रम एग्रिको क्लब हाउस में मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री सह आजसू पार्टी के केंद्रीय प्रधान महासचिव रामचंद्र सहिस ने कहा कि आज का दिन आजसू पार्टी का स्वर्णिम दिन है। इस दिन निर्मल महतो की सोच उनकी परिकल्पना और सुदेश महतो के लंबे संघर्ष की बदौलत ही इस अलग राज्य का उदय हुआ। कार्यक्रम को जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह, पार्टी के केंद्रीय प्रशिक्षक स्वप्न कुमार सिंहदेव, चंद्रगुप्त सिंह आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह ने की, जबकि संचालन प्रवक्ता अप्पू तिवारी व धन्यवाद ज्ञापन हेमंत पाठक ने किया। इस दौरान सागेन हांसदा, डोमन टुडू, रविशंकर मौर्या, संजय सिंह, संजय मलाकार, प्रकाश विश्वकर्मा, अशोक मंडल, धनेश कर्मकार, देवाशीष चौधरी, ललन झा, सचिन प्रसाद, आकाश सिन्हा, अरुप मल्लिक, शैलेंद्र सिन्हा सहित सभी मंडल अध्यक्ष और सचिव, सभी प्रखंड अध्यक्ष और सचिव मौजूद रहे।

पार्किंग में खड़े वाहन से 80 किलो गांजा बरामद

PHOTON NEWS LOHARDAGA : नशे के सौदागर नित नए तरीके अपना अपने अवैध कारोबार का संचालन कर रहे हैं। खुफिया जानकारी पर कभी-कभी पुलिस को बड़ा हाथ लग भी जा रहा है। पुलिस को नई सफलता लोहरदगा जिले के सेन्हा थाना क्षेत्र अंतर्गत कल्हेपाट गांव में मिली है। यहां पार्किंग में खड़े वाहन में छिपाकर गांजा रखा हुआ था। पुलिस ने छापामारी की तो उसे बड़ी सफलता के रूप में 80 किलोग्राम गांजा बरामद करने में सफलता मिल गई। पुलिस की टीम ने लोहरदगा जिले के सेन्हा थाना क्षेत्र अंतर्गत कल्हेपाट गांव में तौफीक अंसारी के घर दबिश देने पहुंची थी। यहां तौफीक के घर की पार्किंग में खड़े वाहन की तलाशी ली गई। इस वाहन से लगभग 80 किलो गांजा बरामद किया गया। इसके बाद पुलिस ने दंडाधिकारी की मौजूदगी में तौफीक के घर की भी तलाशी ली। उसके घर से कुछ भी बरामद नहीं हुआ। वहीं, इस मामले में आरोपित तौफीक फरार बताया जा रहा है। गांजा तस्करी के आरोपी तौफीक को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस संभावित स्थानों पर छापेमारी कर रही है। दरअसल, लोहरदगा के एसपी हारिस बिन जमां को गुप्त सूचना मिली थी कि भारी मात्रा में गांजे की तस्करी की जा रही है।

बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ कराएगा 1100 श्रद्धालुओं को निशुल्क कांवर यात्रा

कार्यक्रम में मौजूद लोग।

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : सावन के पावन माह में बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ इस बार 1100 श्रद्धालुओं को निशुल्क कांवर यात्रा कराने का लक्ष्य रखा है। साकची स्थित अग्रसेन भवन में शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में संस्था के संस्थापक सदस्य विकास सिंह ने बताया कि जमशेदपुर से सुल्तानगंज तक की कांवर यात्रा में इस बार सोनारी, कदमा, बिष्टुपुर, साकची और मानगो के शिवभक्त शामिल होंगे। यात्रा के लिए 1 जुलाई से पंजीयन आरंभ होगा। 18 वर्ष से अधिक एवं 60 वर्ष से कम उम्र के महिला-पुरुष ह्यपहले आओ पहले पाओह्न की तर्ज पर शामिल किए जाएंगे। पंजीयन के बाद सभी यात्रियों को फोटोयुक्त पहचान पत्र और ड्रेस कोड उपलब्ध कराया जाएगा। संस्था पांच पांच वर्ष से यह आयोजन कर रही है। यात्रा में आवासन, भोजन सहित इलाज तक की व्यवस्था निशुल्क रहेगी। रास्ते में भजन व सांस्कृतिक कार्यक्रम की भी व्यवस्था रहेगी। श्रद्धालु 18 कोच बस, दर्जनों छोटी गाड़ी एवं रेल सेवा से आवागमन करेंगे। संवाददाता सम्मेलन में किशोर बर्मन, अरविंद महतो, प्रो. यूपी सिंह, रविशंकर सिंह, दुर्गा चरण मिश्रा, पंकज गुप्ता, हेमंत सिंह, जगदीश तिवारी, संतोष चौहान, सुशील शर्मा, संजय मुखी, उपेंद्र शर्मा, संदीप शर्मा, अजय लोहार, राम सिंह कुशवाहा आदि भी उपस्थित थे।

चिरेका में हाई टेंशन ट्रांसफॉर्मर का आयल बदलने के दौरान हुआ ब्लास्ट

PHOTON NEWS JAMTARA : चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना के अंदर ईआरएस शाप में शनिवार को हाइटेंशन ट्रांसफार्मर का आयल बदलने के दौरान बड़ा हादसा हो गया। इस दौरान ट्रांसफार्मर अचानक ब्लास्ट कर गया और इससे निकले गर्म तेल की चपेट में आकर पांच कर्मी गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों में तीन चिरेका कर्मी व दो ठेका कर्मी शामिल हैं। घायलों में तीन चिरेका कर्मी असीम सिन्हा, चिन्मय कैंटी, तापस टिकेदार, दो ठेका कर्मी कुल्टी के नंद किशोर रजक व रासबिहारी कर्मकार शामिल हैं। घटना के बाद कर्मचारी तथा अधिकारी घटनास्थल एवं अस्पताल पहुंचे। सभी घायलों को चिरेका के कस्तूरबा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना में शाप के एसएसई असीम सिन्हा की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना चिरेका महाप्रबंधक हितेंद्र मल्होत्रा को मिलते ही कस्तूरबा गांधी अस्पताल पहुंच घायलों का हालचाल जाना। मौके पर महाप्रबंधक ने कहा कि अभी हमारी पहली प्राथमिकता यह है कि सभी घायलों को बेहतर इलाज मिले। कहा कि जितना हमारे अस्पताल में प्राथमिक उपचार हो सकेगा करेंगे, जरूरत पड़ने पर मिशन अस्पताल दुगार्पुर में इनका इलाज कराया जाएगा। दुर्घटना होने की क्या वजह रही इसकी जांच के लिए मुख्य विद्युत अभियंता घटनास्थल स्थल गए हैं। भविष्य में ऐसी घटना न हो इसपर कार्यवाही की जा रही है।

साइकिल व बाइक से टक्कर, एक की मौत

PALAMU : सड़कों पर तेज रफ्तार और कहीं पहुंचने को लेकर जल्दीबाजी दुर्घटनाओं का कारण बन रही हैं। सड़क दुर्घटना का शिकार होनेवालों की कड़ी में एक नाम और जुड़ गया, बंदुआ निवासी विजय चौधरी। चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत शाहपुर ग्रामीण बैंक के पास तेज रफ्तार बाइक सवार ने उनकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। इस जोरदार टक्कर में घायल हुए विजय चौधरी की बाद में मौत हो गई। यह घटना शनिवार सुबह 8-9 बजे के बीच की है। बाइक के साथ हुई टक्कर में साइकिल पर सवार बंदुआ निवासी विजय चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर के बाद मौके पर लोगों की जुटान हो गई। गंभीर रूप से घायल अवस्था में विजय चौधरी को लोगों के सहयोग से मेदिनीराय मेडिकल कालेज एवं अस्पताल ले जाया गया। यहां डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

दूषित पानी पीने से 20 स्कूली बच्चे हुए बीमार

अस्पताल में इलाजरत बच्चे।

PHOTON NEWS LATEHAR : जिले के चंदवा प्रखंड अंतर्गत दुरु प्राथमिक विद्यालय में दूषित पानी पीने से शनिवार को 20 बच्चे बीमार पड़ गए। गंभीर अवस्था में सभी बच्चों को एंबुलेंस से चंदवा अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों की टीम ने बच्चों का इलाज किया। हालांकि सभी बच्चों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार शनिवार को बच्चे स्कूल गए थे। नाश्ता के बाद बच्चों ने जब टंकी का पानी पीया तो पानी में कुछ दुर्गंध आने की शिकायत शिक्षक से की। थोड़ी देर में पानी पीने वाले बच्चे उल्टी करने लगे। स्थिति को देखकर शिक्षक ने तत्काल स्वास्थ्य विभाग को घटना की जानकारी दी। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम एंबुलेंस लेकर स्कूल पहुंची और सभी बच्चों को अस्पताल पहुंचाया। डॉ तरुणेश जोश लकड़ा की निगरानी में सभी बच्चों का इलाज किया गया। जांच के बाद चिकित्सा में बच्चों की स्थिति खतरे से बाहर बताई। परंतु बच्चों को अभी चिकित्सा निगरानी में रखने की बात कही। इधर इस संबंध में मुखिया सीतमोहन मुंडा ने बताया कि घटना की जानकारी उन्हें शिक्षकों से मिली। शिक्षकों ने बताया कि बच्चों के द्वारा जब यह बताया गया कि पानी में बदबू है तो शिक्षक पानी की टंकी की जांच की। टंकी में कुछ सफेद रंग का पदार्थ पड़ा हुआ था। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि किसी शरारती तत्व ने कोई पदार्थ पानी में मिला दिया हो।

1032 तकनीशिन और 1001 सहायक लोको पायलट होंगे बहाल

JAMSHEDPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे जोन में सेफ्टी कैटेगरी को रेलवे बोर्ड ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। रेलवे बोर्ड के आदेश पर चक्रधरपुर मंडल को 400 सहायक लोको पायलट मिलेंगे। दक्षिण पूर्व रेलवे जोन को 1001 सहायक लोको पायलट बहाली का आदेश हुआ है। इसके साथ ही 1032 तकनीशियों की बहाली को स्वीकृति मिली है। पूरे देश भर के 16 रेलवे जोन को मिलाकर 30,365 तकनीनिशयों और 18,500 हजार से अधिक सहायक लोको पायलट की बहाली का आदेश दिया है। इससे रेलवे रिक्रूटमेंट सेल की ओर से जल्द ही कंप्यूटर बेस्ड विभागीय प्रमोशन परीक्षा आयोजित करने की उम्मीद है, ताकि ट्रेनों की बढ़ती संख्या के अनुरूप लोको पायलट भी उपलब्ध हो सकें। इधर, ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन के पारस कुमार ने बहाली के आदेश की सराहना की है।

धनबाद में साइबर ठग गिरोह के तीन आरोपी गिरफ्तार

PHOTON NEWS DHANBAD : ऑन लाइन गेमिंग के माध्यम से लोगों को ठगने वाले तीन शातिर साइबर ठगों को धनबाद पुलिस ने झरिया से गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस को एक पासबुक में एक करोड़ से अधिक का ट्रांजेक्शन मिला है। साथ ही पुलिस को इन शातिर ठगों के पास से अन्य चींजे भी मिली हैं। यह जानकारी सिंदरी एसडीपीओ भूपेन्द्र प्रसाद राउत ने शनिवार को झरिया थाना में पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि झरिया थाना क्षेत्र के बनियाहीर 10 नं का रहने वाला रविरंजन कुमार ठाकुर कुछ लोगों के साथ मिलकर ऑन लाईन गेमिंग ठगी, साईबर ठगी, ऑन लाईन मोबाईल ठगी, फर्जी ए.टी.एम. कार्ड, फर्जी सीम कार्ड बनाकर लोगों को झांसा देकर ठगी कर रहा है। वरीय पुलिस अधीक्षक ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिन्दरी के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया। पुलिस टीम ने घटना में शामिल तीन अभियुक्तों रविरंजन ठाकुर, किशोर कुमार सिंह, सुहैल अली अंसारी को गिरफ्तार किया। इनके पास से मोबाईल फोन, फर्जी एटीएम कार्ड, फर्जी सीम कार्ड, क्यूआर कोड, बैंक खाता, चेकबुक एवं अन्य कागजात बरामद किया गया। जांच के क्रम में अभियुक्तों के खाते से करीब एक करोड़ रुपये से अधिक के लेन-देन के सबूत मिले। इस गिरोह के मास्टरमाइंड का राज्य तथा देश से बाहर रह कर ठगी कराने का भी पता चला है।

गोविंदपुर में दवा दुकानदार युवक ने की आत्महत्या

JAMSHEDPUR : गोविंदपुर स्थित कैलाश नगर निवासी दवा दुकानदार राजकुमार शर्मा (45) ने शुक्रवार देर रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी परिवार के सदस्यों को शनिवार को लगी। सुबह घर वालों ने दरवाजा खटखटाया, जब नहीं खुला तो दरवाजा तोड़ा गया। देखा कि शव फंदे पर लटका हुआ था। इसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। गोविंदपुर थाना की पुलिस का कहना है कि राजकुमार शर्मा बीमार चल रहे थे। उनकी बीमारी लंबे समय से ठीक नहीं हो रही थी। होमियोपैथी से वे अपना इलाज करा रहे थे। बताया जा रहा है कि बीमारी ठीक नहीं होने के कारण ही वे तनाव में थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने घटनास्थल से सुसाइडल नोट भी बरामद किया है, जिसमें उसने लिखा था कि उसका इलाज बारीडीह के एक एक्यूप्रेशर वाले के पास चल रहा था, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

29 अगस्त 2022 को कुछ असामाजिक तत्वों ने कच्चे मकान को ढ़ाह कर जबरन कर लिया था कब्जा

अब तक पुनर्वासित नहीं हुआ मुरूमातू के महादलित

मुरूमातू के महादलित परिवार।

PHOTON NEWS PALAMU : जिले के पांडु थाना क्षेत्र के मुरूमातु गांव के महादलित मुसहर परिवार को अभी तक पुनर्वासित नहीं किया जा चुका है। तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी के अनुसार विगत पांच वर्षों से मुसहर परिवार के सदस्य मुरूमातु गांव के खाता सं.-44, प्लॉट सं.-437 में मकान बनाकर रहते आ रहे थे। 29 अगस्त 2022 को कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा उनके कच्चे मकान को ढ़ाह कर परिवार के लोगों को जबरन गाड़ी में बैठाकर लोटो जंगल में छोड़ दिया गया था। असामाजिक तत्वों का यह अमानवीय कृत्य था। उक्त बातें पूर्व विधायक राधाकृष्ण किशोर ने कही। शनिवार को पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अंचल अधिकारी के प्रतिवेदन के अनुसार मुरूमातु थाना नं.-595, खाता सं.-44, प्लॉट सं.-437 किसी के नाम से बंदोबस्त नहीं है। ऐसी परिस्थिति में मुसहर परिवार के लोग जब पिछले पांच वर्षों से मकान बनाकर रहते आ रहे थे, तब पांडु प्रशासन के पदाधिकारियों के द्वारा समाज के अत्यंत पिछड़ा वर्ग मुसहर जाति के लोगों के लिए उक्त प्लॉट की बंदोबस्ती क्यों नहीं की गयी? तत्कालीन पांडु प्रशासनिक पदाधिकारियों ने यह भी जानने की कोशिश नहीं की कि भूमिहीन मुसहर परिवार के लोग किस अवस्था में रह रहे हैं। यदि वे भूमिहीन थे तो उनके लिए सुयोग स्थान पर सरकारी भूमि उपलब्ध कराकर उन्हें पुनर्वासित करने की जिम्मेवारी पांडु प्रशासन के पदाधिकारियों की थी। झारखंड सरकार का यह संकल्प भी है कि राज्य के भूमिहीन व्यक्तियों के लिए आवास एवं खेती के लिए जमीन उपलब्ध कराया जाये। सरकार के उक्त संकल्प के क्रियान्वयन में पांडु के तत्कालीन संबंधित पदाधिकारी बाधक प्रमाणित हुए हैं। मेरे दृष्टिकोण से सरकारी संकल्प के क्रियान्वयन के बाधक प्रशासनिक पदाधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की आवश्यकता होनी चाहिए।29 अगस्त 2022 को जब मुरूमातु गांव अवस्थित मुसहर परिवार को विस्थापित कर दिया गया तब आनन-फानन में जिला तथा पांडु प्रशासन के पदाधिकारियों के द्वारा बिना जमीन की बंदोबस्ती किए मुरूमातु गावं से पांच किमी. की दूरी पर नेवरी गांव के बांकी नदी के किनारे अम्बेडकर आवास निर्माण की स्वीकृति का पत्र निर्गत किया गया। नेवरी गांव के ग्रामीणों ने अंचल अधिकारी, पांडु को लिखित आवेदन देकर कहा है कि खाता सं.-42, प्लॉट सं.-37 में कोई जमीन खाली नहीं है। पीड़ित मुसहर परिवार के लोगों ने भी शपथ पत्र दायकर कर कहा है कि तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बहला-फुसलाकर तथा धोखे में रखकर अम्बेडकर आवास उन्हें दी गयी है। उक्त नेवरी गांव के जमीन पर वे नहीं बसेंगे। इस मामले में तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल उरांव ने पांडु थाना में प्राथमिकी (सं.-69/22) दर्ज कराते हुए कहा है कि धर्मदेव यादव व अन्य व्यक्तियों के द्वारा ग्राम नेवरी में सरकारी अम्बेडर आवास नहीं बनने दिया जा रहा है तथा मुसहर-मुसलमान के बीच विवाद उत्पन्न कर अशांति फैलायी जा रही है। प्रश्न यह उठता है कि जब अंचल अधिकारी के प्रतिवेदन के अनुसार मुरूमातु गांव के खाता-44, प्लॉट-434 किमी धर्म-समुदाय या व्यक्ति के नाम से बंदोबस्त नहीं है तब प्राथमिकी में मुसहर-मुसलमान के बीच शांति भंग करने का क्या औचित्य है?

पूर्व के विवाद को लेकर गिरिडीह में युवक की हत्या

GIRIDIH : जिले के मुफ्फसिल थाना इलाके के महेशपुर गांव में एक युवक की हत्या कर गई। उसका शव शुक्रवार रात 9:30 बजे घर से 50 मीटर की दूरी पर मिला। मृतक के चाचा फागू मंडल का आरोप है कि संदीप मडल (35) को पहले उसके निमार्णाधीन घर से प्रयाग मंडल, लक्ष्मण मंडल, तेजलाल मंडल, सुनील मंडल, राजू मंडल, निर्मल मंडल समेत अन्य ने जबरन उठा लिया। फिर पंकज मंडल के घर ले जाया गया, जहां पर उसकी हत्या कर दी गई। अंधेरा होने के बाद शव को फेंक दिया गया। फागू मंडल के मुताबिक, 31 मई को भी हत्यारोपियों ने हमला किया था। बोरिंग के विवाद में पहले गाली दी गई और फिर हमला कर घायल कर दिया गया। इस घटना को लेकर दोनों पक्षों की तरफ से एफआईआर दर्ज किया गया। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद दूसरे पक्ष के लोगों को गिरफ्तार नहीं किया गया।

हाई टेंशन तार की चपेट में आने से बस में लगी आग

- बड़ा हादसा टला, उपचालक सहित दो लोग झुलसे

PHOTON NEWS DUMKA : दुमका जिला के दिग्घी ओपी क्षेत्र अंतर्गत श्री अमडा में एक बड़ा हादसा होने से टल गया। दरअसल, बस हाई टेंशन तार की चपेट में आ गई। जिसकी वजह से बस में आग लग गई। इस घटना में दो लोग झुलस गए। दरअसल, शिव शक्ति बस बारात लेने तेलियाचक नवाडीह जा रही थी। इस दौरान ग्रामीण सड़क में अचानक बस से हाई टेंशन तार के संपर्क में आ गया। तार के संपर्क में आते ही बस में आग लग गई। देखते ही देखते पूरा बस आग की लपटों से घिर गया। इसे देखकर बस का चालक तुरंत बस छोड़ बाहर कूद गया। लेकिन बस का खलासी सहित दो लोग बच कर निकलने में नाकामयाब रहे। कड़ी मशक्कत के बाद दोनों बस कर्मियों को बाहर निकाला गया। दोनों कर्मी आग में झुलस गए हैं जिन्हें फूलो झानो मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। लेकिन आग बुझाने में देरी हो गई जिस वजह से पूरा बस जल की खाक हो गया। इस हादसे में गनीमत रही कि बस में यात्री सवार नहीं थे। वरना बड़ी दुर्घटना घट सकती थी। बस जलने की घटना का वीडियो सामने आया है।

मुख्यमंत्री नीतीश ने किया महोत्सव का शुभारंभ बच्चे चखेंगे आमों की वैरायटी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना के ज्ञान भवन में आयोजित आम महोत्सव का शुभारंभ किया। इस दौरान उनके साथ कृषि मंत्री मंगल पांडेय भी थे। कृषि विभाग ने आम की ब्रांडिंग को लेकर महोत्सव आयोजित किया है। अगले दो दिनों तक बिहार के तमाम आम की वैराइटी यहां देखने को मिलेगी। हालांकि इस दौरान मंगल पांडेय ने नीट मामले पर रिएक्शन देते हुए कहा कि पेपर लीक मामले की जांच चल रही है। जो भी दोषी होंगे, उस पर कार्रवाई होगी। कृषि विभाग की ओर से आयोजित आम महोत्सव का उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया। महोत्सव 23 जून तक रहेगा।

इस दौरान किसानों को आम की नई प्रजातियां लगाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। ज्ञान भवन में राज्यस्तरीय आम महोत्सव, 2024 का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव को आकर्षक, ज्ञानवर्द्धक एवं मनोरंजक बनाने का हरसंभव प्रयास किया गया है। आम महोत्सव में स्टॉल लगाए

आम उत्पादकों ने कहा कि सरकार के ऐसे इनिशिएटिव से उन्हें बड़ा मार्केट मिलता है। साहस मिलता है। सहारा भी मिलता है। स्कूल और कॉलेज के बच्चे राज्य में उत्पादित आम के विभिन्न किस्मों से रूबरू हो सकेंगे। आम खाओ प्रतियोगिता में आम का स्वाद भी चखेंगे। कृषि सचिव संजय अग्रवाल ने बताया कि राज्य में 1.63 लाख हेक्टेयर में आम की बागवानी है एवं 15.76 लाख टन का उत्पादन होता है। आम की तुड़ाई की अवधि 4-5 महीने होती है।

कम अवधि में अधिक उत्पादन होने के कारण बड़ी मात्रा में उत्पाद सड़ जाते हैं। उत्पादकों को राजस्व की क्षति होती है।

राज्य सरकार के महोत्सव में कई बड़े निर्यातकों, प्रसंस्करणकर्ता, उद्यमियों को बुलाया गया है, जो सीधे उत्पादक किसान,किसान समूह से संवाद करेंगे एवं बिहार के आम को अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में पहुंचाने और प्रसंस्करण व्यवस्था की जाएगी।

पटना वालों का इंतजार होगा खत्म इस दिन होगी झमाझम बारिश

बिहार। में मानसून का प्रवेश 20 जून को हो गया है। उत्तर बिहार के जिले किशनगंज, पूर्णिया, अररिया और कटिहार में झमाझम बारिश हो रही है। पटना के लोगों को अभी भी मानसून की बारिश का इंतजार है। शहर के कुछ जगहों प्री मानसून की बारिश हुई थी, लेकिन उमस अभी भी बरकरार है। जानिए कि आखिर पटना में बारिश कब होगी और यह इंतजार कब खत्म होगा। पटना मौसम विभाग केंद्र की मानें तो फिलहाल दक्षिण-पश्चिम मानसून अभी झारखंड के साहिबगंज और बिहार के रक्सौल होते हुए गुजर रही है। बिहार के बाकी जिलों में भी आने को लेकर इसकी परिस्थितियों अनुकूल है। ऐसे में देखा जाए तो अगले दो से तीन दिनों में राजधानी में झमाझम बारिश का सिलसिला शुरू हो जाएगा। मौसम विभाग से जारी अपडेट के अनुसार 24 को पटना में हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। 25 जून को झमाझम बारिश होगी। इसके अलावा इस दिन गया, जहानाबाद, शेखपुरा, नालंदा, नवादा, बेगूसराय और लखीसराय में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की उम्मीद जताई गई है। पिछले तीन दिनों की बात करें तो मंगलवार को पटना का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के करीब था। शुक्रवार को पटना का अधिकतम तापमान 37 से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच आ गया है। तीन दिनों में 6 डिग्री तक तापमान में गिरावट आई है। मौसम विभाग के मुताबिक, इस पूरे हफ्ते पटना का न्यूनतम तापमान 25 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

व्यवसायी की पत्नी ने चौथे मंजिल से कूदकर दी जान

गया। में हार्डवेयर व्यवसायी की पत्नी ऋचा सेठ ने अपार्टमेंट की चौथी मंजिला से कूदकर जान दे दी है। सिर के बल गिरने से मौके पर ही मौत हो गई। जिस समय ऋचा ने किचन की खिड़की से छलांग लगाई, उस समय उसका पति राजन सेठ वॉशरूम में था। घटना की सूचना मिलने के बाद रामपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अपार्टमेंट के चौथी मंजिल के 403 नम्बर फ्लैट में राजन सेठ अपनी पत्नी के साथ रहते थे। पुलिस फ्लैट में पहुंची तो वहां किचन में ब्लड के धब्बे मिले। घटना सुबह 10 बजे की बताई जा रही है। पिछले कुछ दिनों से राजन सेठ बिजनेस टूर पर दिल्ली गए थे। शुक्रवार की रात ही लौटे थे। फ्लैट में रहने वाले लोगों के बीच चर्चा है कि रात में क्या हुआ कि ऋचा सेठ सुबह आत्महत्या कर ली। इस सवाल को पुलिस भी तलाश रही है। लोगों का यह भी कहना है कि राजन सेठ का हार्डवेयर का अच्छा कारोबार है। उसका अपना पैतृक घर रेलवे सिनेमा घर के पास है, लेकिन यहां पिछले कुछ सालों से रह रहे थे। पिता से उसकी किसी बात को लेकर अनबन हो गई थी। अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों ने बताया कि ऋचा को शुक्रवार को अपने बच्चे के साथ कैंपस में मस्ती करते देखा था। उस समय तो सब कुछ ठीक लग रहा था। शनिवार सुबह को भी राजन सेठ अपने 4 साल के बच्चे के साथ खेलते देखे थे। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि ऋचा डिप्रेशन में थी। उसे पिछले एक साल से कोई बीमारी थी, जो ठीक नहीं हो रही थी। इधर रामपुर थाने के इंस्पेक्टर का कहना है कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अब तक इस मामले में महिला के पक्ष से किसी का आवेदन नहीं आया है। पुलिस अपने स्तर से जांच कर रही है। लोगों से पूछताछ कर रही है। कोई ठोस जानकारी मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बिहार में टीचर्स की सक्षमता परीक्षा 2.0 स्थगित

बिहार। विद्यालय परीक्षा समिति ने सक्षमता परीक्षा-2.0 को स्थगित कर दिया है। इस संबंध में बोर्ड की ओर से नोटिस जारी किया गया है। 26 से 28 जून तक परीक्षा का आयोजन होना था। जारी नोटिस में कहा गया है कि प्रिंसिपल पद के लिए 28 जून को परीक्षा का आयोजन होना है। ऐसे में सक्षमता परीक्षा के दूसरे चरण की तारीख को आगे बढ़ाया जा रहा है। अब आगे परीक्षा कब होगी, इसको लेकर बोर्ड की ओर से नई तारीख जल्द ही जारी की जाएगी। सक्षमता परीक्षा-2.0 के लिए कुल 85 हजार नियोजित शिक्षकों ने आवेदन किया था। बता दें, कि सेकेंडरी स्कूल के

प्रधान शिक्षक की परीक्षा 28 जून और प्राइमरी स्कूल के प्रधान शिक्षक की परीक्षा 29 जून को होगी। इन दोनों परीक्षा के जरिए 40 हजार पदों पर बहाली होगी। इसमें उच्च माध्यमिक विद्यालयों में प्रिंसिपल के 6 हजार 61 और प्राइमरी स्कूल में प्रिंसिपल के 34 हजार 86 पद शामिल हैं। सक्षमता परीक्षा 2.0 में भी अलग-अलग कक्षाओं के लिए सात श्रेणी में कुल 59 विषयों की परीक्षा बोर्ड की ओर से आयोजित की जाएगी। इसमें कोई नेगेटिव मार्किंग नहीं है। पहली से पांचवीं में एक विषय की परीक्षा होगी। छठी से आठवीं में 8 विषय, माध्यमिक (नवमीं से दसवीं) में 19 और उच्च माध्यमिक (11वीं से 12वीं) में 31 विषयों की परीक्षा ली जाएगी। प्रारंभिक, हाईस्कूल और इंटर स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले कोर्स से सवाल पूछे जाएंगे। सक्षमता परीक्षा में कुल 150 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। जिसमें कक्षा 1 से 5 के लिए के लिए भाषा से 30, सामान्य अध्ययन से 40 और सामान्य विषय से 80 प्रश्न पूछे जाएंगे। इसी तरह के अंक प्रश्न छठी से आठवीं, नौवीं व दसवीं और 11वीं व 12वीं के नियोजित शिक्षकों से पूछे जाएंगे।

19 सीटों पर क्यों और किनकी वजह से हारे 2 दिन चले मंथन में ढूंढा गया

पटना। लोकसभा चुनाव में 23 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली राजद केवल 4 सीटें जीत पाई। 19 पर हार का मुंह देखना पड़ा। हालांकि, 2019 के मुकाबले इस बार के परिणाम को अच्छा ही कहेंगे, क्योंकि तब राजद शून्य पर थी और अब 4 सीटों के साथ उसका लोकसभा में खाता खुल गया है। इधर, वोटों पर गौर करें तो राजद को 22.14 फीसदी वोट मिले। जबकि, 2019 में 15.7 फीसदी वोट मिले थे। इस बार तेजस्वी ने ताबड़तोड़ ढाई सौ से

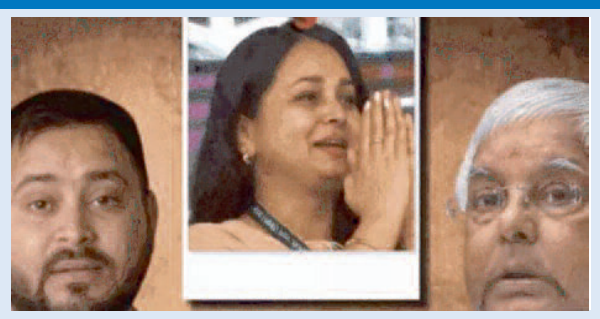

ज्यादा रैली-सभा करके एनडीए के सामने मुश्किल खड़ी की, लेकिन उसके मुताबिक सफलता नहीं मिली। राजद को ज्यादातर जगहों पर वोट तो अच्छे मिले, लेकिन कुछ रणनीति से जुड़ी गलतियां हो गईं। कई जगहों पर यादवों और मुसलमानों का वोट भी गड़बड़ाता दिखा। चूंकि, अब सामने विधानसभा चुनाव है, जिस पर राजद का हाई फोकस है। इसका कारण है- तेजस्वी यादव को हर हाल में सीएम बनवाना। यही अरमान लालू यादव के भी हैं, लेकिन अब आगे बढ़ने से पहले राजद सब कुछ फूल प्रूफ कर लेना चाह रही है। जेडीयू से राजद में आईं जेडीयू की रुपौली विधायक बीमा भारती को पूर्णिया से टिकट दे दिया। कांग्रेस मुंह ताकती रह गई, कुछ कर नहीं सकी।

तेजस्वी यादव लूट रहे थे सरकार का खजाना:नीरज बबलू

सहरसा। के नयाबाजार स्थित अपने निजी आवास पर पीएचडी मंत्री नीरज कुमार बबलू ने बयान दिया है। यहां उन्होंने कहा है कि बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जब सत्ता में थे, तो सरकार का खजाना लूट रहे थे। सत्ता से हटे, तो NDA सरकार को बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं। पीएचडी मंत्री नीरज कुमार बबलू ने कहा कि विपक्ष के लोग खासकर के राजद के युवराज तेजस्वी यादव सरकार को लगातार बदनाम करने की कोशिश करने में लगे हुए है। जब यह सत्ता में थे, तो सरकार के खजाना को लूट रहे थे, जब सत्ता से बाहर हो गए है, तो ठऊअ सरकार को कुछ न कुछ बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। वह लगातार कुछ न कुछ षडयंत्र करते हैं। वह चुप हो गए है और कुछ जवाब नहीं दे रहे हैं। जिस तरह से उनका पीए का सीधे नाम आ रहा है। यह लोग सरकार को बदनाम करने का का षडयंत्र कर रहे हैं। NDA की सरकार मजबूती से चल रही है। इसलिए, षडयंत्र कर रहे हैं।

संक्षिप्त डायरी

पिलर के धंसते ही ढह गया 30 फीट लंबा पुल 5 दिन पहले अररिया में टूटा था ब्रिज

बिहार। में 5 दिनों में दूसरा पुल ढह गया। शनिवार सुबह सीवान के महाराजगंज अनुमंडल के पटेढ़ा और गरौली गांव के बीच गंडक नहर पर बना पुल अचानक टूट गया। एक पिलर के धंसते ही पुल भर-भराकर नहर में समा गया। हादसे का लाइव वीडियो भी सामने आया है, जिसमें साफ दिख रहा है कि पिलर अपनी जगह से खिसकता है, धीरे-धीरे पुल धराशायी हो जाता है। पुल के टूटने से दो गांव के बीच का आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि विभाग ने नहर की सफाई कराई थी। नहर की मिट्टी काटकर बांध पर फेंकी गई थी। इस वजह से पुल का पिलर काफी कमजोर हो गया था, जिसके कारण टूट गया। इससे 5 दिन पहले अररिया के सिकटी में बकरा नदी पर बना पुल उद्घाटन से पहले मंगलवार को नदी में समा गया था। पुल 31 करोड़ रुपए की लागत से बना था। पिछले 13 साल में यह पुल तीसरी बार बन रहा था। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि नहर की सफाई के दौरान विभाग ने सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया, जिससे पुल के पिलर पर अतिरिक्त भार पड़ गया और यह हादसा हो गया। इस पुल की चौड़ाई लगभग 30 फीट थी। लगभग 30 साल पहले इस पुल का निर्माण कराया गया था। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन पुल के टूटने से आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है। इससे ग्रामीणों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों का स्कूल जाना, किसानों का खेतों तक पहुंचना और मरीजों का अस्पताल जाना भी मुश्किल हो गया है। स्थानीय बलराम साह ने बताया कि यह पुल गांव के ही लोगों ने 1990 में बनवाया था। चंदा जमा करके नींव और 3 खंभे बनाए गए थे। बाद में तब के विधायक उमाशंकर सिंह ने लोगों की मांग पर पुल की ढलाई का काम कराया था। हाल में गंडक विभाग के लोगों ने नहर की सफाई करने के दौरान पिलर के पास की मिट्टी निकाल दी। आज पानी आया और कमजोर हो गया पिलर टूट गया। ग्रामीणों का कहना है कि घटना के बाद से अभी तक कोई भी सरकारी अधिकारी स्थिति का जायजा लेने नहीं पहुंचा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि प्रशासन की इस अनदेखी के कारण उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि पुल के टूटने से संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन किसी से संपर्क नहीं हो पाया। इस घटना से ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। उनका कहना है कि प्रशासन को तुरंत इस मुद्दे पर संज्ञान लेना चाहिए और पुल की मरम्मत का कार्य जल्द से जल्द शुरू करना चाहिए। इसके साथ ही ग्रामीणों ने यह भी मांग की है कि इस घटना की जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद महाराजगंज के भूमि सुधार उप समाहर्ता (DCLR) श्रीराम रंजन सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि आवागमन बाधित नहीं हुआ है। यहां से एक किलोमीटर दूर दूसरा पुल है, उससे लोग आवाजाही कर रहे हैं। पुल गिरने के कारणों पर उन्होंने कहा कि इसके बारे में स्थानीय लोग ही बता सकेंगे। उन्हीं के सहयोग से 1991 में पुल बना था। बिहार में अररिया के सिकटी में बकरा नदी पर बना पुल मंगलवार को नदी में समा गया। इस पुल को उद्घाटन का इंतजार था। पिछले 13 साल में यह पुल तीसरी बार बन रहा था। इस मामले में दो इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया गया है। साथ ही एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने का निर्देश दिया गया है।

बिहार में बीच पुल पर बंद हुई हो गई थी पैसेंजर ट्रेन

बिहार। के बगहा में पैसेंजर ट्रेन बीच पुल पर रुक गई। ट्रेन के लोको पायलट और को-लोको पायलट जान जोखिम में डालकर इंजन की गड़बड़ी ठीक की। लोको पायलट ट्रेन और ट्रैक के बीच रेंगते हुए फॉल्ट वाली जगह तक पहुंचे। वहीं उनके साथी ने पुल से लटककर तार खींचा, जिससे ट्रेन फिर से स्टार्ट हो सकी। इस पूरी घटना का वीडियो सामने आया है। गोरखपुर से नरकटियागंज तक जाने वाली 05497 सवारी गाड़ी के इंजन में एयर लीकेज हो जाने के कारण ट्रेन वाल्मीकि नगर और पनियहवा के बीच पुल पर रुक गई। जैसे ही ट्रेन वाल्मीकि नगर रोड स्टेशन से आगे बढ़ी वॉल्व से लीकेज होने लगा और ट्रेन KM–298/20 पुल संख्या 382 पर खड़ी हो गई। बीच पुल ट्रेन रुक जाने से पैसेंजर्स में अफराझतफरी का माहौल बन गया। वॉल्व पुल के बीचो-बीच लीक हुआ था। ऐसे में लीकेज को बंद करना एक चुनौती थी। इस इमरजेंसी की स्थिति में ट्रेन के लोको पायलट अजय यादव और सहायक लोको पायलट रंजीत कुमार ने अपनी जान की परवाह किए बिना पुल पर होते हुए ट्रेन के नीचे पहुंचे। और वॉल्व को ठीक किया। जिसके बाद ट्रेन फिर स्टार्ट हो गई और सुरक्षित आगे बढ़ सकी। करीब 5 मिनट के वीडियो में साफ दिख रहा है कि एक लोको पायलट रेलवे ब्रिज की पतली सी रेलिंग के सहारे धीरे-धीरे फॉल्ट वाली जगह तक पहुंचता है। वहीं दूसरा ट्रेन औऱ ट्रैक के बीच की संकरी जगह में रेंगते हुए वॉल्व तक आता है। दोनों काफी मशक्कत से वॉल्व को दुरुस्त कर लीकेज को बंद करते हैं। दोनों लोको पायलट्स की इस बहादुरी की तारीफ हो रही है। यात्री और रेलवे स्टाफ सभी उनकी प्रशंसा कर रहे हैं। डीआरएम विनय श्रीवास्तव ने दोनों पायलटों को धन्यवाद देते हुए अवार्ड देने का ऐलान किया है। जब इंजन में एयर लीकेज की समस्या आई और ट्रेन रुक गई, तो यात्री परेशान होने लगे। लेकिन लोको पायलट अजय यादव और रंजीत कुमार ने साहस दिखाते हुए तुरंत समस्या का समाधान निकाला। डीआर एम विनय श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों पायलट्स को रेलवे 10 हजार रुपए का पुरस्कार देकर सम्मानित करेगा।

सीवान के मैरवा प्रखंड में नहर का बांध टूटा

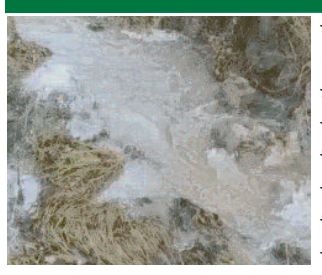

सीवान। के मैरवा प्रखंड क्षेत्र के नवादा गांव में शुक्रवार की रात नहर का बांध टूट जाने से खेतों में पानी भर गया, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। लगभग 5 एकड़ से अधिक खेतों में पानी फैल गया है। किसानों का कहना है कि उन्होंने खेतों में धान का बिचड़ा डाला था, जो पानी में डूबने के कारण खराब हो गया है। 50 से अधिक किसानों का धान की फसल बर्बाद हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही गंडक विभाग के जूनियर इंजीनियर मदन मोहन मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि नहर में आउट लेट के लिए छोड़ी गई जगह पर चूहे ने होल कर दिया था, जिससे पानी का रिसाव होने लगा और बांध टूट गया है। उन्होंने यह भी बताया कि बांध को फिर से बांधने की प्रक्रिया जारी है, ताकि पानी का बहाव नियंत्रित किया जा सके और और अधिक नुकसान से बचा जा सके। किसानों का कहना है कि नहर की स्थिति पर नियमित निगरानी नहीं रखी जाती है, जिसके कारण इस प्रकार की घटनाएं होती हैं। मात्र 2 साल पहले ही इस नहर का निर्माण कराया गया था। सीमेंट से ढलाई किया गया नहर है। उसके बावजूद भी नहर का एक किनारा टूट गया आई। उन्होंने मांग की है कि प्रशासन इस समस्या का स्थायी समाधान निकाले और नहरों की नियमित देखरेख सुनिश्चित करे। उगाने के लिए आवश्यक संसाधन जुटा सकें। स्थानीय प्रशासन ने प्रभावित किसानों को मदद का आश्वासन दिया है।

मुजफ्फरपुर में पति साली संग भागा मां समधी संग फरार

मुजफ्फरपुर। 27 जून 2021 को मेरी छोटू के साथ शादी हुई। हमारी एक साल की एक बच्ची भी है। पर मेरी छोटी बहन के साथ ही पति दिल्ली भाग निकला। वहीं, मेरी मां पति और छोटी बहन को ढूंढने के नाम पर उसके ससुराल पहुंची पर वो भी ससुर के साथ फरार हो गई। अब मैं अकेले अपने बच्चे के साथ न्याय के लिए दर-दर की ठोकर खा रही हूं। यह कहना है मुजफ्फरपुर स्थित सकरा थाना क्षेत्र निवासी सुधा कुमारी का। सुधा ने इस संबंध में सकरा थाना की पुलिस को लिखित आवेदन देकर न्याय करने की बात कही है। पति ने छोटी बहन से शादी भी कर ली है। इसकी जानकारी सुधा को सोशल मीडिया के माध्यम से मिली है। वहीं, मां और ससुर भी दिल्ली में कहीं रह रहे हैं। फरीदपुर गांव निवासी सुधा बताती हैं कि उसकी शादी बोचहां थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव निवासी

बिराजी भगत के 22 वर्षीय बेटे छोटू कुमार के साथ हुई थी। शादी के बाद से मैं और छोटू खुशी से रह रहे थे। हमारी एक साल की बेटी मिस्टी भी है। इसी बीच मेरी 12 साल की छोटी बहन से छोटू की फोन पर बातचीत शुरू हो गई। यह बातचीत कब प्यार में बदला, पता नहीं। मेरे साथ पति का व्यवहार बदल गया। मुझ पर तरह-तरह का आरोप लगाने लगे और मुझसे दूर रहने का हर संभव प्रयास करने लगे। 3 जून को छोटू और मेरी छोटी बहन घर से भाग गए। इन दोनों ने मुजफ्फरपुर स्टेशन पर शादी कर

ली और दिल्ली चले गए। सुधा के अनुसार, वो इसके बाद मायके आ गई और पूरी घटना मां फूल कुमारी (45) को बताई। 5 जून को फूल कुमारी बोली- मैं तुम्हारे ससुराल जाकर दोनों के बारे में पता करती हूं। सुधा ने कहा, मैं भी चलती हूं। पर मां ने इनकार कर दिया। इसके बाद मां अकेले ही उसके ससुराल पहुंची और फिर वापस नहीं आई। कुछ दिनों बाद पता चला कि मां, ससुर बिराजी भगत के साथ गांव से फरार हो गई। ये दोनों भी दिल्ली में रह रहे हैं। इस घटना के बाद से सुधा के पिता उससे बात नहीं करते हैं। वहीं, बाद में पता चला कि छोटू और छोटी बहन की शादी कराने में मां का ही हाथ है। उसने छोटू को 2 हजार रुपए देकर उसकी मदद भी की है। अब मां से बात नहीं हो पाती है। उसने अपना सिम कार्ड तोड़कर फेंक दिया है। सुधा ने इसकी सूचना 9 जून को लिखित आवेदन से पुलिस को दी। लेकिन, पुलिस इस मामले में अब तक कुछ नहीं कर पाई। इधर, सकरा थाना इंस्पेक्टर संतोष कुमार सिंह ने बताया कि महिला ने आवेदन दिया गया है। इसके आधार पर जांच की जा रही है। वहीं, सुधा के पति छोटू कुमार ने बताया कि मेरी सास फूल कुमारी ही साली से शादी करने के लिए बार बार कह रही थी। इसके लिए मेरी सास ने मुझे पैसा और गाड़ी देने का वादा भी किया था। इस लालच में मैंने भी शादी कर ली। फिर घर से दूर एक मंदिर में आकर मेरी सास ने छोटी बेटी के साथ शादी करवा दी। अब मैं अपनी दोनों पत्नी को साथ रखना चाहता हूं।

योग अस्तित्व से शक्ति अर्जित करने का विज्ञान

योग आश्चर्यजनक है। इसके परिणाम गणित के सूत्रों जैसे सत्य सिद्ध हैं। यह भारत का प्राचीन विज्ञान है। षटदर्शन में योग भी है। इसकी स्वीकृति अंतरराष्ट्रीय है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में लाखों लोगों ने हिस्सा लिया। भारत के सभी क्षेत्रों व राज्यों में योग दिवस के आयोजन हुए हैं। अस्तित्व महाऊर्जा से भरा पूरा है। योग अस्तित्व से शक्ति अर्जित करने का विज्ञान है। इसका उल्लेख ऋग्वेद में है। उपनिषदों में है। गीता में विस्तृत है। बुद्ध पंथ में तमाम यौगिक क्रियाओं का उल्लेख है। मार्शल ने हड़प्पा सभ्यता पर मोहनजोदड़ो एंड दि इंडस सिविलाइजेशन पुस्तक लिखी थी। इस ग्रंथ में शिव को आर्य देवताओं से भिन्न देवता बताया है। इस किताब में योग के बारे में लिखा है, शैव मत के समान योग का उद्भव भी आर्यों से पहले की आबादी में हुआ था। काव्यों के युग के पहले उसकी कोई महत्वपूर्ण भूमिका आर्यों के धर्म में नहीं थी। मार्शल का विवेचन सही नहीं है। वे सिंधु सभ्यता को वैदिक सभ्यता से प्राचीन मानते थे। उनकी मानें तो योग सिंधु सभ्यता के समय विकसित हुआ। वैदिक पूर्वजों ने इसे बहुत बाद में जाना। यह तथ्य संगत नहीं है। वैदिक पूर्वज ऋग्वेद के रचनाकाल से ही योग से परिचित थे। मनुष्य चित्त चंचल है। चंचलता दुख, सुख, विषाद व अवसाद लाती है। योग चित्त चंचलता की समाप्ति का विज्ञान है। योग के द्वारा बुद्धि का जागरण वैदिक काल में भी था। यह जागरण सामान्य नहीं है। ऋग्वेद (5.44.14) में कहते हैं, जो जागे हुए हैं। ऋचाएं उनकी कामना करती हैं। मन की चंचलता मनुष्य का स्वभाव है। स्थिरप्रज्ञता योग की उपलब्धि है। ऋग्वेद में इन्द्र से कहते हैं, ह्यह्यआपका मन हमारी ओर हो। (8.45.6) वैदिक देव इन्द्र योग के विज्ञ थे। इन्द्र की प्रशंसा में कहते हैं, आपने जन्म लेते ही अपना मन स्थिर किया। सृजन का आनंद भी योग से मिलता है। ऋग्वेद (9.68.5) में कहते हैं, आनंद प्रशिक्षित मन से आता है। मार्शल की आधी बात ठीक है कि हड़प्पावासी योग से परिचित थे। मार्शल की यह बात गलत है कि ऋग्वैदिककाल में योग साधना नहीं थी। मार्शल की यह बात भी गलत थी कि आर्य जन योग से अपरिचित थे। ऋग्वेद में हिरण्यगर्भ का उल्लेख है। वे योग के प्रथम प्रवक्ता माने जाते हैं। योग को व्यवस्थित रूप में विज्ञान बनाने का काम ईसा की दूसरी सदी पूर्व पतंजलि ने किया था। उन्होंने ही योगसूत्र नामक महान ग्रंथ लिखा है। भारतीय दर्शन में दुख का मूल कारण अविद्या है। पतंजलि ने चित्तवृत्तियों को सुख दुख का कारण माना है। सिग्मंड फ्रायड प्रसिद्ध मनसविद् थे। उन्होंने मन का विश्लेषण किया है। उन्होंने तीन तरह के मन बताए हैं। पहला क्षिप्त मन। दूसरा विक्षिप्त मन और तीसरा मूढ़ मन। लेकिन पतंजलि ने मूढ़, क्षिप्त, विक्षिप्त, एकाग्र और निरुद्ध सहित चित्त की पांच अवस्थाएं बताईं। इन चित्त वृत्तियों की समाप्ति को योग का लक्ष्य बताया-योगश्च चित्त वृत्ति निरोधः (योगसूत्र 2) बताया। मनुष्य का चित्त द्रव्य या पदार्थ नहीं है। पदार्थ होता तो विज्ञान की पकड़ में आता। चित्त मनुष्य शरीर का अति सूक्ष्मतम अदृश्य भाग है। मन और शरीर मिले हुए हैं। मन खराब हो तो शरीर कष्ट पाता है। शरीर में चोट हो तो मन दुखी होता है। अपमान का अनुभव मन पर होता है। ताप शरीर पर होता है। एकाग्र मन आनंद का स्रोत है। मन महत्वपूर्ण है। यजुर्वेद के शिव संकल्प सूत्रों में मन को शिवत्व से भरने की स्तुति है। इसमें 6 मंत्र हैं। कहते हैं, हमारा मन नदी पर्वत आकाश तक जाता है। हम उसे वापस बुलाते हैं। सभी 6 मंत्रों के अंत में तन्मे मनः शिव संकल्पम अस्तु जुड़ा हुआ है। चित्तवृत्तियों की समाप्ति से एकाग्रता आती है। एकाग्रता की प्राप्ति योगाभ्यास से होती है। मन के साथ शरीर भी स्वयं में स्थिर होता है। स्वयं में स्थिर होना स्वस्थ होना है। पतंजलि के सूत्र संक्षिप्त हैं। कहीं कहीं एक ही शब्द का वाक्य है। वे आसन, प्राणायाम और ध्यान के माध्यम से आत्मबोध कराते हैं। आसन और प्राणायाम सरल शब्द हैं। ध्यान और समाधि कठिन है। ध्यान एकाग्रता है। पतंजलि के अनुसार ध्यान का केन्द्र केवल उपकरण है। उपकरण कार्यसिद्धि में सहायक हैं। योगसूत्र में प्रीतिकर विषय पर ध्यान के विकल्प हैं। योगसूत्र (समाधिपाद 39) में कहते हैं, ह्यह्ययथाभिमत्ध्याना द्वा-जिसकी जैसी इच्छा हो उस केन्द्र पर ध्यान करे। फिर कहते हैं अथवा ईश्वर पर प्राण-ध्यान लगाएं-ईश्वर प्रणिधाना द्वा (वही 23) पतंजलि के सूत्रों में ईश्वर पर ध्यान एक विकल्प है। पतंजलि का ईश्वर सामान्य ईश्वर नहीं है। वे ईश्वर की परिभाषा भी बताते हैं, क्लेश, कर्म, कर्मफल और वासना से असम्बद्ध चेतना विशेष ईश्वर है (वही 24)। आगे कहते हैं, समय के पार होने के कारण वह गुरुओं का गुरु है। योग सिद्धि में समय नहीं होता। समय शून्यता के बोध में दुख या सुख नहीं होता। इस परिभाषा के अनुसार कोई भी योग के माध्यम से ईश्वर जैसा हो सकता है। योग आनंद का सागर है। योग सिद्ध स्वस्थ व्यक्ति हिंसक नहीं हो सकता। उसके चित्त से सृजन फूटते हैं। योग सिद्धि के लगातार अभ्यास जरूरी है। उपलब्धि प्राप्ति के प्रति अनासक्ति से योग के लाभ मिलते हैं। पतंजलि ने स्वयं कहा है कि ह्यह्यजिनके प्रयास मृदु या मध्यम होते हैं। उन्हें योग के लाभ उसी मात्रा व समय में मिलते हैं। जिनके प्रयास तीव्र होते हैं उन्हें योग का फल तत्काल मिलता है ह्यह्य पतंजलि ने योग सिद्ध बुद्धि के लिए ऋतम्भरा शब्द का प्रयोग किया है-ऋतम्भरा तत्र प्रज्ञा। ऋतं शब्द पहली बार ऋग्वेद में आया है। इसका अर्थ अस्तित्व का संविधान है। ऋतम्भरा साधारण बुद्धि नहीं है। एक बुद्धि मनुष्य की होती है।

सामाजिक क्रांति के अग्रदूत कबीर

ANALYSIS

✍ डॉ. अशोक कुमार भार्गव

मध्यकालीन भक्ति आंदोलन के प्रणेता कबीर ने निराकार ब्रह्म के उपासक होकर भी अपने प्रियतम के वियोग में जो चिरंतन व्याकुलता प्रकट की वह किसी भी सगुणोपासक अथवा प्रेमोपासक की विकलता से कहीं अधिक मार्मिक तीव्र एवं गहन बन गई। संत कबीर का उद्भव जिन युगीन परिस्थितियों मे हुआ वे अत्यंत संकीर्ण, विषम और विसंगति पूर्ण थी। उत्तर भारत में मुस्लिम साम्राज्य अपनी जड़ें पूरी तरह जमा चुका था। तुर्क, अफगान, खिलजी, तुगलक, सैयद लोदी वंश अपने-अपने काल में इन जड़ों को और गहरा बनाने में कामयाब रहे। हिंदुओं के छोटे-छोटे राज्य भी अब समाप्त हो चुके थे। राजनीतिक दृष्टि से हिंदुओं में अब कोई शक्ति शेष नहीं थी। धार्मिक क्षेत्र में भी भेदभाव का साम्राज्य था। देश के पूर्वी भागों में वज्रयानी सिद्धों के तंत्र-मंत्रों का और पश्चिमी भाग में नाथ संप्रदाय के हठयोग का प्रभाव था। हिंदू धर्म वैष्णव, शैव और शाक्त संप्रदायों में विभक्त था और इन धर्म साधनाओं में परस्पर प्रबल विरोध और संघर्ष की स्थिति थी। हिंदुओं में मूर्ति पूजा प्रचलित थी। एकेश्वरवादी इस्लाम मूर्ति पूजा विरोधी था। इस्लाम के साथ सत्ता थी उनमें ऊंच, नीच का भेद नहीं था।

भारतीय चिंतन परम्परा में सामाजिक क्रांति के अग्रदूत कबीर का चिंतन सामाजिक जड़ता, अराजकता, जन्म के आधार पर भेदभाव, साम्प्रदायिकता, अस्पृश्यता और उंच-नीच जैसी अमानवीय व्यवस्था के खिलाफ शंखनाद है। वे ऐसे आदर्श मानवीय समाज की परिकल्पना करते हैं जहां सामाजिक समरसता पर आधारित मानवीय धर्म की प्रतिष्ठा हो। कहा जाता है कि काशी में लहरतारा तालाब पर नीरू तथा नीमा नामक जुलाहा दंपति को एक नवजात शिशु अनाथ रूप में प्राप्त हुआ। इन दोनों ने बालक का पालन पोषण किया जो संत कबीर के नाम से विख्यात हुए। निम्न और वंचित समझी जाने वाली जुलाहा जाति में पलकर भी तत्कालीन धर्म के दिग्गज पंडितों, मौलवियों को एक ही साथ फटकार सकने में समर्थ कबीर ने 'मसी' और 'कागद' न छूकर तथा कलम हाथ में न पकड़ कर भी केवल अपने प्रामाणिक अनुभव के बल पर जो कुछ कहा उसे सुनकर बड़ी-बड़ी पोथियों के अध्येता भी चकित रह गए। मध्यकालीन भक्ति आंदोलन के प्रणेता कबीर ने निराकार ब्रह्म के उपासक होकर भी अपने प्रियतम के वियोग में जो चिरंतन व्याकुलता प्रकट की वह किसी भी सगुणोपासक अथवा प्रेमोपासक की विकलता से कहीं अधिक मार्मिक तीव्र एवं गहन बन गई। संत कबीर का उद्भव जिन युगीन परिस्थितियों मे हुआ वे अत्यंत संकीर्ण, विषम और विसंगति पूर्ण थी। उत्तर भारत में मुस्लिम साम्राज्य अपनी जड़ें पूरी तरह जमा चुका था। तुर्क, अफगान, खिलजी, तुगलक, सैयद लोदी वंश अपने-अपने काल में इन जड़ों को और गहरा बनाने में कामयाब रहे। हिंदुओं के छोटे-

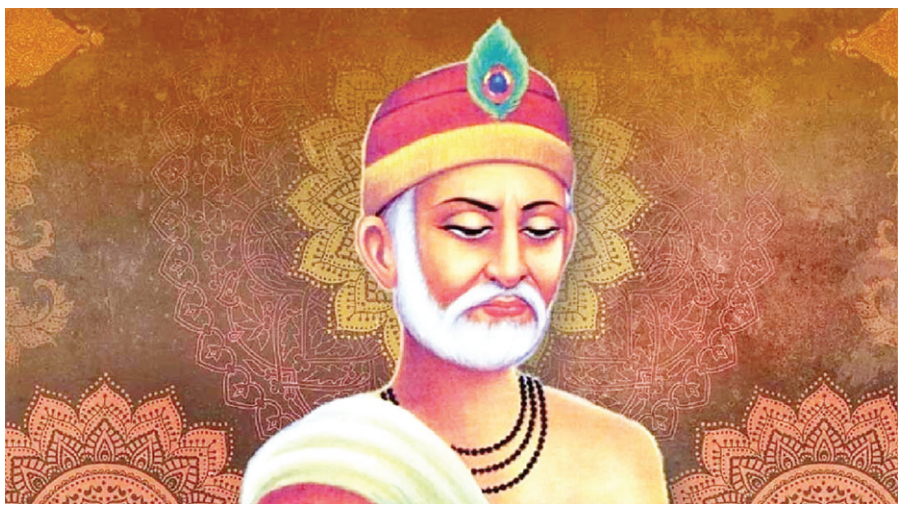

छोटे राज्य भी अब समाप्त हो चुके थे। राजनीतिक दृष्टि से हिंदुओं में अब कोई शक्ति शेष नहीं थी। धार्मिक क्षेत्र में भी भेदभाव का साम्राज्य था। देश के पूर्वी भागों में वज्रयानी सिद्धों के तंत्र-मंत्रों का और पश्चिमी भाग में नाथ संप्रदाय के हठयोग का प्रभाव था। हिंदू धर्म वैष्णव, शैव और शाक्त संप्रदायों में विभक्त था और इन धर्म साधनाओं में परस्पर प्रबल विरोध और संघर्ष की स्थिति थी। हिंदुओं में मूर्ति पूजा प्रचलित थी। एकेश्वरवादी इस्लाम मूर्ति पूजा विरोधी था। इस्लाम के साथ सत्ता थी उनमें ऊंच, नीच का भेद नहीं था। कुछ वर्गों में सांप्रदायिक कट्टरता एवं संकीर्णता पनप रही थी। समाज में धर्मगत, जातिगत, वर्णगत संप्रदाय गत विषमताएं विकट थीं। फलस्वरूप समाज का निम्न और अछूत वर्ग शोषण, उत्पीड़न, उपेक्षा, अपमान और सामाजिक धार्मिक निर्योग्यताओं का शिकार होने से इनमें आक्रोश, असंतोष और विक्षोभ प्रबल हो रहा था। ऐसी विषम स्थिति में कबीर की क्रांत दर्शिता विभिन्न मतवादों को समन्वित कर 'सूप' का स्वभाव लेकर उभरी जो किसी भी मत और संप्रदाय के 'थोथे' तत्व को उड़ा सकने एवं उसके सार तत्व को ग्रहण कर सकने में समर्थ है। यही कारण है कि उनकी बानियां लोक मंगल की भावना से प्रेरित लोकमंगल की साधना को समर्पित है। कबीर का चिंतन आचरण शुद्धि, लोक कल्याण, सांप्रदायिक सद्भाव तथा दुष्प्रवृत्ति उन्मूलन पर केंद्रित है। कबीर ने तत्कालीन समाज में फैले कर्मकांडों, पाखंडों, जातिगत भेद-भावों अंधविश्वासों, बाह्याचारों और सामंती व्यवस्था की खुलकर आलोचना की। हिंदू हो या मुसलमान पंडित हो या मौलवी सबको समान रूप से फटकार लगाई। कबीर ने मुसलमान की हिंसात्मक प्रवृत्ति की निंदा की। मूर्ति पूजा का खंडन किया। हिंदुओं को मुसलमान बनाने के विरुद्ध बगावत की।माला जपने, जप तप करने, व्रत रखने, रोजे रखने, मस्जिद में बांग लगाने आदि अनेक पाखंडों की आलोचना की। कबीर ने 'जाति-पांति पूछे नहि कोई। हरि को भजै सो हरि को होई' कहकर समाज को एक नई दिशा दी। कबीर की कटु आलोचनाओं से समाज के ठेकेदारों के निहित स्वार्थ जब प्रभावित होने लगे तो इन्होंने बादशाह सिकंदर लोदी से शिकायत की। काजियों ने कहा कि कबीर लोगों को इस्लाम के विरुद्ध नसीहत देते हैं जिससे मुसलमान हिंदुओं की तरह ध्यान और भजन करने लगे हैं। पंडितों ने कहा कि कबीर परंपरा से चले आ रहे धार्मिक और सामाजिक नियमों का खंडन करते हैं। लोगों को ऐसे मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं जिसे न हिंदू कहा जा सकता है न मुसलमान। बादशाह ने कबीर को ऐसा न करने का आदेश दिया। किंतु कबीर झुके नहीं और निर्भय होकर कहा कि पारस्परिक मतभेदों में समन्वय कर यदि जीवन को सार्थक बनाने योग्य समता मूलक सच्चे सिद्धांतों पर अमल किया जाए तो इसमें क्या दोष है? धर्म के ठेकेदारों को यह मंजूर नही था। बादशाह भी स्वयं मुसलमान था उसने तलवार के जोर से इस्लाम का प्रचार किया। इसलिए बादशाह ने कबीर को मृत्युदंड दिया। कबीर पंथियों का मत है कि लोदी ने अनेक प्रकार के उपायों से कबीर को मरवाने की कोशिश की किंतु किसी दैवी शक्ति या चमत्कार से कबीर का कुछ नहीं हुआ। अंततः कबीर के अलौकिक व्यक्तित्व के समक्ष सिकंदर लोदी नतमस्तक हुआ और कबीर को स्वतंत्र कर दिया। एक बार कबीर को बादशाह को सलाम अदा करने के लिए कहा तब कबीर ने उत्तर दिया 'एक परमात्मा के सिवाए मालिके मखलूक और कोई नहीं । मैं उसी को सलाम करता हूं मिट्टी से बने किसी इंसान को नहीं।' कबीर के इस प्रबल आत्मविश्वास और निर्भयता के पीछे उनके अनुभव की प्रामाणिकता, ईमानदारी, सच्चाई और नैतिकता कार्य कर रही थी। खरी-खरी सुनाने का अद्भुत साहस कोई खरी अनुभूति वाला व्यक्ति ही कर सकता है। कबीर अशिक्षित थे सहज, सरल सबके लिए सुलभ थे। उन्होंने जिंदगी की पोथी को खुली आंखों से पढ़ा था। वे प्रेम के एक अक्षर को पढ़कर ही पंडित हो गए थे। उनकी भक्ति में ज्ञान योग और प्रेम का अद्भुत समन्वय है। ज्ञान के बिना मुक्ति नहीं और गुरु के बिना ज्ञान नहीं। कबीर स्वामी रामानंद से गुरु दीक्षा के अभिलाषी थे किंतु शास्त्रानुसार जुलाहे कबीर पात्र नहीं थे। स्वामी रामानंद ने विवशता बताई और कबीर के स्पर्श के कारण दुबारा गंगा स्नान करने को कहा। तब कबीर ने टूटे हुए हृदय से कहा ₹आपकी पवित्रता मुझे पावन न बना सकी किंतु मेरी अपावनता ने आपको पुनः स्नान के लिए बाध्य कर दिया। सुना था देवता के स्पर्श से पापी तक पावन हो जाते हैं किंतु आज एक देवता मनुष्य को छूकर अपावन हो गया।₹ स्वामी रामानंद ने कबीर के कथन में निहित सत्य को अनुभूत किया और बाद मे कबीर को अपने आश्रम ले आए। कबीर ने सदैव शारीरिक श्रम की महत्ता को स्वीकार किया और आजीवन जुलाहे कर्म का निष्ठा से पालन किया।

लेखक, मोटिवेशनल स्पीकर एवं पूर्व आईएएस हैं।

आडम्बर के घोर विरोधी थे संत कबीर

मध्यकालीन युग के महान कवि संत कबीर दास जी ने अपना सारा जीवन देशाटन करने और साधु-संतों की संगति में व्यतीत कर दिया और अपने उन्हीं अनुभवों को उन्होंने मौखिक रूप से कविताओं अथवा दोहों के रूप में लोगों को सुनाया। अपनी बात लोगों को बड़ी आसानी से समझाने के लिए उन्होंने उपदेशात्मक शैली में लोक प्रचलित और सरल भाषा का प्रयोग किया। उनकी भाषा में ब्रज, अवधी, पंजाबी, राजस्थानी तथा अरबी फारसी के शब्दों का मेल था। अपनी कृति सबद, साखी, रमैनी में उन्होंने काफी सरल और लोक भाषा का प्रयोग किया है। गुरु के महत्व को सर्वोपरि बताते हुए समाज को उन्होंने ज्ञान का मार्ग दिखाया। मध्यकालीन युग के इन्हीं महान कवि संत कबीर दास जी की जयंती प्रतिवर्ष ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है, जो इस वर्ष 22 जून को मनाई जा रही है। माना जाता है कि इसी पूर्णिमा को विक्रमी संवत 1455 सन् 1398 में उनका जन्म काशी के लहरतारा ताल में हुआ था। संत कबीर सदैव कड़वी और खरी बातें करने वाले ऐसे स्वच्छंद विचारक थे, जिन्होंने समाज में फैली कुरीतियों, कर्मकांड, अंधविश्वास, अंधश्रद्धा, आडम्बरों की कड़ी आलोचना करते हुए समाज में प्रेम, सद्भावना, एकता और भाईचारे की अलख जगाई। उन्होंने अपने दोहों और वाणी के माध्यम से धर्म के नाम पर आम जनता को दिग्भ्रमित करने वाले काजी, मौलवी, पंडितों, पुरोहितों को आईना दिखाने का भी साहसिक प्रयास किया। संत कबीर नित्य प्रति सत्संग किया करते थे और लोग दूरदराज से भी उनके प्रवचन सुनने आया करते थे। उनकी वाणी में ऐसी अद्भुत ताकत थी कि लोग उनका सत्संग सुनने अपने आप ही दूर-दूर से उनकी ओर खिंचे चले आते थे। एक दिन सत्संग खत्म होने के बाद भी एक व्यक्ति वहां बैठा रहा। कबीरदास ने उस व्यक्ति से इसका कारण पूछा तो उसने उत्तर दिया, महाराज! मुझे आपसे कुछ जानना है। दरअसल मैं एक गृहस्थ हूं और परिवार में सभी लोगों से अक्सर मेरा झगड़ा होता रहता है। मुझे समझ ही नहीं आता कि आखिर मेरे यहां गृह क्लेश क्यों होता है और वह किस प्रकार दूर हो सकता है? संत कबीर कुछ देर चुप रहे, फिर उन्होंने अपनी पत्नी को आवाज लगाते हुए कहा कि जरा लालटेन जलाकर लाओ! दोपहर का समय था और बाहर तेज धूप निकली हुई थी लेकिन उनकी पत्नी बिना कोई सवाल पूछे चुपचाप उनके कहे अनुसार लालटेन जला कर ले आई। वह आदमी भौंचक्का-सा यह दृश्य देखते हुए विचार करने लगा कि आखिर संत ने इतनी दोपहर में भी लालटेन क्यों मंगाई है? कुछ मिनटों के बाद कबीरदास ने फिर पत्नी को आवाज लगाई और कहा कि जरा कुछ मीठा दे जाना। पत्नी आई और मीठे के बजाय थोड़ी नमकीन रखकर चली गई। वह व्यक्ति सोचने लगा कि ये संत और इनकी पत्नी शायद पागल हैं, तभी दोपहर के समय लालटेन जलाते हैं और मीठे के बदले यहां नमकीन मिलती है। यही सोचकर उसने चुपचाप वहां से खिसकने के इरादे से कहा कि महाराज! मैं अब चलता हूं। लेकिन कबीरदास ने उससे पूछा कि आपको अपनी समस्या का समाधान मिला या अभी भी कोई संशय शेष है? उस व्यक्ति को कुछ समझ नहीं आया और वह आश्चर्य से उनकी ओर देखने लगा तो संत कबीर ने उसे समझाते हुए कहा कि जिस प्रकार मैंने दोपहर की रोशनी में भी लालटेन मंगवाई तो मेरी धर्मपत्नी मुझे ताना मारते हुए कह सकती थी कि मैं सठिया गया हूं, जो इस दोपहरी में भी लालटेन मंगवा रहा हूं लेकिन उसने सोचा कि अवश्य ही मुझे किसी काम के लिए लालटेन की जरूरत होगी। इसी प्रकार मेरे मीठा मंगवाने पर जब वह नमकीन देकर गई तो मैं भी उससे बहस कर सकता था लेकिन मैंने विचार किया कि संभवतः घर में कोई मीठी वस्तु नहीं होने पर ही वह नमकीन देकर गई है।

Social Media Corner

सच के हक में...

देश के मूर्धन्य विद्वान और साङ्गवेद विद्यालय के यजुर्वेदाध्यापक लक्ष्मीकान्त दीक्षित जी के निधन का दुःखद समाचार मिला। दीक्षित जी काशी की विद्वत परंपरा के यशपुरुष थे। काशी विश्वनाथ धाम और राम मंदिर के लोकार्पण पर्व पर मुझे उनका सान्निध्य मिला। उनका निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से राज्य की 9 लाख से अधिक बेटियों के जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। अब बेटियां आगे बढ़ रही हैं, अपनी पढ़ाई पूरी कर रही हैं, अपना भविष्य उज्ज्वल बना रही हैं। शक्ति सम्मान और स्वाभिमान का उदाहरण है सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना।

(पूर्व सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

माज में व्याप्त आडंबर के खिलाफ जनमानस को तैयार करने वाले संत कबीर दास जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

चीन के खिलाफ आक्रामक विदेश नीति जरूरी

शठे शाठ्यं समाचरेत अर्थात दुष्ट के साथ दुष्टता का ही व्यवहार करना चाहिए। यह नीति भारत को अपने पड़ोसी व साम्राज्यवादी देश चीन के बारे में अपनानी चाहिए। चीन कभी भारत का विश्वसनीय पड़ोसी नहीं रहा है। नेहरू काल के दौरान चीन हिंदी चीनी भाई भाई का नारा देकर 1962 में भारत के साथ विश्वासघात भला कौन भूल सकता है। भारत की सीमा पर घुसपैठ अथवा जमीन पर कब्जा करना चीन की फितरत में रहा है। भारत की लगातार चेतावनी के बावजूद वह एलएसी का न केवल उल्लंघन करता रहा है बल्कि अरुणाचल प्रदेश पर दावा करता रहा है। इसके लिए उसने साम, दाम, दंड, भेद की नीति का पालन किया। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर में हाल ही में रियासी में श्रद्धालुओं की बस पर हमला किया गया। इसके बाद जम्मू-कश्मीर में लगातार हमले बढ़े हैं। इसके पीछे भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को इन हमलों में पाकिस्तान और चीन की संयुक्त साजिश नजर आ रही है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 4 से 8 जून के बीच कई दौर की लंबी-लंबी बैठकें की थीं। इस दौरान दोनों राष्ट्राध्यक्षों ने कश्मीर पर चर्चा की। दोनों की मुलाकात के बाद ही जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले भी बढ़े हैं। भारतीय खुफिया एजेंसियों को इसमें पाकिस्तान और चीन की साजिश दिख रही है। भारत ने लगभग 60 हजार राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों को इस्टर्न लद्दाख में विभिन्न स्थानों पर तैनात किया है। एलएसी पर भारतीय सेना की भारी संख्या में तैनाती से चीन बौखलाया जरूर है। खुफिया सूत्रों के अनुसार, सेना का ध्यान भटकाने के लिए जम्मू-कश्मीर में लगातार आतंकी वारदात बढ़ाई जा रही है। हालांकि भारत के कड़े रुख के चलते चीन अपनी मंशा में सफल नहीं हो पाया, लेकिन इसी वर्ष जिस तरीके से उसने अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा जताने के लिए इस राज्य में एलएसी के पास 30 स्थानों के नाम बदल दिए, वह अत्यंत चिंताजनक है। भारत ने भी उस पर जवाबी कार्यवाही करते हुए तिब्बत के 30 स्थानों के नाम बदलने की तैयारी कर ली है। भारत इन नामों कभी भी सूची जारी कर सकता है। भारत का मानना है कि ऐसा करने से चीन को उसी की भाषा में जवाब दिया जा सकेगा। सवाल यह है कि क्या ऐसा करने से चीन अरुणाचल प्रदेश पर अपना अधिकार जताना बंद कर देगा? क्या जो वह भारतीय सीमा पर लगातार घुसपैठ करता है, उसे बंद कर देगा? शायद चीन को इससे बहुत अधिक फर्क नहीं पड़ेगा। अगर चीन को सही मायने में जवाब देना है तो तिब्बत के महज नाम बदलने से बात नहीं बनेगी। उसको अधिक आक्रामक तरीके से जवाब देना पड़ेगा। चीन इससे पहले भी ऐसे ही नाम बदलने का काम वर्ष 2017, 2021 और 2023 में कर चुका है । भारत ने पहले भी इसका विरोध किया और यह कहता रहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है और रहेगा। इसके लिए भारत को और अधिक सख्त कदम उठाना चाहिए। अब केंद्र में एक बार फिर मोदी के नेतृत्व में सरकार है और अरुणाचल प्रदेश में भी भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बन चुकी है। ऐसी स्थिति में भारत को अपनी विदेश नीति को अधिक आक्रामक बनाने की आवश्यकता है। वास्तविकता यह है कि तिब्बत को चीन अपने देश का हिस्सा मानता है। चीन अपने मैप में अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताता रहता है। यह बात सही है कि अब मोदी सरकार चीनी मानचित्रण और नामकरण करने के मामले में अपना रुख बदलने को तैयार है। लेकिन अब भारत सरकार को आगे बढ़ते हुए चीन को ठीक तरह से जवाब देना चाहिए। जिस तरह से चीन अरुणाचल को अपने देश का हिस्सा मानता है, भारत को तिब्बत को एक आटोनॉमस देश का दर्जा देना चाहिए।

फिर भटकता कनाडा

कनाडा में बढ़ते भारत विरोधी अलगाववाद की जितनी निंदा की जाए, कम होगी। भारत सरकार ने उचित ही कनाडा सरकार से कड़ा विरोध दर्ज कराया है। फिर एक बार खून-खराबे को लालायित चंद खालिस्तानी चरमपंथियों ने तथाकथित नागरिक अदालत आयोजित की है और वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास के बाहर प्रधानमंत्री का पुतला जलाया है, तो कतई हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठा जा सकता। भारत ने कनाडाई उच्चायोग को बाकायदे एक राजनयिक नोट जारी करते हुए अलगाववादी तत्वों की ताजा हरकतों पर अपनी गंभीर आपत्ति जताई है। कनाडा में भारत विरोध को जिस तरह से भड़काने की लगातार साजिशें हो रही हैं, उसमें कहीं न कहीं उस देश की मुख्यधारा की राजनीति का हल्कापन जिम्मेदार है, तभी तो घोषित आतंकी निज्जर को वहां की संसद में मौन श्रद्धांजलि दी गई है। यह वही निज्जर है, जिस पर भारत में हत्या का आरोप था, जो मोस्ट वांटेड आतंकियों की सूची में शामिल था। उसकी मौत पर कनाडा में आंसू बहाने वालों की जमात निरंतर उग्र होती जा रही है, तो भारत सरकार को कुछ ज्यादा ही सचेत रहना चाहिए। अब यह बात कतई छिपी नहीं है कि जस्टिन ट्रूडो की सरकार अलगाववादियों को खूनी खिलवाड़ का मौका दे रही है। लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर अलगाववाद के प्रति नरमी खुद कनाडा के समाज पर भारी पड़ेगी। अलगाववाद का समर्थक पाकिस्तान आज किस मुकाम पर है, यह हर कोई देख रहा है। बेशक, दोनों देशों के बीच मुख्य मुद्दा कनाडा सरकार द्वारा अपनी धरती पर सक्रिय हिंसक तत्वों को छूट देने का है। दरअसल, कनाडा अपने ही इतिहास को भूल गया है। साल 1985 में 25 जून को मॉंट्रियल से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट को कनाडाई सिख आतंकियों ने बम विस्फोट से उड़ा दिया था। जमीन से 31,000 फीट ऊपर बम विस्फोट हुआ था, जिसमें 268 कनाडाई, 27 ब्रिटिश व 24 भारतीय मारे गए थे।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Service before self makes a difference

OUR Prime Minister, who is easily the most popular individual in the country even after the setback his party suffered in the Lok Sabha elections, often advocates a positive approach to men and matters. In this article, I shall attempt to do just that.Before the elections were announced, a serving member of the IPS, Haryana DGP Shatrujeet Kapur, sent me the manuscript of his book. He wanted me to read it and send my comments, part of which he intended to use in the blurb of the yet-to-be-published book, titled Wired for Success. But the book is not about his experiences in the police but about his three-year stint as the Chairman and Managing Director of two Haryana power distribution companies, a job traditionally handled by IAS officers.

There are numerous lessons in the book for those in high offices in the administration and the police. I dare say that the corporate world would also benefit since management principles were fully in play during Shatrujeet's tenure.

He is a product of the IIT, like many IAS and IPS officers in the past few decades. He was identified by a discerning Chief Minister as a man of integrity, competence and dedication to the job at hand. There are many such men and women in the IAS and the IPS, but politicians whose only goal is power often overlook them for more 'committed' officers who are willing to help them further their political careers, something that Sardar Patel had warned against.Officers with a conscience should not lose heart when they are overlooked for crucial appointments and preference is given to 'committed' officers. A time comes when sycophancy does not work. Those in power then go looking for the honest and the competent to sort out the mess. Then those whose commitment is not to their political masters but to the people at large are in demand.

I was delighted to learn from Shatrujeet's book that then Chief Minister Manohar Lal Khattar had put the people's interests above his own. PM Narendra Modi has included him in the Union Cabinet. This is a wise choice.Both power distribution companies had been reporting massive financial losses year after year. The debts incurred by them had hit the roof, forcing the state Finance Minister to "tear out his hair" and the people to bear larger tariff costs, irregular electric supply and frequent breakdowns.

The IAS fraternity was not happy when the job was entrusted to an IPS colleague. They demonstrated their displeasure in myriad ways, which are listed in the book, but the CM stood firm. Rivalry and jealousy are normal human failings. Wise officers should shun such feelings and tendencies. Politicians take advantage of officers' rivalries to perpetuate their hold on power. The people, for whose betterment both politicians and government officials are supposed to work, do not care to know who is senior to whom. They are interested in work being done. They instinctively know which officer is working for their welfare and who is working to satisfy his own ego or, more often, for his financial prosperity.When he took over the reins of the discoms, Shatrujeet met his entire staff, including workers on the ground, during his tours. He clearly spelt out his priorities and methods to achieve goals to each of them. He listened to those who offered sage advice, their ranks notwithstanding. He took over the entire gamut of promotions and transfers, the main cause of dissatisfaction in all government services. Those who performed and met goals were rewarded with cutting-edge postings that mattered. A whole army of favoured ones revelling in political or other patronage, who managed their postings as a matter of entitlement, were left out in the cold.The principles of participative management and just and impartial treatment in the matter of rewards and punishments got every employee, big or small, on board. They began working as a team, a goal which all good leaders strive for.It was clear to me that the two discoms were turned round from loss-making to profit-making companies because of the quality of leadership introduced into managing them by Shatrujeet. I felt a surge of pride that a serving member of my tribe had succeeded where the marginally more brainy lot had failed. Personal integrity and a solid value system proved crucial for success.

The many lows of India's higher education system

The absence of knowledge creation seems to be having a cascading effect across the entire realm of education in India.

TODAY, a college/university degree is a primary requirement for most well-paying professions. Some might even say that a degree is also good for one's izzat (honour), much like a permanent sarkari naukri. Little wonder that anyone with a modicum of desire and opportunity makes an effort to get a degree.

Yet, in India, despite so many young ones eager to acquire a degree and willing to pay for it, we have neither been able to create infrastructure to educate them nor succeeded in ensuring that the existing infrastructure has quality.

All that we have been able to do successfully is to increase the stress on young Indians by subjecting them to unnecessary and seemingly unfair screening tests of the sort that the National Testing Agency is currently administering. The only object of those tests is to reject aspirants who have already been tested by a school board or a university.Often, students going abroad is linked to the lack of job opportunities in India. That would be a misunderstanding of the problem. The malady is deep-rooted.Few realise that Indians spend six to nine times the size of the Union Budget on higher education to study abroad. At the last count, the Ministry of External Affairs reported that there were over 1.5 million Indians studying abroad. With each of them spending at least

Rs 20 lakh annually on tuition fee and living expenses, the total money taken out of India merely to study abroad each year amounts to at least Rs 3 lakh crore. It could be as high as Rs 4.5 lakh crore if we make a more realistic estimate of what these students actually spend. In contrast, the allocation for higher education in the Interim Budget of 2024-25 wasThis is a drain of wealth which we have allowed by creating a misshapen system of higher education. Even this system yields considerable results for those who stick to it. Even this bit of higher education that is imparted in India leads to a considerable jump in the earning capacity for those who partake of it. So much so that despite not earning anything while studying, those with educational qualifications earn far more over a lifetime than those without.Using the Periodic Labour Force Survey data for 2022-23, it is estimated that the cumulative earnings of a person who invests four years in college education after completing higher secondary education would be more than that of someone who was merely HSC (higher secondary certificate)-qualified, by the ninth year. This would translate into something as follows: overall, a graduate earns over Rs 26 lakh more in a lifetime as compared to someone whose highest qualification was higher secondary; for the postgraduate, it turns out that earnings over a lifetime would be more than Rs 54 lakh as compared to someone with HSC as the highest qualification; for a PhD holder, this difference is even greater at Rs 69 lakh over a lifetime.

However, and this is an interesting bit of detail that has often been ignored, even this educational qualification is not sufficient for Indians to get a job abroad. It may get them a visa for further studies in Canada, the US, UK or Australia — the four preferred destinations for Indian youth — but not a job. For that, they have to invest anything from Rs 20 lakh to Rs 40 lakh per annum for at least two years.Essentially, a degree from India is useless outside the country. Most Indian institutions, too, do not consider these degrees of any value beyond a basic minimum. Indians with degrees have to undertake fresh entrance examinations for entry to a higher level of education or for a job. Recruiters across the job market complain that a degree in India is not a guarantor of relevant knowledge any more.

Worse still, even in the realm of creating new knowledge, the Indian higher education sector is lacking considerably.Please do not confuse knowledge generation with the number of PhDs or the number of books and scientific papers being published. Look at the reception of research in Indian higher education institutions in the world of knowledge.The Times Higher Education Rankings is one of the hundred-odd ranking systems that have emerged in the past two decades. One of the metrics that it reports is 'research quality'. This includes a combination of citation impact, research strength, research excellence and research influence examined over the past five years. On this metric, the top 50 universities of the world have a score of 90-plus.Among the institutions of higher education in India, only the IISc (Indian Institute of Science) features in this decile with a score of 96. This is a small institution with less than 10,000 students.The next set of institutions, including Jamia Millia Islamia, IIT-Patna, IIIT Hyderabad, Jamia Hamdard, NIT-Silchar, Delhi Technological University and Anna University – have scores in the 70s. After these come Panjab University (67.9), Mahatma Gandhi University (62.3), Alagappa University (64.8), Aligarh Muslim University (61.6) and Banaras Hindu University (66.4).Jawaharlal Nehru University, which is presumed to be among the top universities of the country, scored a dismal 51.4, while Manipal University, one of the few private universities to feature in the rankings, has a score of 46. Other universities of India have far worse scores

The absence of knowledge creation seems to be having a cascading effect across the entire realm of education in India.

Pariksha pe charcha

UGC-NET cancellation a huge letdown

THE cancellation of the University Grants Commission-National Eligibility Test (UGC-NET) examination a day after it was conducted comes as a huge embarrassment for the Centre and a big letdown for the over nine lakh candidates. The shock cancellation has been attributed to inputs that the integrity of the examination may have been compromised. One reason for the swift action could be to avoid a repeat of the raging controversy over the alleged irregularities in the NEET-UG examination. After this, a sense of betrayal in the public consciousness is inevitable. After the twin botch-ups in quick succession, the National Testing Agency (NTA) finds itself in a worsening crisis of credibility. The Central Bureau of Investigation has been tasked with conducting the probe. This reflects the seriousness being attached to the matter, but the damage has already been done.

The NTA has been holding the UGC-NET examination in a computer-based format since 2018. It had gone back to the pen-and-paper version this year. The Education Minister has spoken of setting up a high-level committee to recommend an overhaul of the examination processes. Wide-ranging discussions among domain experts — 'pariksha pe charcha' in its true sense — would be expected. Unilateral imposition of new guidelines and patterns may not be a pragmatic solution when faced with a trust deficit.Conducted twice a year, UGC-NET is the first such examination to be scrapped after the Public Examinations (Prevention of Unfair Means) Act was passed in February. This law provides for three to five years in prison and a fine of up to Rs 10 lakh for resorting to unfair means. It will take time to gauge how effective the legislation proves to be as a deterrent. Cancellation can take a heavy toll on the mental and emotional wellbeing of candidates. A zero-error system has to be the end goal.

China's moves Down Under have strategic lessons

It is the competition for Australia's rare earths, which are important for electric vehicles and renewable energy, which draws the most Chinese interest.

EVEN as a US Congressional delegation has riled China by meeting the Dalai Lama in Dharamsala, Australia and New Zealand are engaging with Beijing on the trade front.Chinese Premier Li Qiang visited New Zealand last week and Australia earlier this week. Then Premier Li Keqiang had toured Australia in 2017. The prospect of Australia's re-engagement with China has been evident since 2022, when the Labour government was re-elected. PM Anthony Albanese visited Beijing in November last year to unfreeze the relationship. Evidently, China's economic strictures were hurting Australia.China had taken umbrage at Australia seeking an inquiry into the origin of the Covid-19 pandemic. Thereafter, Australia adopted a more strategic approach to China, expressing concern over covert foreign interference in Australian politics, excluding Chinese telecommunications companies like Huawei from the 5G network and the recent clashes between naval ships in the South China Sea and the Yellow Sea.With New Zealand, the strategic concerns are less direct. Both Australia and New Zealand feel the heat of the Chinese challenge in the South Pacific.During Li Qiang's visit, both countries sought to manage their differences with China, revive economic ties and draw benefits from more trade and investment while nudging compliance with their strategic priorities.

New Zealand was the first Western country to have a free trade agreement with China since 2008. It was the first to recognise China as a market economy and sign an agreement under the Belt and Road Initiative. China is its largest export destination for milk and agricultural products. New Zealand has a bilateral trade of $23 billion which, though not large, is significant for it. The Australia-China trade is to the tune of $216 billion. Australia, China and New Zealand are all part of the Regional Comprehensive Economic Partnership. And now, China is wooing them to enter into the Comprehensive and Progressive Agreement for Trans-Pacific Partnership.New Zealand PM Christopher Luxon aims to balance the relationship from a focus on economic opportunity to greater resilience and de-risking. New Zealand is painfully aware of cyberattacks on its Parliament website, but it cannot ignore its essential focus on trade. Since January this year, New Zealand dairy products have entered China free of duties and quotas.

New Zealand also benefits from the footfall of Chinese tourists. In April this year, 10 per cent of the 2,25,000 tourists in New Zealand were Chinese, ranking second behind those from the neighbouring Australia, which saw 5,35,000 Chinese tourists in 2023. China, in a classic case of 'relaxed coercion' diplomacy, promises to include New Zealand among the countries for which visa exemptions would be granted. In return, New Zealand would be more flexible in granting visas for the Chinese.Australia is by far the bigger catch for China, which has been its single largest trading partner for both exports and imports since 2009. In 2023, their trade increased by 4 per cent. Australian investment in China grew by 11.7 per cent over 2022. The number of Australian companies in China has increased by 40 per cent. In April, Australia concluded its anti-dumping measures against Chinese windmill towers after it lost its case in the World Trade Organisation against Chinese steel products. China reduced its anti-dumping measures on Australian wine and barley and lifted restrictions on many Australian exporters of beef and lamb.Australian analysts struggle to justify this, saying, "How do you cut off your biggest customer? Will Australian friends make up for the lost income and investment?" Australia China Business Council president David Olsson expects China's ban on Australian seafood to be lifted as well and hopes for better mutual grant of visas. In return, China wants its foreign direct investment in Australia to face lesser scrutiny.Australia is China's top supplier of iron ore. But it is the competition for Australia's rare earths, which are important for electric vehicles and renewable energy, which draws the most Chinese interest.

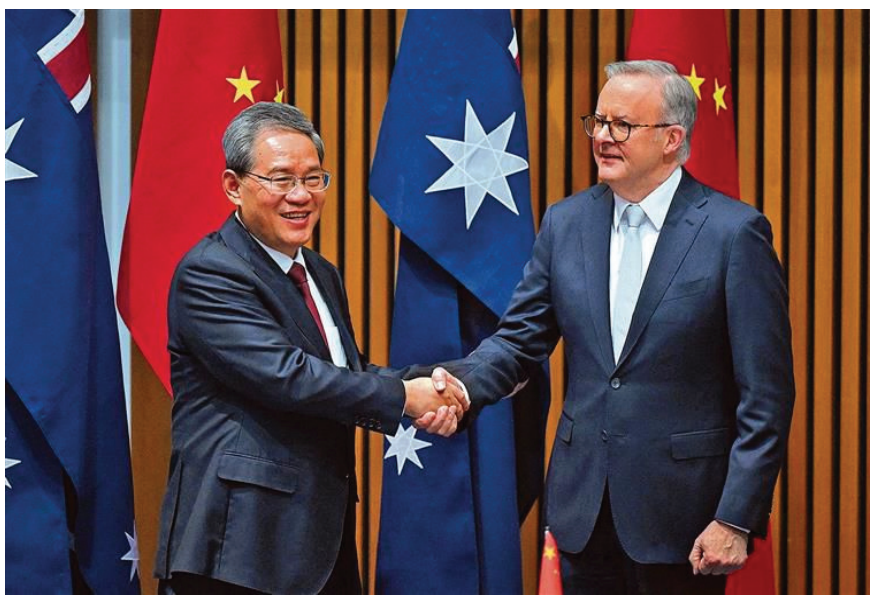

China already has investments in lithium factories in Australia, but subsequent efforts have been thwarted as Australia took a more strategic view.

At present, critical minerals and rare earths are the focus of the new great game, and everybody is seeking these from known sources. Some African countries have got significant Chinese, and now Korean, interest. Australia, a Quad member, should be working with the US, Japan and India for greater collaboration on this front. The idea that Japanese technology, Australian rare earths and Indian manufacturing could come together under a Quad initiative facilitated by the India-Australia-Japan Supply Chain Resilience Initiative is attractive but nascent.

With Australia's rare earths at the core, the prospect of engaging it more robustly by non-Chinese partners emerges from Canberra's more determined partnership with Quad. It was also pushed by the Chinese trade restrictions, which were curtailing Australian economic activity.When India and Australia signed the Comprehensive Economic Cooperation Agreement in 2022, it was evidently a strategic effort to create complementarities. What will happen to these slow efforts, given the revival of Australia's China trade and economic partnership? At the time of Quad 1.0, it was the Australian turnabout on China that slowed down Quad. What about Quad 2.0? Will Australian interest in it diminish?Australian statements seem to indicate that they know what they are doing. They are cognisant of their responsibilities to the Quad and AUKUS (the alliance between Australia, UK and US), which will augment their nuclear submarine capacity, whose target is the Chinese.The Aussie-Kiwi tie-up with China does not draw strategic lessons from what China is doing in the East Asia Sea with Japan, in the South China Sea (particularly with the Philippines), and with India in the Indian Ocean Region.The trade-first approach of Australia, therefore, needs cautious understanding. While India is aware that since the Covid-19 pandemic, all its Quad partners and ASEAN have all done record-breaking trade with China, it is Beijing's diplomatic manoeuvring to reduce economic pressures on individual partners that should worry the others.

FMCG Sales Growth In Rural Areas To Outstrip Urban Markets: Report

Populist measures expected by some states which are going to face elections this year are also expected to drive up rural demand, the report added.

New Delhi. New Delhi: Rural India has bounced back as a buyer of fast-moving consumer goods (FMCG) such as soaps and soft drinks and sales of these goods are expected to expand at a faster pace than urban areas in the second quarter of 2024, according to a report by consulting firm Kantar.The report states that the rural market is a "bright star," recording a "resurgence" in 2024 and is expected to further consolidate its position in the April-June quarter of the year. This growth in the rural areas has been fuelled by region-centric measures announced by the government in the interim budget earlier this year, which provided stability.

Populist measures expected by some states which are going to face elections this year are also expected to drive up rural demand, the report added. "The start to 2024 from a rural perspective has been brilliant, with rural growth overtaking urban's; and the rural worm is looking upward," according to the Kantar FMCG pulse report for Q2.

The report also states that the urban market did not record growth for three straight quarters, and is contending with a huge Q2 2023 base. The falling Urban curve coupled with a strong base is likely to constrict the numbers for the next quarters, the report states.According to Kantar Worldpanel Managing Director – South Asia K Ramakrishnan, for the most part of 2023, Urban has maintained strong growth numbers. "Rapid growth is unsustainable for the long term, and necessarily Urban is hitting brakes now. This has also coincided with typically Urban-centric categories such as noodles and salty snacks slowing down in growth within Urban, after continuously galloping since the pandemic," he said.

The rural market may also get a boost from the rabi crop but the exact impact of the weather is still not clear, according to the report. Normally, rural area contributes around 35 to 37 per cent of the FMCG sales. The report also highlighted that though inflation may have slowed down to acceptable levels, it still has an impact on the consumer.

Ramakrishnan said that the Indian rural market is full of potential and although has dampened the mood of the rural shopper for a time, the trends are now pointing up.

PFRDA Set To Launch New NPS Scheme With 50% Equity-Debt Mix

New Delhi: Good news is around the corner for those who invest in the National Pension Scheme (NPS). The Pension Fund Regulatory and Development Authority (PFRDA) has been preparing to introduce a new version of the National Pension Scheme (NPS), making it very attractive to investors. This new version of the National Pensions Scheme (NPS) will allow investors to retain 50 per cent of their investment in equity funds until they reach 45. This new version of the scheme is expected to give more money to people at the time of their retirement. It will replace the existing system, where the allocation of equity funds decreases gradually starting at 35.In this new version of the National Pension Scheme (NPS), the government of India is planning to introduce a 'New Balanced Life Cycle Fund', which is expected to attract the youth as well. This new scheme will help people create a corpus until retirement. Under this new scheme proposed by PFRDA, more investment amounts can be allocated to equity funds for a long time. The proposed scheme will increase the investment in equity by ten more years, to get more returns from the market.

PFRDA chairman Deepak Mohanty, briefing the media during the Annual Felicitation Programme for Atal Pension Yojana (APY) in New Delhi, said the NPS balance lifecycle scheme could be introduced in July or August. He said, "The fund will be an additional option in the auto-choice where equity allocation can be a maximum of up to 50%, but the tapering would start only after 45 years of age. This will help subscribers accumulate more corpus in their retirement fund."Deepak Mohanty also added that this new version of the scheme will allow them to invest more in equity funds for a long time. He also mentioned the Atal Pension Yojana (APY) and revealed that in the last financial year (2023–24), around 1.22 lakh new subscribers joined APY. It is the highest number so far in any financial year since the scheme was started. He also added that the number is expected to increase in 2024.

UK Tata Steel Workers Call Strike After 40 Years To Prevent Layoffs

NEW DELHI. Tata Steel, a subsidiary of Tata Group, is set to lay off approximately 2800 employees at its UK operations as it transitions to a greener steelmaking process. In response, about 1,500 employees of Tata Steel workers based in Port Talbot and Llanwern in Wales will begin an all-out indefinite strike action against the company's decision to cut jobs and close its blast furnaces. The protest is reportedly set to start from July 8. Unite the Union said it was the first time in 40 years that steelworkers in Britain had gone on strike to seriously affect Tata Steel UK's operations. The Union members have already started their preparation for the protest.In its press release, Unite the Union stated its plans, "Around 1,500 workers at Tata's Port Talbot and Llanvern-based offices will begin an indefinite strike to protest the company's plans to cut 2,800 jobs and close its blast furnace." The Union's general secretary, Sharon Graham said in an interview that Tata's workers are not just fighting for their jobs, but also for the future of their communities and the steel industry in Wales. The Union claimed that the strike would continue until Tata stopped its destructive plans."Unite is backing Tata's workers to the hilt in their historic battle to save the Welsh steel industry and give it the bright future it deserves," said Union General Secretary.

The union said that the opposition Labour Party has urged the Mumbai-headquartered steel company to halt its plans and hold talks with the newly elected government after the July 4 general election.

India Business Activity Grows Faster in June, Job Creation At 18-Year High: PMI

NEW DELHI. Business activity in India expanded at a faster clip this month from May thanks to gains in manufacturing and services, according to a business survey that also showed the pace of job creation was at its strongest in over 18 years.Robust gains in both sectors at the end of the first fiscal quarter meant a strong start to India's economy this financial year after it expanded by 8.2 per cent last year – the fastest expansion among major countries – partly led by buoyant manufacturing.HSBC's flash India Composite Purchasing Managers' Index , compiled by S&P Global, rose to 60.9 in June from last month's final reading of 60.5.

That marked nearly three years above the 50-level separating growth from contraction on a monthly basis."The composite flash PMI ticked up in June, supported by rises in both the manufacturing and service sectors, with the former recording a faster pace of growth," noted Maitreyi Das, global economist at HSBC.The manufacturing index showed bigger gains to 58.5 from 57.5 in May while the dominant services industry's reading rose slightly to 60.4 this month from 60.2, adding to the continued expansion in India even as the global economy slows.

That was backed by a strong expansion in both manufacturing output and orders as well as business gains among services firms.New export orders expanded for a 22nd consecutive month in June and remained robust, though the pace eased slightly after record growth last month.

Robust demand prompted companies to hire more people, with overall employment generation rising at the fastest pace since April 2006. Job creation among manufacturers was higher than in the services sector.Boosting jobs will remain the biggest challenge for the Narendra Modi government which got elected for a rare third term earlier this month, a Reuters poll showed.

Footwear industry wants 5% GST rate back on products below Rs 1,000

NEW DELHI: Ahead of the GST Council meeting on Saturday, the footwear industry has written to the finance ministry asking for reverting back to 5% GST on footwear below Rs 1,000.Currently, 12% GST is levied on footwear below Rs 1,000 and 18% above Rs 1,000. The industry has submitted in the letter that a lower GST rate promotes equality between organised and unorganised players and helps widen the tax network, aligning with the government's efforts to maximize the tax base and compliance.

The industry has also argued that increasing GST rates from 5% to 12% has led to higher product prices, adversely affecting the mass segment that mainly serves lower and middle-class consumers.GST on footwear below Rs 1,000 was earlier taxed at 5%. However, that created an inverted duty structure, whereby the GST on finished goods was lower than the GST on inputs.This resulted in accumulation of input tax credits, which suppliers could claim at the end of the financial year. However, a few goods and services – including some products under footwear category -- are not eligible for refunds under the inverted uty structure.To correct this anomaly, the GST Council in January 2022 increased the GST rate on footwear below Rs 1,000 from 5% to 12%. However, now the footwear industry is feels that the increase in GST on footwear up to Rs 1,000 has impeded industry growth, leading to withdrawal from formal channels."We advocate for a reduction in GST rates for footwear priced under Rs 1,000 to 5%, aligning with the industry's accessibility and affordability goals," says a letter written by Confederation of Indian Footwear Industries to the Finance Minister.The letter further argues that lowering the tax rate would alleviate financial pressure on manufacturers and retailers, enabling them to operate profitably and compete with international brands.Meanwhile, the 53rd GST Council Meeting will take place on Saturday in New Delhi. The TNIE has reported earlier that the Council is likely to discuss the retrospective applicability of 28% GST on online gaming, and also deliberate on introducing sunset clause.

Zepto raises $665 million at 3.6 billion valuation

BENGALURU: Quick commerce start-up Zepto has raised $665 million at a $3.6 billion valuation, more than double from its last valuation. The company is also ready to go public soon, and plans to hire top talent across engineering, product, growth, finance, operations, and category management.Also this fund raising comes at a time when other quick commerce start-ups are investing heavily to expand their reach. Flipkart will soon enter the quick commerce space.

This fund raising by Zepto comes just nine months after the company raised $235 million at a $1.4 billion valuation.Avenir, Lightspeed, and Avra (Anu Hariharan's new fund) joined the company's cap table as new investors, among others. Existing investors Glade Brook, Nexus, and StepStone co-led the round with Goodwater and Lachy Groom doubling down as well, Zepto said.

In terms of business performance, Zepto's GMV has multiplied y-o-y to a base of $1 billion+, and about 75% of the company's stores are fully EBITDA positive as of May 2024. Zepto co-founder and CEO, Aadit Palicha, said, "This dynamic of stores turning profitable faster and faster has enabled Zepto to grow rapidly while simultaneously achieving near EBITDA positivity at a company level.We plan to continue operating with fiscal discipline as we scale from 350 stores to 700 stores by reinvesting the capital generated from mature stores back into the business." Zepto co-founder and CTO, Kaivalya Vohra, said, "The most exciting part about this next phase of Zepto's journey are the major new projects that will 10X customer experience, from launching new categories to expanding initiatives like Zepto Pass."

Pine Labs considering to float $1 bn public issue

Fintech unicorn Pine Labs is reportedly considering raising an IPO of $1 billion in India. Both new and secondary shares might be issued by Pine Labs. This IPO would be the biggest by an Indian fintech firm after Paytm that raised $2.5 billion in 2021. As per reports, the firm is seeking a valuation of over $6 billion in an IPO. In 2022, the company had filed confidentially with the US Securities and Exchange Commission for an IPO.

Amazon Plans To Charge $5 Monthly From Customers For Alexa As It Considers Revamp To Include GenAI

NEW DELHI: Amazon is planning a major revamp of its decade-old money-losing Alexa service to include a conversational generative AI with two tiers of service and has considered a monthly fee of around $5 to access the superior version, according to people with direct knowledge of the company's plans.Known internally as "Banyan," a reference to the sprawling ficus trees, the project would represent the first major overhaul of the voice assistant since it was introduced in 2014 along with the Echo line of speakers. Amazon has dubbed the new voice assistant "Remarkable Alexa," the people said.The sources include eight current and former employees who worked on Alexa and who spoke on the condition of anonymity because they were not authorized to discuss confidential projects.Amazon has pushed workers towards a deadline of August to prepare the newest version of Alexa, three of the people said, noting that CEO Andy Jassy has taken a personal interest in seeing Alexa reinvigorated. In an April letter to shareholders, Jassy promised a "more intelligent and capable Alexa," without providing additional details.The company's plans for Alexa including pricing and release dates could be altered or canceled depending on the progress of Project Banyan, the people cautioned."We have already integrated generative AI into different components of Alexa, and are working hard on implementation at scale—in the over half a billion ambient, Alexa-enabled devices already in homes around the world—to enable even more proactive, personal, and trusted assistance for our customers," said an Amazon spokeswoman in a statement.

The service — which provides spoken answers to user queries, like the local weather, and can serve as a hub to control home appliances – was a pet project of Amazon founder Jeff Bezos who envisioned a technology that could emulate the fictional voice computer portrayed on television's Star Trek series.

53rd GST Council Meeting To Deliberate On These Key Issues; Here's Expected Agenda

NEW DELHI: The GST Council, in its meeting on Saturday, is likely to deliberate on various issues, including taxation on online gaming and the Parliamentary standing committee's recommendation for lowering tax on fertiliser.The 53rd meeting of the GST Council, chaired by Union Finance Minister Nirmala Sitharaman and comprising her state counterparts, is also likely to discuss the progress of the Group of Ministers (GoM) on finalising the report on Goods and Service Tax (GST) rate rationalisation and amendments to GST laws based on previous decisions of the council, news agency PTI reported.The council may also discuss the recommendations made by the Standing Committee on Chemicals and Fertilisers in February to reduce GST on nutrients and raw materials in the interest of fertiliser manufacturing companies and farmers.

Currently, GST at a 5 per cent rate is charged on fertilisers, while raw materials like Sulphuric Acid and Ammonia face a higher GST at 18 per cent.The issue of further reduce tax on fertilisers was placed before the GST council in its 45th and 47th meetings held in September 2021 and June 2022, though the council did not recommend any change in rates.

Saturday's Council meeting will be held after a gap of eight months. The 52nd GST Council meeting took place on October 7, 2023.About the online gaming sector, the council is likely to review the decision to levy 28 per cent GST on the full value of bets for online gaming companies, which came into effect on October 1, 2023.Ranjeet Mahtani, partner, Dhruva Advisors, said, "The plate is full and expectations are that the Council will take up the issues of: rate structure overhauling and rate rationalization on an overall basis, plug the concerns in respect of inverted duty structure (pharmaceuticals, textiles etc.), provide further clarifications on the newly introduced GST on corporate guarantee."

Mahtani added, "A part of the wish list is that the GST Council provides definitive guidance on multiplicity of proceedings by different tax authorities in the GST regime – this has become a bane for industry and is somewhat allayed by the Circular of 30.03.2024. The online gaming sector, which is reeling under the severe impact of modification of the GST rate, anticipates the now delayed review of the sector will be taken up."In its meetings in July and August, the GST Council had approved amendments to the law to include online gaming, casinos and horse racing as taxable actionable claims, and clarified that such supplies would attract a 28 per cent ax on full bet value.At that time, it was said that a review of the implementation would be carried out after six months.The GST Council is likely to review the decision to levy 28 per cent GST on the full value of bets for online gaming companies that came into effect on October 1, 2023.Following the council decision, over 70 show cause notices have been issued to online gaming companies for alleged GST evasion of over Rs 1.12 lakh crore during financial years 2022-23 and 2023-24.Many of them have gone to court against the notices and the cases are pending.Sources told PTI that the GST Council is likely to discuss the legality of the show cause notices served to online gaming companies and the way forward.

About corporate guarantees, the council is also likely to review its last meeting decision to levy 18 per cent GST on guarantees provided by corporates to their subsidiaries.The CBIC circular on corporate guarantee was stayed by the Punjab and Haryana High Court and a review of the legal aspect of the circular is likely to be taken up at the meeting on Saturday.

How India can dismantle the paper-leak industry

To curb the menace of paper leaks and target the paper-leak mafia, India has to effectively implement the new stringent law. Experts believe a multipronged coordinated approach with an increased role of states, and the use of AI, could crucially aid in restoring the faith in examinations in India.

New Delhi. While protesters have taken to the streets over the malpractices in the NEET entrance and the UGC-NET exams, the opposition parties are attacking the government and have vowed to take it up strongly in Parliament. People are debating who is guilty of shattering crores of dreams, and jeopardising countless futures.A concern common to all the stakeholders, including the Narendra Modi government, would definitely be, how can the well-oiled paper-leak industry be dismantled.Question papers for at least 70 examinations have been leaked in the last seven years, messing up with the schedules of 1.7 crore applicants.

A competitive examination system from the 1990s has to be reimagined amid the technological advances from 2010 onwards.

he central government on Friday notified the Public Examinations (Prevention of Unfair Means) Act, 2024, which aims to prevent unfair means in public examinations and common entrance tests held across the country. It has stringent provisions, but it alone won't suffice.To shatter the paper-leak industry, which has flourished due to increasing demand and patronage from powerful masters, individual states need to act, because it is in state-conducted exams that the problem is rampant. If local efforts are crucial in cracking down on the paper-leak mafia, so is the use of tech.Also, as a society, we have to ponder that it is the demand that is propelling paper leaks.

NON-BAILABLE PROVISION IN NEW ANTI-CHEATING LAW

To address the vicious cycle of paper-leaks and for the faith of all stakeholders to be restored, the Narendra Modi government enacted 'The Public Examinations (Prevention of Unfair Means) Act 2024' in February."The legislation aims at safeguarding the merits of our youth and the well-being of our children," Minister of State for Personnel Jitendra Singh said in Parliament.The Act provides for punishment of a minimum of three to five years of imprisonment to curb cheating and for those involved in organised crimes of cheating will face five to 10 years of imprisonment and a minimum fine of Rs 1 crore.It is the first act of its kind to curb the menace of paper leaks. The tough provisions of the Public Examinations (Prevention of Unfair Means) Act 2024 would treat these offences as cognisable, non-bailable, and non-compoundable.

Hailing the new anti-cheating Act as "a crucial step", Mohit Kumar Tyagi, the founder and CEO of the online exam preparation platform, Competishun, tells IndiaToday.In, "The financial burden on the government to reconduct examinations due to paper leaks is substantial. By enhancing these provisions, the law can be more effective in preventing such incidents".Similar optimism was echoed by Supreme Court advocate Anubha Shrivastava Sahai, who says, "This will make sure a convict does not walk out of jail in just 6 months, like in some cases from the past where provisions of the Indian Penal Code were used".

ROLE OF STATES IN CURBING PAPER LEAKS

Months after the law was passed in February, the centre notified the Public Examinations (Prevention of Unfair Means) Act, 2024, late on Friday.Although the new law means to crack down on the paper-leak mafia is extensive, it only includes the examinations that the central government conducts through its agencies, like the Union Public Service Commission, the Staff Selection Commission, the National Testing Agency, the Railway Recruitment Boards, the IBPS, and so on.The state agencies like the Bihar Public Service Commission and the Rajasthan Staff Selection Commission have been left out of the Public Examinations (Prevention of Unfair Means) Act 2024."And that is what the government needs to include. It is in the states where most of these cases of paper leaks and unfair means come from," advocate Anubha Shrivastava Sahai tells IndiaToday.In.That said, the ball is now in the state's court."It remains to be seen if the states, who are custodians of the subject of education, ratify the Central Act and implement it in the states," she adds.

NTCA seeks action plan from states on relocation of villages from tiger reserves

New Delhi: In a letter to the state wildlife departments Thursday, the National Tiger Conservation Authority (NTCA) had sought a timeline and action plan on relocation of villages situated inside the critical tiger habitats of tiger reserves.

Under the Environment Ministry, NTCA oversees tiger conservation and Project Tiger. Sources said that the letter, written in light of a review of the status of voluntary village relocation from core areas, asked the state wildlife department to follow-up on the issue on a priority basis. The NTCA has stated there are about 600 villages comprising 64,801 families residing in core areas.

The core or critical tiger habitats re areas inside tiger reserves that are kept “inviolate” as per provisions of the Wildlife Protection Act’s 2006 amendment for maintaining a viable population of breeding tigers. Fifty-five tiger reserves have been notified in the country and there are villages situated in the core areas of several tiger reserves. The Wildlife Protection Act requires state governments to carry out relocation and for creating inviolate areas for tiger conservation based on “mutually agreed terms and conditions”.

We have asked states to submit a status report on this issue and we will hold review meetings soon”, a senior NTCA official saidThe relocation process has to be strictly voluntary and based on informed consent of gram sabhas and families involved. Authorities are also legally mandated to complete the process of recognising and settling of forest rights of Scheduled Tribes and other forest dwellers. Those who voluntarily opt for relocation have to be provided either a financial compensation or resettlement and rehabilitation, as per NTCA’s protocol.

Singer Lucky Ali Accuses IAS Officer, Her Husband Of "Land Grabbing"

New Delhi: Renowned singer Lucky Ali has accused senior Karnataka IAS officer Rohini Sindhuri of illegally seizing his trust-owned property on the outskirts of Bengaluru. In his complaint, filed with the Karnataka Lokayukta Police, the 65-year-old alleged misuse of state resources on the part of Rohini Sindhuri to unlawfully occupy his land in Yelahanka's Kenchenahalli area.In his post on X, Mr Ali claimed that Ms Sindhuri, along with her husband Sudhir Reddy and brother-in-law Madhusudan Reddy, orchestrated the illegal “land grabbing” through “lots of money exchange”. The complaint, lodged under Section 7 of the Karnataka Lokayukta Act, 1984, highlights serious concerns about administrative misconduct and calls for an investigation into what is termed a “dereliction of duty” by the accused parties.

The dispute dates back to December 2022 when Lucky Ali publicly addressed the issue on social media, tagging the Karnataka Director General of Police. He alleged that the Reddys, with alleged ties to the “Bangalore land mafia” and supported by Rohini Sindhuri, encroached upon his property “illegally”.

Mr Ali claimed that his family has had rightful ownership of the land for over 50 years, condemning what he described as complicit behaviour by the police. “I am getting no help from the local police, who are supporting the encroachers and are indifferent to our situation,” he wrote at the time.

IAS officer Rohini Sindhuri's tenure has been marred by controversies, including a high-profile dispute with IPS officer D Roopa Moudgil. Ms Moudgil shared Ms Sindhuri's private photos online, leading to a legal battle that saw both officials transferred by the Karnataka government.

In response to these accusations, Ms Sindhuri demanded significant compensation and an apology from Ms Moudgil, which escalated into criminal defamation proceedings against the IPS officer.

Chargesheet Filed Against 5 People For Trafficking Indians

New Delhi: The National Investigation Agency (NIA) on Friday filed charge sheet against five persons, including two foreign nationals, suspected to be part of an international racket trafficking Indian youths and coercing them to work in fraudulent call centres abroad.The powerful syndicates also used victim control tactics in case any of the trafficked youths refused to continue with the online fraud work, the probe agency said in a statement."These tactics included isolation and restriction of movement, confiscation of personal travel documents and physical abuse, arbitrary fines, threat to kill, threat to rape in case of women, threat to arraign in false case of drugs in local police station etc.," it said.According to NIA investigations, the accused

targeted Indian youths proficient in computers and English language, and coerced them into working in fraudulent call centres on tourist visa for pecuniary gains.The victims were being recruited, transported and transferred from India to the Golden Triangle SEZ in Lao PDR via Thailand, the NIA said.Upon arrival, the victims were trained in the use of Facebook, Telegram, basics of cryptocurrency, and handling of applications created by the scam company, it added. "Tightening its noose further around the human trafficking and cyber fraud syndicates operating within and outside the country, the NIA on Friday charge sheeted five accused, including two foreign nationals, in a major case having international linkages," the statement said.Two of the accused named in the charge sheet - Jerry Jacob and Godfrey Alvares - are under arrest and the others - Sunny Gonsalves and foreign nationals Niu Niu and Elvis Du - are still on run, it added, without disclosing further details. The charge sheet filed before NIA special court, Mumbai, has exposed the involvement of several foreign nationals in the case, in which the agency is continuing.

TDP-Led Andhra Govt Demolishes YSRCP Headquarters, Ex-CM Jagan Calls It 'Naidu's Vendetta Politics'

New Delhi: Municipal authorities razed the YSR Congress Party's under-construction central headquarters in Tadepalli, Guntur district, early Saturday on allegations that it was illegal. The Mangalagiri-Tadepalli Municipal Corporation (MTMC) began demolition with excavators and bulldozers at around 5:30 a.m. The Capital Region Development Authority (CRDA) had notified the opposition party about the alleged illegal construction.On Friday, the YSRCP filed a petition in the High Court contesting the CRDA office. According to a party spokesperson, the court ordered a halt to all demolition operations, which the YSRCP's counsel transmitted to the CRDA Commissioner.Officials from the CRDA and MTMC stated that the

irrigation department's land was being used to build the YSRCP office. There have been claims that the boatyard land was leased for a nominal sum during the tenure of the former Jagan Mohan Reddy-led YSRCP government. Additionally, there were claims that the building was started without first obtaining CRDA and MTMC approval.

Y. S. Jagan Mohan Reddy, former chief minister and YSRCP president, has attacked the TDP-led government's actions. In his post on 'X', he claimed that Chief Minister Chandrababu Naidu had turned to political vendetta. He said that a tyrant used bulldozers to demolish the YSRCP's central headquarters, despite the High Court's rulings.According to Jagan Mohan Reddy, Naidu's actions were a message about how his administration would be for the next five years.

However, the YSRCP Chief stated that the party would not be intimidated by these threats or political vendettas. He promised to fight for the people's rights and urged all democratic forces in the country to reject Chandrababu Naidu's actions.

Delhi water crisis: Long queues continue to form near tankers across capital

NEW DELHI: Long lines of people were seen queuing up on Saturday to collect water from tankers across various parts of New Delhi, as the city continued to endure the summer heat. This situation has been ongoing since the beginning of the summer season, causing daily inconvenience to residents who flock to water tankers with cans and buckets.

Areas such as Chilla Gaon in Mayur Vihar, Sanjay Colony in Okhla, and Geeta Colony have particularly witnessed long queues and crowds around water tankers. The soaring temperatures have exacerbated the water scarcity, making it a pressing issue for local residents.Amid the water crisis, Delhi's Water Minister Atishi initiated an indefinite hunger strike on Friday. She alleged that the Haryana government is withholding Delhi's share of water, leading to the current shortages. Accompanied by Aam Aadmi Party leader Sanjay Singh and other

party members, Atishi began her hunger strike at Bhogal, near Jangpura, after paying tribute to Mahatma Gandhi at Rajghat.

The political contention surrounding the water crisis has seen accusations from the Bharatiya Janata Party. BJP MP Bansuri Swaraj has criticized the AAP government, suggesting that the crisis might be a deliberate strategy to foster corruption."It almost seems that this crisis, which is not a natural crisis, has been orchestrated by the Kejriwal government to encourage their own corruption as well as to encourage the illegal tanker mafia," Bansuri Swaraj said.Bansuri Swaraj further criticized Delhi's response to the crisis, stating, "Delhi is in a dire state. The entire city is parched and the Kejriwal government is indulging only in theatrics. Delhi Minister Atishi instead of working on the ground and instead of taking any adequate steps is now indulging in mere theatrics and is now threatening Delhiites with anshan (fast)."The situation remains tense as residents continue to deal with the daily quest for water amidst the rising temperatures. The political standoff adds another layer of complexity to an already dire situation.

Accused in Pannun murder plot yet to seek consular access in US, says India

Indian authorities have not yet received any request for consular access from Nikhil Gupta after he was extradited to the US from the Czech Republic. Gupta has been accused of involvement in a murder-for-hire plot against Khalistani terrorist Gurpatwant Singh Pannun.

New Delhi: The government said on Saturday that it has not received a request for consular access from Nikhil Gupta, the Indian national extradited to the United States on charges of plotting to assassinate Khalistani terrorist Gurpatwant Singh Pannun.Gupta was extradited from the Czech Republi on June 14 after being arrested there last year."We have so far not received any request for consular access from Gupta

but his family has gotten in touch with us," said External Affairs Ministry spokesperson Randhir Jaiswal.

Indian officials did have consular access to Gupta while he was detained in the Czech Republic.US federal prosecutors allege Gupta conspired with an Indian government official to kill Gurpatwant Singh Pannun in New York last year. Pannun, a dual citizen of the US and Canada, is wanted in India on terrorism charges.Whether Gupta will receive consular access hinges on the Vienna Convention on Consular Relations. Article 36 of the convention states a detained person must initiate the request for consular access.

However, the article also specifies that consular officials "shall refrain from taking action on behalf of a national" who objects to such assistance.After his extradition to the US, Gupta was produced before a federal court in New York where he pleaded not guilty to the charges against him. He faces charges of murder-for-hire and conspiracy to commit murder-for-hire, each carrying a maximum sentence of 10 years in prison.

Gupta was ordered detained without bail until his next court appearance on June 28.S Attorney General Merrick Garland stated that the US will not tolerate attempts to harm its citizens. He said that Gupta "will now face justice in an American courtroom" for his alleged role in the plot directed by an Indian government India has denied any involvement in the alleged attempt to assassinate Pannun, stating that such actions are against government policy. The government also launched a high-level investigation into the allegations.

NEWS BOX

Baltimore bridge collapse: 8 Indian crew members of cargo ship MV Dali leave for India, 13 to stay back for ongoing investigation

world. After nearly three months aboard the massive cargo ship 'Dali', eight Indian crew members who were involved in the vessel's collision with Baltimore bridge in March departed for India on Friday.As per the Baltimore Maritime Exchange, four of the 21 crew members remained on the 984-foot cargo ship MV Dali, which is slated to depart for Norfolk, Virginia on Friday evening.Eight Indian crew members, including a cook, a fitter, and seamen, have been allowed to leave the US following a judge-approved deal, these individuals are not officers.The remaining 13 crew members will stay in the US due to ongoing investigations.The remaining crew has been relocated to a service apartment in Baltimore, where they will stay pending the completion of an investigation.20 of the crew members were Indian citizens and they were aboard the MV Dali Cargo when it collided with the pillars of Baltimore's Francis Scott Key Bridge, causing its collapse and the tragic loss of six construction workers' lives.The ship owned by Grace Ocean Private Ltd, MV Dali will undergo necessary repairs in Norfolk. It was en route from Baltimore to Colombo with a capacity of 10,000 TEU and an onboard load of 4,679 TEU. The vessel's deadweight is 116,851 DWT.Director of the Baltimore International Seafarers' Center and chaplain for the Port of Baltimore Rev. Joshua Messick told CNN that, "They're anxious, under considerable stress considering they don't know the future. They don't know when they'll see their family again or how they'll be treated here."

As of now, no crew members have been charged in relation to the disaster. The FBI and other federal agencies are conducting investigations into the incident.

The Francis Scott Key Bridge, a 2.6km-long, four-lane structure spanning the Patapsco River in Baltimore, collapsed after being struck by the vessel Dali on March 26.

US Supreme Court upholds ban on domestic abusers possessing firearms

world. The US Supreme Court upheld a federal law on Friday that prohibits domestic abusers from possessing firearms, reinforcing regulations intended to prevent gun violence. This decision is the first on gun rights since a significant 20222 ruling that loosened firearm restrictions. Chief Justice John Roberts stated that disarming individuals who pose credible threats ins consistent with the Second Amendment.

"When an individual has been found by a court to pose a credible threat to the physical safety of another, that individual may be temporarily disarmed consistent with the second amendment," Chief Justice John Roberts wrote in the 8-1 opinion."Since the founding, the nation's firearm laws have included regulations to stop individuals who threaten physical harm to others from misusing firearms. As applied to the facts of this case, (the law) fits comfortably within this tradition."The decision comes amid ongoing debates over gun control in the United States, a country where gun violence is prevalent and there are more firearms than people. The Gun Violence Archive recorded over 40,000 deaths due to gun violence last year. Political resistance often meets attempts to tighten gun control measures.President Joe Biden welcomed the Supreme Court's decision, highlighting his administration's efforts to strengthen gun safety and combat gender-based violence. He also expressed his commitment to urging Congress to enact stricter gun control laws.

"As a result of today's ruling, survivors of domestic violence and their families will still be able to count on critical protections, just as they have for the past three decades," he said in a statement.Biden added that he was "firmly committed" to ending violence against women and would push Congress for action to "stop the epidemic of gun violence tearing our communities apart."The 2022 Supreme Court decision allowed only "reasonable" exceptions to the Second Amendment and emphasized using historical precedents to regulate firearms. This ruling left lower courts navigating whether proposed gun restrictions fit within historical firearms regulation traditions dating back to the late 18th and 19th centuries.In March, an ultraconservative appeals court ruled that a federal law banning gun ownership for people with domestic violence restraining orders was unconstitutional due to a lack of historical precedent.

During a case presentation last November, Solicitor General Elizabeth Prelogar emphasized the dangers of domestic abusers having access to firearms.

Fake elector case in Nevada dismissed over venue question, state attorney general vows appeal

LAS VEGAS. A Nevada judge dismissed an indictment Friday against six Republicans accused of submitting certificates to Congress falsely declaring Donald Trump the winner of the state's 2020 presidential election, potentially cutting from four to three the number of states with criminal charges pending against so-called fake electors.

Nevada Attorney General Aaron Ford stood after Clark County District Court Judge Mary Kay Holthus ruled that Las Vegas was the wrong venue for the case and said he'll take the case to the state Supreme Court.

"The judge got it wrong and we'll be appealing immediately," Ford, a Democrat, told reporters afterward. He declined additional comment.

Defense attorneys bluntly declared the case dead, saying that to bring it now before another grand jury in another venue such as Nevada's capital city of Carson City would violate a three-year statute of limitations that expired last December."They're done," said Margaret McLetchie, attorney for Clark County Republican party chairman Jesse Law, one of the defendants in the case.

The judge called off trial, which had been scheduled for January, for defendants also including state GOP chairman Michael McDonald; national party committee member Jim DeGraffenreid; national and Douglas County committee member Shawn Meehan; Storey County clerk Jim Hindle; and Eileen Rice, a party member from the Lake Tahoe area. Each was accused of offering a false instrument for filing and uttering a forged instrument - felonies carrying a penalty of up to four or five years in prison.

6 deaths reported in US's Phoenix this year as temperatures soar to 115 degrees

Another 87 deaths are under investigation for possible heat-related causes through last Saturday, public health officials said in the most recent weekly update to its online heat surveillance information.

Phoenix, At least six people have died from heat-related causes this year so far in sizzling metro Phoenix, where the temperatures this week hit 115 degrees Fahrenheit (46 Celsius), the Maricopa County Department of Public Health reported this week.Another 87 deaths are under investigation for possible heat-related causes through last Saturday, public health officials said in the most recent weekly update to its online heat surveillance information.Phoenix hit 115 degrees F (46 C) on Thursday and Friday, making them the hottest days of 2024 up to now.. The metro area continued to swelter through an excessive heat warning under a dome of high pressure, with some moisture and a slight cooling possible over the weekend.A heat wave baked most of the United States on Friday, with numerous areas expected to see record-breaking temperatures.

"We might see a little rain over the next few days because there is a 30% chance for Phoenix," said meteorologist Ryan Worley of the National Weather Service. "There could be a slight cool down to around 110 degrees, but temperatures should go back up next week."Situated in the Sonoran desert, Maricopa County saw a stunning 645 heat-related deaths last year, about 50% more than the 425 confirmed for 2022.Arizona Gov. Katie Hobbs declared a state of emergency in 2023 after metro Phoenix experienced a 31-day streak of temperatures reaching at least 110 degrees F (43.3 degrees C).Maricopa County, the hottest big metro area in the U.S., is among few jurisdictions that provide regularly updated data on heat-related deaths that can be easily accessed by the public.

The Office of the Medical Examiner in Pima County, home to Arizona's second most populous city of Tucson, this year added a dashboard to track heat deaths there. So far this year, there have been at least five heat-related deaths in Pima County, plus three more in the rural counties that contract with Pima for forensic services.Last year in Pima County there were 176 heat-related deaths and another 51 such deaths in the five additional rural counties that the medical examiner handles.

Namibian court junks colonial-era law criminalising gay sex, upholds equality

Windhoek. A court in Namibia on Friday overturned and declared unconstitutional a colonial-era law criminalising gay sex between men in a victory for LGBTQ campaigners in the southern African nation.Three judges in the High Court in the capital, Windhoek, said in a joint ruling that the law that banned "sodomy" and "unnatural sexual offences" between men and dated back to the time when Namibia was ruled by apartheid-era South Africa was unfair discrimination and should be removed.The case against the government was brought by a gay Namibian man, Friedel Dausab, in 2022. There are no laws criminalising sexual activity between women.Dausab argued that the law was a legacy of Namibia's colonial history and was aimed at punishing and excluding gay men. He said in his court papers that although people were rarely prosecuted under the law, it stigmatised and marginalised same-sex couples "by outlawing the most private and intimate expressions of their love and identity." The government opposed Dausab's case.

The United Nations' HIV/AIDS agency said the ruling "marks a significant victory for equality and human rights for all Namibians and will help protect the health of everyone." The law had "perpetuated an environment of discrimination and fear, often hindering access to essential healthcare services" for members of the LGBTQ community, UNAIDS regional director for southern and East Africa, Anne Githuku-Shongwe said.

Amnesty International also welcomed the decision and said that Namibia had experienced a fierce anti-LQBTQ "backlash" in the past year after a 2023 Supreme Court decision that recognised same-sex unions between Namibian citizens performed in other countries.In Africa, 31 countries criminalised same-sex sexual activity at the start of this year, according to Amnesty. That includes Uganda's harsh new anti-gay law that was passed last year and allows for the death sentence in some cases.Zimbabwe's Gay and Lesbian Association said it was heartened that the Namibian ruling had upheld the principles of equality and called on its own government to

An Indian-born billionaire Prakash Hinduja, 3 family members get prison in Switzerland for exploiting domestic workers

GENEVA. An Indian-born billionaire and three family members were sentenced to prison on Friday for exploiting domestic workers at their lakeside villa in Switzerland by seizing their passports, barring them from going out and making them work up to 18 hours a day.A Swiss court dismissed more serious charges of human trafficking against 79-year-old tycoon Prakash Hinduja; his wife, Kamal; son Ajay and daughter-in-law Namrata on the grounds that the workers understood what they were getting into, at least in part.The four received between four and 4 1/2 years in prison.

The workers were mostly illiterate Indians who were paid not in Swiss francs but in Indian rupees, deposited in banks back home that they couldn't access.Lawyers representing the defendants said they would appeal.

Robert Assael, a lawyer for Kamal Hinduja, said he was "relieved" that the court threw out the trafficking charges but called the sentence excessive.

"The health of our clients is very poor, they are elderly people," he said, explaining why the family was not in court.He said Hinduja's 75-year-old wife was in intensive care and the family was with her.A fifth defendant - Najib Ziazi, the family's business manager - received an 18-month suspended sentence.Last week, it emerged in court that the family had reached an undisclosed settlement with the plaintiffs.Swiss authorities have seized diamonds, rubies, a platinum necklace and other jewelry and assets in anticipation that they could be used to pay for legal fees and possible penalties.Along with three brothers, Prakash Hinduja leads an industrial conglomerate in sectors including information technology, media, power, real estate and health care.Forbes magazine has put the Hinduja family's net worth at some $20 billion.The family set up residence in Switzerland in the 1980s, and Hinduja was convicted in 2007 on similar charges.A separate tax case brought by Swiss authorities is pending against Hinduja, who obtained Swiss citizenship in 2000.In this case, the court said the four were guilty of exploiting the workers and providing unauthorised employment, giving meager if any health benefits and paying wages that were less than one-tenth the pay for such jobs in Switzerland.Prosecutors said workers described a "climate of fear" instituted by Kamal Hinduja.They were forced to work with little or no vacation time, and worked even later hours for receptions.They slept in the basement, sometimes on a mattress on the floor.

Hindujas file appeal against Swiss court's jail term orderOn Friday the Hindujas said they were "appalled" by a Swiss court's ruling of jail terms for some members in Geneva and that an appeal has been filed in a higher court challenging the verdict finding them guilty of exploiting vulnerable domestic workers.

Three killed, 10 injured in shooting at grocery store in US's Arkansas

Arkansas.A shooter opened fire Friday at a grocery store in Arkansas, killing three people and wounding 10 others, including two law enforcement officers, police said. The suspect was also wounded in a shootout with police, Arkansas State Police Director Mike Hagar was quoted as saying by news agency Reuters in its report.The shooting occurred just after 11:30 a.m. at the Mad Butcher grocery store in Fordyce, a city of about 3,200 people located 65 miles (104 kilometers) south of Little Rock.Police identified the suspected shooter as 44-year-old Travis Eugene Posey of New Edinburg. He was taken to jail and charged with three counts of capital murder, while other charges are still pending. No court date had been set, according to the inmate roster.A state police spokesperson did not know if Posey had an attorney, and the Ouachita County Sheriff's Office said it had no information.

Neither the officers' nor Posey's injuries were life threatening. The remaining injuries ranged from "not life-threatening to extremely critical," Hagar said.Responding officers shot the suspected shooter, whose injuries were not life-threatening, Arkansas Department of Public Safety Director Mike Hagar said at a news conference Friday. The two officers that were shot sustained injuries that were not life-threatening.

The remaining injuries ranged from "not life-threatening to extremely critical," Hagar said.

"It's tragic, our hearts are broken," he said.

It's the latest mass shooting where grocery store is its backdrop. A white supremacist in 2022 killed 10 Black people at a Buffalo supermarket. That shooting came a little more than a year after one at a Boulder, Colorado, supermarket, where 10 people were killed.Police did not immediately say whether the shooting occurred inside or outside the store. Hagar said they expected to release more information later Friday evening.Video posted on social media showed at least one person lying in the parking lot, while another captured multiple gunshots ringing out.Images from reporters on the scene showed a slew of bullet holes in the grocery store's window. In video footage, local and state agencies could be seen responding to the scene, with at least one medical helicopter landing nearby.Arkansas Gov. Sarah Huckabee Sanders said she had been briefed on the shooting."I am thankful to law enforcement and first responders for their quick and heroic action to save lives," Sanders posted on the social media platform X. "My prayers are with the victims and all those impacted by this."David Rodriguez, 58, had stopped at his local gas station in Fordyce to fill up his car when he heard what he thought were fireworks from a nearby vendor's stand.We heard a few little pops," he said.

He then saw people running from the Mad Butcher grocery store into the parking lot, and one person lying on the ground.

Balkan countries hit by massive power outage as heat overloads system

Montenegro's energy minister said the shutdown was caused by a sudden increase in power consumption brought on by high temperatures, and by the heat itself overloading systems. Power distribution is linked across the Balkans for transfers and trading.

Podgorica. A major power outage hit Montenegro, Bosnia, Albania and most of Croatia's coast on Friday, disrupting businesses, shutting down traffic lights and leaving people sweltering without air conditioning in the middle of a heatwave.

Montenegro's energy minister said the shutdown was caused by a sudden increase in power consumption brought on by high temperatures, and by the heat itself overloading systems. Power distribution is linked across the Balkans for transfers and trading.This was just waiting to happen in this heat," Gentiana, a 24-year-old student in Montenegro's capital Podgorica, told Reuters. Temperatures hit 40 degrees Celsius (104 degrees Fahrenheit) across the southeastern European region.Electricity and wifi networks went down from around 1 p.m. (1100 GMT), officials and social media users said. Suppliers in the four countries said they started restoring supply by mid-afternoon and power was largely back by the evening.At the start of the blackout, traffic light failures caused gridlock in Bosnia's capital Sarajevo and the cities of Banja Luka and Mostar, Reuters reporters said.Many lost water in Podgorica as pumps stopped working, locals reported. Air conditioners shut down and ice cream melted in tourist shops.Cars also ground to a halt in the Croatian coastal city of Split, state TV HRT reported. Ambulance sirens rang out across the city, it added.The failure occurred as a result of a heavy load on the network, a sudden increase in power consumption due to high temperature and the high temperatures themselves," Montenegro's energy minister, Sasa Mujovic, said in a TV broadcast.Experts were still trying to identify where the malfunction originated, he added.

RISK REMAINS

Montenegro's Vijesti TV said a fire had been spotted in a 400KW transmission line in a rugged area along the border with Bosnia - though it was not immediately clear if this could have been the cause of outages or in some way related to them.The report cited unnamed sources from the electric transmission company CGES which, it said, would need helicopters to access the site.Albanian Energy Minister Belinda Balluku said there had been a breakdown in an interconnector between Albania and Greece and he had heard there had been similar circumstances in Montenegro and prts of Croatia and Bosnia.A full investigation would take time, but early analysis suggested that "big volumes of power in the transmission system at the moment and very high temperatures in record levels have created this technical problem," Balluku added in a video address.Power in Albania was restored within half an hour, but the country remained at a high risk of further shutdowns as power usage and heat levels were still high, he said.Shifts in the region's energy supplies have put strains on its transmission systems, industry officials say.Western Balkan nations have seen a boom in solar energy investment, meant to ease a power crisis that had threatened a shift away from coal.But the infrastructure is not prepared for new energy feeds, the president of North Macedonia's Energy Regulatory Commission and other industry figures told Reuters in April last year.

My goal is the UFC title: Sergei Pavlovich on Alexander Volkov fight and Jon Jones

NEW DELHI. When Sergei Pavlovich went into his fight for the UFC Interim Heavyweight title against Tom Aspinall, he had the world at his feet. A six-fight winning streak that saw him finish off opponents well within the first round and score impressive wins over the likes of Derrick Lewis and Curtis Blaydes. However, UFC 295 was a reality check for the Russian star as he faced defeat in the first round to Aspinall.The Russian decided to lay low and work back to get into his rhythm and work back towards his goal. The UFC Heavyweight title. Pavlovic, in an exclusive interaction with India Today, opened up on the loss to Aspinall and said for him, it is all about moving forward and preparing well for the fight, irrespective of the final outcome."You know, for every fight I prepare to the fullest. It doesn't matter if I win or lose. It's just every fight is very important for me. What's important for me is to just keep moving forward and do my work. Prepare and make sure that I've done everything to be able to catch the victory," said Pavlovich.

So why the Volkov fight?

At the Kingdom Arena in Saudi Arabia, Pavlovich will now face Alexander Volkov in the co-main event of UFC Saudi Arabia, a fight that caught everyone by surprise. Both men used to train together and it is a rarity that people who know each other fight it out in the UFC. Pavlovich did say that they were just acquaintances and not 'friends' as many perceived them to be.The Russian would then reveal that he was initially uninterested in fighting Volkov, someone below him in the rankings. The 32-year-old further commented that he didn't want to fight somebody down the rankings but wasn't ready to appear like someone who turns down fights."First of all, I have to tell you that I'm completely uninterested in this fight. I was uninterested in this fight because I'm higher than he is in the rankings. And so, I didn't really want to have to fight down. But, you know, it doesn't work like that. Because if they sign the contract and I don't, that means I'm quote-unquote not accepting the fight.""And that's not how UFC works. You know, it can be one fighter that always accepts all the fights and the other fighter that turns it down. So, if both fighters aren't interested in the fight, then both fighters should not sign the contract. Now, if I know that he has gone ahead and signed the contract, the only thing that I have left is to sign the contract and accept the fight as well,

because I'm not going to be the one who turns down fights," said Pavlovich.Pavlovich also said he would try to go get a quick exciting finish against Volkov."We'll try and make sure to get the finish. Uh, like I said before, you can never plan for a knockout. It comes spontaneously. It just happens. Of course. We're gonna try and show a a quick, exciting finish. That's the goal," said Pavlovich.

A bit of trash talk?

A striking feature about Pavlovich and his build toward fights is the fact he stays away from trash-talking. Most of the UFC fights see opponents have some verbal punches thrown at each other before the actual one inside the octagon.So will we see Pavlovich do some trash-talking? The Russian joked maybe he should at first but then said it all comes down to his inner feelings going into a fight. Pavlovich claimed that sets his path as a fighter and guides him on in his MMA career."You know, great idea. Maybe I should start some trash talk. No, I'm kidding. Of course, but you know it's kind of an inner feeling. You know what? We as fighters, how we feel inside is how we lay our path to where we want to go in this career. So I think that this is just how I am. This is what's guiding me."Pavlovich, however, isn't averse to the idea of a bit of trash talk, but within the limits and not saying anything outrageous."But, you know what? Maybe a little bit I should start saying some things, you know, of course, keeping myself to the limit, not saying anything outrageous. But just to do a little more, you know, promotion," said Pavlovich.

Fighting Jon Jones?

Jon Jones' return has been a much-talked-about topic in the UFC Heavyweight division. Many feel Jones is ducking premier stars like Aspinall and Pavlovich and angling toward a fight that is better for him.

Rovman Powell credits Roston Chase and Shai Hope for WI's thumping win vs USA

NEW DELHI. Rovman Powell credited Roston Chase and Shai Hope for a commanding win for West Indies against the USA. In the clash of the co-hosts of the T20 World Cup 2024, West Indies emerged victorious by 9 wickets against the USA at the Daren Sammy National Cricket Stadium in St Lucia on June 22, Saturday. Roston Chase was adjudged as the Player of the Match for his figures of 4-0-19-3, which are also his career-best figures in T20Is. His brilliant bowling spell was followed by a scintillating batting display by Shai Hope, who remained unbeaten on 89.Chase dominated the middle overs with his 3-wicket spell as he ran through USA's middle order. He played a crucial role alongside Andre Russell and Alzarri Josheph, who picked three and two wickets respectively. The collective bowling effort helped West Indies restrict USA to 128 runs. Hope went all guns blazing right from the

start and played a blistering knock of 89* runs from just 39 balls. He struck over 210 runs as his knock included 8 fours and 4 fours.Powell praised Chase's spell and mentioned that Hope was hungry to put up a big show. He thanked the crowd for their support and reckoned that the game against South Africa would be a cracker.

"It's very special, Kensington brings back special memories for us. We had a great opportunity to come out and play some good cricket. (On Roston Chase) He plays really well, plays a role very well. Keeps things tight. On a good surface, he bowled really well," Powell told the broadcasters after West Indies' win against the USA.

WI vs USA: Match Report | Highlights

Chase and Hope's contribution

"(On Shai Hope) He's been fantastic, he got a chance against Afghanistan but was dropped next game against England in St Lucia because of the combination. However, he was hungry for a good performance. It (WI vs South Africa) should be a top game, we are up for the fight. We got a full house here to support us, that's all we can ask for," Powell added.West Indies next encounter against South Africa could be a virtual quarter-final. However, their commanding win over the USA gave them a huge shot in the arm as their net-run-rate received a massive boost.

Roston Chase's roller-coaster ride: From almost missing team bus to winning match for WI

New Delhi. Roston Chase described his roller-coaster of a day from almost missing his team bus to winning the match for West Indies. The hosts West Indies registered a convincing win by 9 wickets against the USA at the Daren Sammy National Cricket Stadium in St Lucia on June 22, Saturday. Chase was adjudged as the Player of the Match for his figures of 4-0-19-3 against the USA. The West Indies spinner registered his best figures in the T20Is and played a crucial role in restricting the USA to 128 runs.Chase picked wicket on his very first ball to dismiss USA captain Aaron Jones for just 11 runs. He struck yet again with the wicket of the dangerous Corey Anderson. He also dismissed Harmeet Singh to put West Indies on the front foot. He was supported well by Andre Russell and Alzarri Joseph, who picked three and two wickets respectively. Chase ran through the middle-order with three wickets and the USA couldn't really recover from that damage.Chase revealed how he was

not having the best of days and managed to turn it around, that too in front of his family and friends.

My best figures, to do it at home is a great feeling with all my friends and family watching. We spoke about it in the team meeting that it's our job as spinners to restrict them if they go well in the powerplay. Today I wasn't having the best of days, I almost missed the bus. Great place to play cricket here, it's a great stadium and the fans are always around. Our is to go and win this World Cup, we need to beat anyone in front of us," Chase told the broadcasters after the match.

Roston Chase wins Player of the Match

Thumping win for West Indies

West Indies gave a reality check to the USA team after they were in dreamland. Shai Hope started off the proceedings on an aggressive note as he remained unbeaten at 82 runs from just 39 balls. He was supported well by Nicholas Pooran who scored 27 runs from 12 balls. West Indies managed to complete the chase withing 10.5 overs. They gave their net-run-rate a big boost in the lead-up to the semi-finals of the T20 World Cup 2024.

Andy Murray to undergo back surgery after Queen's, uncertain for Wimbledon

- Andy Murray is set to undergo back surgery after retiring midway from his second-round match in the Queen's Club Championships. Murray is looking to get fit before Wimbledon 2024.

NEW DELHI. Andy Murray, the celebrated British tennis player, is set to undergo a back procedure after an injury compelled him to retire from his second-round match at the Queen's Club Championships. This news was confirmed by his management team on Friday.

The 3-time Grand Slam champion had to exit the London tournament after falling behind 4-1 in the first set against Australian player Jordan Thompson on Wednesday. The injury, which forced his withdrawal, marks yet another setback in Murray's storied

career, one that has been fraught with physical challenges.Murray's decision to undergo a back procedure highlights the severity of his condition and underscores his commitment to returning to peak form. Fans and fellow players alike will be eagerly monitoring his recovery progress, hoping for a swift and successful return to the court.Andy is having a procedure on his back tomorrow. (Saturday) We will know more after this has taken place and will update further as soon as possible," a statement to British media said.

The Guardian has revealed that Murray is set to undergo surgery. The renowned Scottish tennis star, who has secured two Olympic gold medals, mentioned earlier this year that continuing his career beyond this season seems unlikely. As Wimbledon quickly approaches, Murray faces a time crunch to regain his form and fitness for the prestigious event.

Andy Murray racing against time

At 37, Murray has suggested that retiring from professional tennis, either at this year's Wimbledon or the Paris Olympics, could mark a fitting end to his illustrious career. Wimbledon, a centrepiece in the tennis calendar, will take place from July 1 to 14. Conversely, the tennis events at the Paris Olympics are slated to begin shortly after, on July 27.This parallel timeline puts immense pressure on Murray, who must not only heal but also achieve peak performance. His possible retirement adds an emotional layer, as fans and fellow athletes brace to potentially witness the concluding chapters of a spectacular career that has inspired numerous young talents.

T20 World Cup Group 2 Semi-final qualification scenario: 3-way race in heated battle

- T20 World Cup 2024: Jos Buttler's England, Aiden Markram's South Africa and Rovman Powell's West Indies are involved in a 3-way race to book spots in the semi-final of the multi-nation event.

NEW DELHI. The race for spots in the semi-final of the T20 World Cup 2024 is heating up big time. In Group 2 of the Super 8, only 2 matches remain, but neither a team has qualified nor has any team been knocked out of the competition. Given the current scenario, South Africa, England and the West Indies are in with a realistic chance of advancing to the semis.South Africa have won 6 matches in a row in the tournament, but they need more work to do for a spot in the semi-final. West Indies lost to England in their first Super 8 match, but made a stupendous comeback to beat the United States by 9 wickets at the Kensington Oval in Bridgetown, Barbados.

USA vs WI, T20 World Cup, Highlights

England, on the other hand, made a thunderous start against the West Indies. However, after facing defeat at the hands of the Proteas, they are sitting third in the points table. The USA are all but out of the competition, although they are still in with a mathematical chance.

Here is the qualification scenario of all 4 teams in the T20 World Cup 2024 semi-final.

South Africa scenario

It's pretty straightforward for South Africa from here on. The Proteas need an outright win against West Indies to qualify for the semis. But if they lose their last Super 8 game, they might well be knocked out of the

competition on the basis of net run rate. Currently, the Proteas have a net run rate of +0.625, which is slightly above England's +0.412 and way below West Indies' +1.814.

West Indies scenario

West Indies need a win against South Africa to book their berth in the semis. If they secure victory, they will be locked on 4 points with the Proteas. But the Caribbean team will go through on the basis of a superior net run rate. West Indies had a terrible net run rate of -1.343, which they improved after their huge win over the USA.

England scenario

For England, the scenario is a little complicated as of now. A win alone against the United States would not be enough for them to qualify for the semis. First and foremost, they need to beat the USA and also try and improve their net run rate. Then they have to depend on the result of the match between South Africa and the West Indies.

USA scenario

For the USA, they need a miracle to go through to the semis. They need to beat England by a mammoth margin in their last Super 8 match and then hope for South Africa to hammer West Indies. They are sitting at the bottom with a disastrous net run rate of -2.471.

NEWS BOX

'Misunderstood' Gautam Gambhir's desire to win is unbelievable, says R Ashwin

Veteran spinner Ravichandran Ashwin praised Gautam Gambhir, the leading candidate to succeed Rahul Dravid as India's head coach, describing him as a "fighter" and hailing his desire to win as unbelievable. Speaking at the launch of his book, I Have the Streets - A Kutti Cricket Story, Ashwin reminisced about his interactions with Gambhir during his first full Test series for India against New Zealand in 2012. "I was playing my first full series. I only carried drinks during the first two years before the World Cup in 2011. Gautam gave me a lot of confidence at the beginning of my career. I was not used to someone beyond my state (Tamil Nadu) giving me that sort of confidence," Ashwin revealed.Gautam Gambhir is the frontrunner to replace Rahul Dravid as the head coach of the Indian men's cricket team, with Dravid's tenure ending in June. Gambhir recently attended an interview conducted by the BCCI Cricket Advisory Committee for the coveted position. The other candidates interviewed included WV Raman and an overseas contender.The 37-year-old spinner emphasised that Gambhir, a former Indian opener, is often misunderstood due to his candid nature. "Gautam Gambhir is a very misunderstood person. It's all about perception. He is a fighter. The biggest issue with many of us is that we give hero status to someone in our mind and forget about everyone else. This is a sport, not a movie narrative. There are no heroes and villains. Gambhir is a competitor. His desire and hunger to win is unbelievable. I have massive respect for him," Ashwin addedGambhir is anticipated to secure the head coach role ahead of WV Raman, with the BCCI expected to announce their decision soon. However, Gambhir might officially assume the position in mid-July when India travels to Sri Lanka for a limited-overs series. In the interim, VVS Laxman, the director of the National Cricket Academy, is likely to accompany the team as head coach for the tour of Zimbabwe, which follows the T20 World Cup, according to PTI.

Afghanistan players turn chefs in West Indies after unavailability of halal meat in team hotel

New Delhi The Afghanistan players had to don the chef's hat after the unavailability of halal meat at their team hotel in Barbados, West Indies. The absence of halal meat, a compulsory component in their dietary requirements, left them with no choice but to cook themselves or go out and eat. The Afghanistan team that was accustomed to the brilliant hospitality offered in India, found themselves facing a different situation in the Caribbean island. In order to address the issue, the players took it upon themselves to resolve the issue.After experiencing marvellous hospitality in the ODI World Cup 2023 in India, the Afghans landed in the West Indies for the T20 World Cup 2024. However, there was uncertainty around the meat available in the Bridgetown hotel being halal or not. The halal meat is available in the Caribbean island, but it is not certain if all the hotels and restaurants have it on their menu."Halal meat is not available in our hotel. Sometimes we cook on our own, or sometimes we go out. In the last World Cup In India, everything was perfect. Halal beef is an issue here."We had it in St. Lucia but it is not there at all venues. A friend arranged it for us, and we cooked on our own," a player told PTI.The scheduling of Super 8s in the T20 World Cup 2024 has been quite intense with teams playing three games in three different countries. It has been a logistical nightmare with one day of travel in between must-win matches.

'Fear of failure and...': Former New Zealand cricketer Ian Smith analyzes Indian cricket team's struggle to win ICC trophy

NEW DELHI. Former New Zealand cricketer Ian Smith believes that the Indian cricket team's inability to clinch major titles stems from a deep-rooted fear of failure. Despite their immense talent and skill, Team India has not secured a ICC trophy since 2013, leaving fans and experts perplexed.

Smith empathized with the team, acknowledging the immense pressure they face. According to him, fear of failure is a significant factor in sports, especially in cricket. He highlighted the unique burden that the Indian team carries, playing under the weight of unparalleled expectations.

T20 World Cup Schedule | Points Table | Stats

Smith also noted that no other team faces as much pressure, with the desire to win every game palpable among the huge fans.

"Fear of failure is a massive thing in sport. Pressure is a big thing. Being able to handle the big occasion. I mean, I don't think any team in the world, or cricket in particular, plays with as much pressure on their shoulders as the Indian cricket team," Smith was quoted as saying by PTI.

The constant need for victory makes every day a challenge for the players, intensifying the already high stakes of international cricket. The Indian cricket team's journey is laden with expectations and scrutiny, making it a tough mental battle for the players.

Malavika Mohanan

Gives A Refreshing Spin To Ethnic Style In Chikankari Saree

South actress Malavika Mohanan has been ruling the hearts of fans and followers with her fashion and style regularly. But, her recent photo dump on her Instagram account is an eye-catcher. Actresses across industries Bollywood and Tollywood love chikankari and so they should. Malavika has adorned a chikankari saree in all her flair and looks drop-dead gorgeous. The white chikankari saree with pearls and embroidery suits her beautifully. But that's not it, the fact is that she looks ravishing and breathtaking all at once with this look. Something about her in white and saree is magical.The look comprises a delicate sleeveless blouse that has a plunging v-neckline that accentuates her bodily charm. The saree flows graciously over her pristine silhouette making it a solid fashion inspiration for girls. The back of the blouse is a sleek strap adorned with pearls adding to the extravagance of this whole attire. The saree comes from the shelves of a Hyderabad-based design label, Sawan Gandhi and he has made a habit of creating such fashion moments.

Malavika has a real knack for her acting and the volume of work she is doing at present is proof. She is doing films in Malayalam, Telugu and Tamil languages. She is the female lead paired alongside Prabhas, in an upcoming film, The Raja Saab, which is in Telugu and is due for release in 2025. The film is directed by Maruthi and is being anticipated and awaited by audiences because Prabhas and Malavika are coming together. And, if that's not enough excitement, the genre of the film is a horror comedy which is also amongst the audiences' favourites.The film will have Prabhas romancing dream girl Malavika and has stirred up enthusiasm as no one saw this pair before sharing screen space. Her performance in the blockbuster action thriller Maaran, paired alongside Dhanush in 2022, deserves appreciation. This political thriller had fans raving about the film doing good business at the box office.

Kriti Sanon

Is A Bundle Of Sunshine As She Shares Postcard Perfect Photos From London

Kriti Sanon is currently basking in the success of her recently released film, Crew. She enjoys a massive fan following and is often seen sharing fun moments and happy snippets on her Instagram handle. Having said that, she recently dropped a bundle of postcard-perfect photos from her London vacay.Kriti looked the prettiest as she basked under the sunlight. She donned one of her brightest smiles. She pouted and showed a heart sign for her fans, acknowledging her love for them. She also winked for the second picture. She was a complete vision to behold.

Meanwhile, on the work front, Kriti Sanon will soon be seen in the crime thriller Do Patti with Kajol. The teaser has already left everyone excited, and fans are eagerly waiting for its release.The teaser opens with an aerial view of Manali, and Kajol is seen as a cop riding a bike. Her voice can be heard in the background throughout the video. She is talking about the right and wrong situations in life. Kriti Sanon's character is also shown as a glamorous one. She is seen in a grey shade. It looks like it is a murder mystery, but still, nothing is clear. The film will surely keep you on the edge of your seat.Last year, Kriti Sanon announced her first film as a producer. She took to her Instagram handle to share the first photo featuring her, Kajol, along with others.

Taking to her Instagram handle, the actress shared the photo featuring Kajol and wrote, "Thrilled to announce DO PATTI! Alongside three very strong-headed, inspiring, and immensely talented women, Monica, we couldn't have found a better platform than Netflix to tell this story! @netflix_in Superrr duperr excited to reunite with Kajol ma'am after 8 years! @kajol. Kanika – I've always loved your writing, and I'm so happy to be co-producing my first with you! Ufff, this is a special one! @kanika.d @kathhapictures. This one is going to be a thrilling game with a lot of heart! A first for Blue Butterfly Films, @bluebutterflyfilmsofficial"Do Patti marks the debut of writer Kanika Dhillon. She said, "Do Patti is a very special project, and there is no greater satisfaction than delivering a great story to your audience that is thrilling and interesting. You will be enthralled to see Kriti Sanon in a never-before-seen avatar, and having Kajol, who is such a legendary actor, was such a great pleasure as a writer-producer."

Sonakshi Sinha's Brothers Luv and Kush SKIP Her Pre-Wedding Festivities Amid Rift Rumours? Know Here

Sonakshi Sinha is all set to get married to her longtime boyfriend Zaheer Iqbal on June 23. Well, the marriage has been the talk of the town after it was reported that there has been an ongoing family feud. However, last night all rumours were put to rest after veteran actor and father of bride-to-be Shatrughan Sinha made his first public appearance with Zaheer Iqbal. But looks like Sonakshi Sinha's brother Luv and Kush were missing. The photos that have gone viral on social media suggest so.In the photos, we can see everyone including Sonakshi Sinha, her mother, Shatrughan Sinha, Zaheer Iqbal's family and others. But both brothers cannot be seen. This has once again raised speculations. Well, a couple of weeks ago Luv Sinha has dropped a cryptic post on his official Instagram account ahead of his sister's wedding. He has shared a throwback photo of himself on his social media account alongside a cryptic caption. Posting the pic, he wrote, "What side will you embrace today? #twoface #duotone #duality #throwback #portrait."

Earlier, Luv Sinha shared a throwback photo from his trip to Baku on his Instagram handle. Interestingly, Luv doesn't follow Sonakshi on Instagram (at the time of writing this article). Sharing the throwback photo, Luv wrote, "The problem with time is, that we never have enough of it. #Memories #Baku #Throwback #Streetphotography #Christmas #Nightlife #A7R5."

On Thursday, Sonakshi was spotted by paparazzi in Mumbai's Bandra area. The actress was clicked wearing an all-white ensemble. She refused to pose for the shutterbugs and looked very caught up. Interestingly, her father was also papped arriving in Bandra. For the unversed, Sonakshi's wedding reception will take place at Shilpa Shetty's restaurant Bastian in Bandra.Meanwhile, Shatrughan addressed the rumours surrounding Sonakshi's wedding and called out those who are spreading "fake news". "Tell me, whose life is it anyway? It's just the life of my only daughter Sonakshi, whom I'm very proud of and immensely fond of," Shatrughan told Times Now.com/Zoom. "She calls me the pillar of her strength. I will be there at the wedding, certainly. Why shouldn't I and why won't I?"

Munjya Box Office Day 14: Sharvari Wagh, Abhay Verma's Film Continues To Grow, Mints Rs 71 Crores

Sharvari Wagh and Abhay Verma starrer "Munjya" hit theatres on June 7 and impressed everyone. On its opening day, the film received a positive response from the audience and earned close to Rs 4 crore. By its first Sunday, the film had minted over Rs 8 crore. Now, on its second Sunday, the collections have surpassed expectations, earning Rs 8.5 crore. With this, the overall collection of the film stands at Rs 53.8 Cr, officially entering the Rs 50 Crore mark in India! On Friday, the film has an overall collection of over Rs. 71 Crores.Trade analyst Taran Adarsh took to his Twitter handle and shared, #Munjya is having a DREAM RUN… Week 2 is almost at par with Week 1, which speaks of its incredible run. Continues its dominance in mass pockets, which should act as an eye-opener for film-makers / Studios who greenlight films targeting a handful of metros, ignoring the mass pockets.An all-round, universal acceptability is a MUST. [Week 2] Fri 3.75 cr, Sat 6.75 cr, Sun 8.75 cr, Mon 5.50 cr [#Eid], Tue 3.50 cr, Wed 3.25 cr, Thu 3 cr. Total: ? 71 cr. #India biz. #Boxoffice #Munjya biz at a glance… Week 1: ? 36.50 cr, Week 2: ? 34.50 cr, Total: ? 71 cr, #India biz. #BoxofficeAccording to a report in Sacknilk, The film saw an overall occupancy of 15.82% percent in the Hindi belts on Friday. While the morning shows had an occupancy of 10.35% per cent, it increased to over 16.86 percent and 18.68 percent, respectively, during the evening and night shows.

Munjya is a horror-comedy which is based in Pune and the Konkan region. Besides Sharvari and Abhay, the film also stars Mona Singh in a key role. It follows the story of the eponymous mythical creature who wreaks havoc in the life of Bittu, played by Abhay.The film gained majorly positive reviews. News18 Showsha gave Munjya a 3-star rating. "Munjya beautifully draws inspiration by blending elements of horror and cultural depth to weave a story that is both enthralling and deeply rooted in Indian mythology. The movie delivers a good cinematic experience owing to its good writing and the gripping folklore.